डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹ 81500 10 ग्राम

₹ 102000 01 किलो

सेंसेक्स 76,905.51 +557.45

डॉलर 86.042 -0.285

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

चैत्र कृष्ण पक्ष 08, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), शनिवार, 22 मार्च 2025, वर्ष-31, अंक-155, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10 कियारा आडवाणी ने टॉक्सिक में काम...

एक नजर

आदिवासी संगठनों का रांची बंद आज

रांची। रांची के सिरम टोली फ्लाईओवर रैंप विवाद को लेकर आदिवासी संगठनों ने 22 मार्च को रांची बंद का अह्वान किया है। इस दिन संगठन के सदस्य सुबह से ही सड़क पर उतरकर चक्का जाम करके राजधानी को बंद करवायेंगे। हालांकि आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों, अस्पताल संचालकों, दवा दुकान के कर्मियों, एबुलेंस चालकों और मरीजों को इस बंद से मुक्त रखा गया है।

9 लाख की अफीम व डोडा बरामद, एक गिरफ्तार

गुमला। कामडारा पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 9 लाख रुपए मूल्य की अफीम व डोडा बरामद किया है। इस मामले में डूमरटोली कामडारा निवासी देशा होरो नामक युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। एसडीपीओ बसिया नाजीर अख्तर ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि डूमरटोली की ओर से एक व्यक्ति तस्करी के इरादे से अफीम लेकर जा रहा है। सूचना मिलते ही कामडारा थाना पुलिस ने आरसी चर्च के पास घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। उसकी तलाशी लेने पर काले रंग के पिट्ठू बैग में 250 ग्राम अफीम बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान देशा होरो ने खुलासा किया कि उसने टूरुडु जंगल के समीप झाड़ियों में नशीले पदार्थ छुपाकर रखे हैं। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर मौके से 7 बोरियों में भरा हुआ 53 किलो अफीम डोडा भी बरामद किया। बरामद अफीम और डोडा की कुल कीमत लगभग 9 लाख रुपए आंकी गई है।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

आज | कल

राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उठा रहे हैं ठोस कदम : मुख्यमंत्री

■ **बीमारियों की पहचान और उसके समुचित इलाज के लिए पूरे राज्य का हेल्थ रिपोर्ट कार्ड बनाने की है जरूरत**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जीवन शैली में बदलाव, रहन-सहन, खान -पान, पर्यावरण और जेनेटिक कारणों से आज डायबिटीज, कैंसर, हृदय रोग और अस्थमा जैसी कई गैर संचारी बीमारियां (नॉन कम्युनिकेबल डिजीज) लोगों को तेजी से अपनी गिरफ्त में लेती जा रही है। हर घर में कमोबेश ऐसी बीमारियां देखने को मिल रही है। अगर हम सभी अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क नहीं हुए ,तो ऐसी बीमारियां हमारी जिंदगी के लिए खतरा बन सकती है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को झारखंड विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रबीन्द्र नाथ महतो **की अध्यक्षता में यूनिसेफ की ओर से आयोजित :** राउंड टेबल ऑन प्रीवेंटिंग चाइल्डहुड नॉन कम्युनिकेबल डिसीज थ्रू हेल्दी डाइट्स पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

पूरे राज्य का हेल्थ रिपोर्ट कार्ड बनाने पर जोर : मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तरह-तरह की बीमारियां तेजी से फैल रही है। ये बीमारियां कैसे और किन लोगों को अपनी चपेट ले रही है , इसकी पूरी जानकारी होनी चाहिए ।इसके लिए राज्य स्तर पर हेल्थ रिपोर्ट कार्ड बनाने पर विशेष जोर है, ताकि बीमारी का प्रॉपर ट्रीटमेंट संभव हो सके । मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक और बेहतर बनाने के लिए हमारी सरकार लगातार कार्य कर रही है, ताकि लोगों को होने वाली बीमारी की पहचान के साथ उसके समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित हो।

राज्य के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग बीमारियां व्याप्त : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कई ऐसे हिस्से हैं, जहां लोगों में विशेष तरह की बीमारियां ज्यादा देखने को मिलती है। सिमडेगा जैसे जिलों में सिकल सेल और एनीमिया जैसी बीमारियां आम है, तो साहिबगंज और संथाल के हिस्सों में कालाजार का प्रभाव ज्यादा है । ऐसी और भी कई बीमारियां हैं, जो क्षेत्र विशेष में विशेष रूप से लोगों को हो रही है। ऐसे में क्षेत्र विशेष तथा वहां व्याप्त बीमारियों को चिन्हित कर उसके समुचित इलाज की व्यवस्था सरकार द्वारा की जा रही है, ताकि उन इलाकों में रहने वाले लोगों और उनकी आने वाली पीढियां को ऐसी बीमारियों से बचाया जा सके।

अपने खान-पान में मिलेट्स का करें उपयोग, जंक फूड्स से रहें दूर : मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नई-नई बीमारियां तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। इसके पीछे कहीं ना **शेष पेज 11 पर**

जीवन शैली में बदलाव लाने की जरूरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी जिंदगी के लिए खतरनाक बनती जा रही कैंसर और हृदय रोग जैसी गैर संचारी बीमारियों से बचने के लिए हमें अपनी जीवन शैली में बदलाव लाने के साथ खान- पान में हेल्दी डायट्स के इस्तेमाल एवं ज्यादा से ज्यादा शारीरिक गतिविधियों (फिजिकल एक्टिविटीज) पर फोकस करने की जरूरत है। अगर हम लापरवाही बरतते हैं तो आगे चलकर ऐसी बीमारियों के इलाज में काफी खर्च करना पड़ सकता है, वहीं पूर्ण स्वस्थ होने की गारंटी भी नहीं दी जा सकती है।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर बेहतर इलाज के लिए गए दिल्ली

सीएम हेमंत सोरेन ने की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को बेहतर इलाज के लिए शुक्रवार को विशेष विमान से नई दिल्ली ले जाया गया। इससे पहले रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। बुधवार की रात वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर की तबीयत अचानक खराब हो गयी थी। खांसी की शिकायत के बाद उन्हें ऑर्किड अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा था। इसके बाद उन्हें नयी दिल्ली ले जाया गया। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर का स्वास्थ्य पिछले कुछ दिनों से खराब था। उन्हें खांसी की शिकायत थी। बुधवार की रात सांस लेने में उन्हें काफी तकलीफ होने लगी। खांसी की समस्या काफी बढ़ जाने के बाद मंत्री राधाकृष्ण किशोर को रांची के ऑर्किड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा था।

छाती रोग विशेषज्ञ की निगरानी में थे मंत्री

रांची के ऑर्किड अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ओपीडी के छाती रोग विशेषज्ञ डॉ निशीथ कुमार की निगरानी में थे। अस्पताल में एडमिट कराने के बाद उनकी छाती का सीटी स्कैन किया गया था। इसमें हल्का इंफेक्शन पाया गया था। उन्हें पल्मोनोलॉजी विभाग में रखा गया था। इसके बाद आज शुक्रवार को मंत्री विशेष विमान से बेहतर इलाज के लिए नयी दिल्ली रवाना हुए।

पत्नी को कुल्हाड़ी से मारकर की हत्या

● **खुद भी फांसी लगा कर किया आत्महत्या**

नवीन मेल संवाददाता

नावाबाजार। नावाबाजार थाना स्थित इटको पंचायत के बरारी गांव में पति-पत्नी के आपसी विवाद में पति ने पत्नी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद पति ने स्वयं भी घर से कुछ दूर जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक का नाम उपेंद्र पासवान व मृतका का नाम सूर्यमुखी देवी है। नावाबाजार पुलिस ने दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। नावाबाजार पुलिस पूरी मामले की जांच अपने स्तर से कर रही है। बताया जाता है कि उपेंद्र पासवान पति-पत्नी दोनों साथ रिश्तेदारी में गए थे। वहां से गुरुवार को वापस घर लौटे थे। देर रात पति-पत्नी में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसके बाद पति उपेंद्र पासवान ने टांगी से अपनी पत्नी सूर्यमुखी पर हमला कर दिया। जिसमें सिर व गर्दन पर गंभीर चोट लगी। इससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद उपेंद्र कुल्हाड़ी के साथ घर से लगभग एक किलोमीटर दूर खूंटीसोत नदी के किनारे एक पेड़ में गमछा के सहारे लटक कर फांसी लगा लिया। दंपति की 2 वर्षीय दूधमुंही बेटी पूरी रात मां के शव के पास रोती-बिलखती अकेले रातभर पानी में भींगती रही। शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों द्वारा स्थिति को देखते हुए तत्काल घटना की जानकारी नावाबाजार पुलिस को दी। इस घटना के बाद से गांव में सन्नाटा का माहौल है। ग्रामीण कुछ बात करने से करता रहे हैं। पुलिस पूरे मामले पर अनुसंधान शुरू कर दी है।

आईपीएल का भव्य आगाज आज से, तैयारी पूरी

■ **नया सीजन नए रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार**

■ **पहले दिन का मैच कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा**

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का आगाज 22 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के साथ होने जा रहा है। इस सीजन से पहले हुए मेगा ऑक्शन के बाद कई टीमों का संयोजन और कप्तान बदल चुके हैं और सभी टीमें एक बार फिर से दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित टी20 लीग की ट्रॉफी जीतने के लिए दमखम दिखाएंगी।

आईपीएल 2025 को भारत में टीवी पर स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देखा जा सकता है। यह मुकाबले हिंदी और इंग्लिश के अलावा स्टार स्पोर्ट्स चैनल पर कई क्षेत्रीय भाषाओं में देखे जा सकते हैं। डिजिटल स्ट्रीमिंग की बात करें तो जियोहॉटस्टार पर इन मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग देखी जा सकती है। आईपीएल 2025 के मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजकर 30 मिनट पर शुरू हो जाएंगे। टॉस का समय शाम 7 बजे होगा। वहीं, डबल हेडर पर होने वाले मैचों में दिन के मुकाबलों का समय दोपहर 3 बजकर 30 मिनट और टॉस का समय दोपहर 3 बजे होगा। आईपीएल 2025 का आगाज 22 मार्च, 2023 को होगा और इसका समापन 25 मई, 2025 को होगा। सीजन में 10 टीमों के बीच भारत में 13 जगहों पर कुल 74 मैच खेले जाएंगे। खास बात यह है कि कोलकाता का ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स आईपीएल 2025 के ओपनिंग मैच की मेजबानी करेगा और यहीं पर सीजन का अंतिम मैच यानी फाइनल भी खेला जाएगा। आईपीएल 2025 की ओपनिंग सेरेमनी ईडन गार्डन्स में 22 मार्च यानी शनिवार **शेष पेज 11 पर**

अपराधियों के हमले में घायल युवक की मौत आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। जिला मुख्यालय के मेन रोड स्थित जामा मस्जिद के पास अज्ञात अपराधियों ने अचानक शहर के दिभा मोहल्ला पुरैनिया तालाब निवासी अंकित गुप्ता पर जानलेवा हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया था। उसकी रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना से शहर में तनाव का माहौल हो गया। आक्रोशित परिजनों ने चतरा-गया व चतरा-रांची सड़क को जाम करने के साथ शहर के दुकानों को भी बंद करा दिया। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार 7-8 युवकों ने पुरानी रंजिश में मारपीट की घटना को अंजाम दिया था। बताया जा रहा है कि मेन रोड स्थित जामा मस्जिद के समीप स्कूटी से घर जा रहे मृतक अंकित पर घात लगाए हमलावरों ने लोहे के रड, फाइटर और चाकू समेत अन्य धारदार हथियार से अचानक वार कर दिया। इसके बाद युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। घटना के बाद शहर में अफरा-तफरी मच गयी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस गंभीर अवस्था में युवक को सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे रिम्स रेफरकर दिया। वहां इलाज के दौरान अंकित की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने मॉब लिंचिंग की प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस से गिरफ्तारी की मांग की। शुक्रवार को मृतक के **शेष पेज 11 पर**

चतरा में जुड़वा बच्चों के साथ आग में जिंदा जली महिला

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। जिले में जुड़वा बच्चों के साथ एक महिला आग में जिंदा जल गई। हादसे का कारण पता नहीं चल सका है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी है। मृतका हादसे के वक्त घर पर अकेली थी। उसका पति दिल्ली में रहकर मजदूरी करता है। इस हादसे से गांव में शोक की लहर है।

चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र की घोड़दौड़ पंचायत के करिहारा गांव में शुक्रवार को एक महिला की अपने तीन माह के जुड़वे बच्चों के साथ जलकर मौत हो गई। महिला करिहारा गांव की दिलीप यादव की पत्नी शिवी देवी (22 वर्ष) थी। घटना की खबर सुनकर गांववाले मृतका के घर पहुंचे। इस हादसे से माहौल गमगीन हो गया था। हादसे की वजह का पता नहीं लग सका है।

सूचना मिलते ही पहुंची प्रतापपुर पुलिस : आग में जलकर तीन लोगों की मौत की सूचना जैसे ही पुलिस को मिली, प्रतापपुर पुलिस ने करिहारा गांव पहुंचकर शव का पंचनामा किया और कब्जा में ले लिया।

घर पर अकेली थी मृतका : मृतका के परिजनों ने बताया कि शिवि देवी अपने दो बच्चों के साथ घर पर अकेली थी। जब उसके ससुर घर पर आए तो उन्होंने देखा कि बहू और जुड़वा बच्चों का शव पड़ा हुआ है। इसके बाद उन्होंने इसकी जानकारी आसपास के ग्रामीणों को दी। जानकारी मिलते ही ग्रामीण जमा हो गए। इसके बाद हादसे की सूचना पुलिस को दी गई।

दिल्ली में मजदूरी करता है मृतका का पति : मृतका का पति दिलीप यादव दिल्ली में मजदूरी करता है। चार साल पहले उसकी शादी हुई थी। कुछ महीने पहले उसे जुड़वा बच्चे हुए थे।

इंडिया

पारिवारिक शांति के लिए सेवानिवृति की प्लानिंग जरूरी

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

एक समय था जब सेवानिवृत्ति पेंशन व परिवार, विशेषकर बच्चों से देखभाल की उम्मीद पर लोग टिके रहते थे कि सब ठीक ठीक होगा पर इधर नौकरी और पेंशन के नियम बदले हैं और साथ ही शहरों में रहने वाले लोग बढ़े हुए खर्च के कारण कई बार मां बाप की चाहकर भी सही देखभाल नहीं कर पाते । आज के दौर में सेवानिवृत्ति एक ऐसा लक्ष्य है जिस पर हम सभी की तैयारी और जानकारी जरूरी है। कामकाजी जीवन में बदलावों को देखते हुए, यह जानना कि कब सेवानिवृत्त होना है, थोड़ी भ्रमित करने वाली बात बन जाती है। रिटायर होने की उम्र तब होती है जब कोई 60 साल का हो जाए। लेकिन ऐसे कई संगठन हैं जो आपको 55 या 58 साल की उम्र में रिटायर कर देते हैं। भविष्य के लिए और आत्मनिर्भर बने रहने के लिए सिद्धांत है कि यदि 65 वर्ष की आयु तक आपके पास वार्षिक वेतन की कम से कम 10 गुना रकम हो, तो यह सहज सेवानिवृत्त के लिए पर्याप्त है। फिर ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि बचत और निवेश से चार फीसदी की निकासी से 25-30 वर्षों तक बचत पर जीवन जीना आरामदायक होगा। ये दोनों सामान्य नियम नहीं हैं। लेकिन आपको सोचने पर मजबूर करने के लिए एक अच्छा संकेतक है। चार फीसदी निकासी वाला फंडा इस तथ्य पर आधारित है कि यदि आप केवल उतना ही निकालते हैं जितना अपनी बचत से हर साल कमाते हैं तो आपका धन लंबे समय तक टिका रहेगा। हां, इस गणना में महंगाई पर विचार नहीं किया जा रहा है। लेकिन, आपको एक आइडिया मिलता है कि सेवानिवृत्त फंड से 7-8 फीसदी निकासी पर विचार करना चाहिए। नियमित खर्चों के लिए सेवानिवृत्त फंड से आपात खर्चों को अलग रखें। इसलिए, सेवानिवृत्त में अपने सभी खर्चों और वित्तीय जरूरतों को एक ही टोकरी में डालने के बजाय आपात स्थिति के लिए पैसा अलग रखना चाहिए। सेवानिवृत्त में सभी प्रकार की स्थितियों से निपटने के लिए इस आपात खाते में आपके वार्षिक खर्चों के कम से कम 2-3 वर्षों के लिए पैसा अलग रखा जाना चाहिए। यदि रिटायर होने पर आपका वार्षिक खर्च पांच लाख रुपये है तो आपात स्थिति से निपटने के लिए 15 लाख रुपये अलग रखें। इनमें चिकित्सा शामिल नहीं है, जिसे बीमा से पूरा किया जाएगा।सेवानिवृत्त फंड को बचत और निवेश में लगाएं। जिस धन की सेवानिवृत्त के बाद 7-10 वर्षों में जरूरत होगी, वह इक्विटी म्यूचुअल फंड और शेयरों में होना चाहिए, ताकि धन अर्जित करने का लाभ मिल सके। इक्विटी में पैसे लगाने का कारण समय के साथ उसके मूल्य को बनाए रखना है। याद रखें, इक्विटी में भी ऐसे विकल्प हैं जिनमें कम जोखिम होता है। जैसे लार्ज कैप और ब्लू चिप स्टॉक। यह उनके लिए महत्वपूर्ण है जो पेंशन पर सेवानिवृत्त होते हैं। इसमें पेंशन आय का एक स्रोत है न कि एकमात्र स्रोत। ब्याज दरें अक्सर कम होने के कारण सेवानिवृत्त के लिए की गई बचत पर्याप्त नहीं हो सकती है। इसलिए, सेवानिवृत्त में अतिक्ति आय के लिए तैयार रहें और केवल पेंशन पर निर्भर न रहें। आप सेवानिवृत्त में आय के कई साधन बना सकते हैं। पेंशन की रकम को नियमित खर्चों के लिए निवेश कर सकते हैं। इस फॉमूर्ले से महंगाई को मात देने वाले साधन से लाभ उठाने के लिए इक्विटी में निवेश की जाने वाली अतिरिक्त रकम का उपयोग कर सकते हैं। यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके पास धन उत्पन्न करने के लिए पर्याप्त जगह है, जो महंगाई को मात देती है। सेवानिवृत्ति में जितना संभव हो सके, उतने वर्षों तक केवल पेंशन पर निर्भर रहने का प्रयास करें। रिटायरमेंट में हेल्थ केयर की लागत तेजी से बढ़ती है। लोग अपनी कंपनी से स्वास्थ्य बीमा प्राप्त करते हैं, लेकिन यह तब तक ही है, जब तक आप कार्यरत हैं। रिटायर होने से पहले खुद का स्वास्थ्य बीमा लें। सुनिश्चित करें कि इसमें आपकी उम्र 80 वर्ष और उसके बाद तक कवर हो। यदि आप कई वर्षों तक जीवित रहते हैं, तो संभावना है कि आप रिटायरमेंट बचत को अपनी योजना से अधिक वर्षों तक समाप्त कर देंगे। अगर आपने रिटायरमेंट में खर्च की उपरोक्त पांच बातों को ध्यान में रखा है तो संभावना है कि आप अपने रिटायरमेंट संबंधी खर्चों को आराम से प्रबंधन करने में सक्षम होंगे। कई लोग रिटायरमेंट के बाद भी आसानी से उसे स्वीकार नहीं कर पाते और न अपने खर्चों पर रोक लगाते हैं जिससे उन्हें परेशानी होती है। हमें इस बदलाव को मानसिक रूप से स्वीकार करना चाहिए और मान कर चलना चाहिए कि यह जीवन का एक अंग है जिसका स्वागत करना है।

झारखंड विधानसभा में आपस में इरफान और सुदिव्य उलझे

● **टोकने पर इरफान अंसारी ने कहा- हर बात में फुदकते रहते हैं**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही के दौरान शुक्रवार को उस वक्त अजीबोगरीब स्थिति बन गई, जब सत्तापक्ष के ही दो सदस्य आपस में उलझ गए और बहस करने लगे। यह घटना उस वक्त हुई जब स्वास्थ्य मंत्री एक कांग्रेस विधायक द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, इसी दौरान संसदीय कार्यमंत्री ने बीच में खड़े होकर उन्हें ठीक से जवाब देने की सलाह दी तो स्वास्थ्य मंत्री को बुरा लग गया और उन्होंने कहा कि वे हर बात में फुदकने लगते हैं।

यह मामला झारखंड सरकार के दो मंत्रियों स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी और संसदीय कार्यमंत्री व नगर विकास विभाग मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के बीच का है, जो कि आपस में बहस करने लगे। इस बीच सदन का माहौल पूरी तरह से गरमा गया। दरअसल कार्यवाही के दौरान कांग्रेस पार्टी के विधायक प्रदीप यादव ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी से सवाल पूछा था। इसके बाद जब अंसारी जवाब दे रहे थे तो नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू अचानक बीच में खड़े हो गए और कुछ कह दिया। इसी बात पर अंसारी नाराज हो गए और उन्होंने उन पर कटाक्ष करते हुए कहा- ह्ययह मेरा और प्रदीप जी का मामला था, लेकिन सोनू जी बहुत जानकार **शेष पेज 11 पर**

एक नजर

डीडीसी ने मुखिया को सम्मानित किया

सतबरवा। जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन में शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली सतबरवा प्रखंड बारी मुखिया निरोत्तमा देवी को डीडीसी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मुखिया निरोत्तमा देवी ने कई बार डीसी को पत्र के माध्यम से बारी के मध्य विद्यालय के पास बने न्यू बिल्डिंग में हाई स्कूल की पढ़ाई चालू कराने की मांग की थी। पलामू उपायुक्त ने महिला मुखिया की जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के रूचि को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

एसडीएम ने बीडीओ व प्रखंड कर्मियों के साथ की समीक्षा

पंचायत में चल रही विकास योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। एसडीएम गौरांग महतो ने प्रखंड कार्यालय पंहुच कर बीडीओ व अन्य कर्मियों के साथ पंचायत में चल रही सभी विकास योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बीडीओ, बीपीओ, आंगनबाड़ी, अबुआ आवास, पीएम आवास, मनरेगा 15 वें वित्त आदि योजनाओं से संबंधित सभी संचिकाओं व विकास कार्यो की समीक्षा करते हुए तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो भी योजना की स्वीकृति प्रदान की गई हैं, उसका पूर्ण अभिलेख कार्यालय में रहना चाहिए उसकी भौतिक प्रगति रिपोर्ट भी होनी चाहिए। उन्होंने 15 वें वित्त व मनरेगा कार्यो समेत अबुआ आवास व पीएम आवास की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही सभी कर्मियों को इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अब प्रत्येक पंचायत में हम भूमिगत जांच करगें। जिसमें बीडीओ, बीपीओ, जेई, पंचायत सचिव व रोजगार सेवक सभी लोग उपस्थित रहेंगे। जिन पंचायतों में सबसे खराब प्रदर्शन हैं, उसी से शुरूआत करेंगे। उन्होंने अबुआ आवास व ग्रामीण पीएम आवास में जनता द्वारा लगातार पैसा उगाही की शिकायत पर पंचायत कर्मियों की संलिप्तता में सुधार लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा गरीब जनता की शोषण किसी भी सुरत में हम बर्दाश्त नहीं करेंगे । इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील वर्मा ,बीपीओ, चंद्रशेखर दूबे, पंचाय सेवक अखिलेश शर्मा समेत कई कर्मी मौजूद थे।

मंईयां सम्मान योजना की राशि के लिए बैंकों में उमड़ी महिलाओं की भीड़

नवीन मेल संवाददाता

सतबरवा। प्रखंड क्षेत्र के एसबीआई बैंक,पंजाब नेशनल बैंक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के साथ सभी प्रज्ञा केंद्रों के खुलते ही रोजाना महिलाओं की भारी भीड़ लग रही है। भीड़ का आलम इस कदर है कि दिन भर कड़ी मशक्कत के बाद भी कई महिलाएं बैरंग घर लौट रही हैं। बताते चले कि होली के पूर्व से ही राज्य सरकार ने लाभुक महिलाओं के खाते में मंईयां सम्मान योजना की राशि भेजना शुरू कर दिया है, लेकिन बहुत सारी महिलाओं के खाते में अभी तक राशि का हस्तांतरण नहीं हो पाया है। बताया जाता है कि जिन महिलाओं के खाते में डीबीटी चालू नहीं है या केवाईसी लगा है, उनको अभी तक राशि नहीं मिल पाई है। खाते में सुधार को लेकर महिलाएं बैंकों का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। महिलाओं ने बताया कि कई दिनों से बैंक में भीड़ होने के कारण अभी तक उनका काम नहीं हो पाया है। काम छोड़कर रोजाना बैंकों का चक्कर लगाना पड़ रहा है। उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है।

घर-घर जाकर दुकानदार करेंगे ई-केवाईसीः एमओ

समय पर काम पूरा करने का निर्देश

हुसैनाबाद। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम से आच्छादित लाभुकों के लिए 21 मार्च से एक सप्ताह के लिये ई केवाईसी सप्ताह मनाया जाएगा। जानकारी देते हुए प्रभारी एमओ मनोज कुमार ने बताया कि राशन कार्डधारी (पीला कार्ड एवं गुलाबी कार्ड) का शत प्रतिशत ई केवाईसी ससमय पूर्ण करने को लेकर 21 से 27 मार्च तक ई केवाईसी सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान पीडीएस दुकानदार अपने अपने कार्डधारक के घर-घर जाकर लाभुकों का ई केवाईसी का कार्य करेंगे। साथ ही जिस कार्डधारक का ई- केवाईसी किसी कारणवश नहीं हो पा रहा है। उसकी सूची भी बनाकर कार्यालय में जमा करेंगे। ससमय कार्य नही करने वाले पीडीएस दुकानदार पर सख्त कारवाई की जाएगी।

रात में झमाझम बारिश दिन में बादल व तेज हवाएं

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। मौसम के बदले मिजाज के बीच गुरुवार की रात झमाझम बारिश और शुक्रवार दिन बादलों के साथ तेज हवाओं में एक बार फिर मौसम सर्द हो गया है। ऐसे में इससे बचाव को लेकर खासकर, वृद्ध और बच्चों के लिए धरे धराए गर्मी दायक लिबास को एक बार फिर से उपयोग में लाने की जरूरत पड़ गई है। समय से पहले पड़ रही गर्मी से बढ़ी परेशानी से बड़ी राहत मानव और मवेशियों को दोनों को मिली है। अव्वल तो मैदानी और जंगली इलाकों के सूखते जा रहे घास और पौधों के लिए बदले हुए मौसम के साथ बारिश से हरियाली लौट आने की संभावना बलवती हो गई है। बताया गया कि इससे मवेशियों के लिए चारा की कमी पूरी हो जाएगी। इसके साथ ही इतनी जल्दी मार्च महीने में ही अप्रत्याशित रूप में तापमान के बढ़ने के साथ कुछ दिनों लू चलने से पैदा हो गए जोखिम भरे हालात से अब काफी राहत मिली है। मौसम पूवार्नुमान के संकेत सही साबित हो रहा है। जिसमें तेज हवाओं के बहने और बारिश होने का अनुमान लगाया गया था। किसानों की मानें, तो रबी फसलों खासकर, गेहूं, अरहर और चना के उत्पादन पर इस मौसम का प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जब तक मौसम साफ नहीं हो जाता है, फसलों को नुकसान को लेकर ऐसे मौसम में ओलावृष्टि की संभावना ने उनकी चिंता को और बढ़ा दी है। ऐसा हुआ तो कटनी करने को लेकर भी कुछ नहीं बचेगा। लू के प्रभाव से तो पहले ही इन फसलों के साथ ही आम, महुआ, जामुन और सहजन के फलों के उत्पादन पर भारी प्रभाव पड़ा ही है। इस सीजन भरपूर मात्रा में फूलों से लदे होने से इनके अच्छे उत्पादन मिलने की उम्मीद हो गई थी।

एके सिंह कॉलेज में नोडल स्तरीय विकसित भारत युवा संसद कार्यक्रम शुरू

राष्ट्रीय युवा संसद युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए सुनहरा अवसरः एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। विकसित भारत युवा संसद 2025 के अन्तर्गत एक राष्ट्र एक चुनावः विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम पर आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद का दो दिवसीय जिला नोडल स्तरीय कार्यक्रम स्थानीय एके सिंह कॉलेज जपला में शुक्रवार को प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन गढ़वा व लातेहार के प्रतिभागियों ने भाषण प्रतियोगिता में अपना स्पीच दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद गोरांग महतो, प्राचार्य प्रो. सूर्यमणि सिंह, एनएसएस के विश्वविद्यालय समन्वयक डा. प्रदीप कुमार, एनवाईके की जिला युवा अधिकारी कंचन कुमारी, डॉ. दिलीप कुमार राम, नोडल पदाधिकारी प्रो. कमलेश कुमार सिन्हा, प्रो. नवल किशोर प्रसाद, प्रो. राजेश कुमार सिंह आदि ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मौके पर उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो ने कहा कि राष्ट्रीय युवा संसद युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए एक सुनहरा कार्यक्रम है। उन्होने कहा कि आज की प्रतियोगिता एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर आधारित है। इस संबंध में उन्होंने विस्तार पूर्वक अपनी बातें प्रतिभागियों के समक्ष रखी। मौके पर प्राचार्य प्रो. सिंह ने कहा कि एके सिंह कॉलेज में गढ़वा व पलामू के प्रतिभागियों, शिक्षकों का हम स्वागत करते हैं। उन्होने कहा कि भारत सरकार के युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना और एनवाईके के तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित है। इसके पूर्व भी कई कार्यक्रम सफलता पूर्वक यहां संपन्न कराए गए हैं। मौके पर जिला युवा अधिकारी कंचन कुमारी ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर अपना मंतव्य देने का युवाओं के लिए बेहतर अवसर है। उन्होने कहा कि यह प्रतियोगिता तीन स्तर पर आयोजित है जिसमें नोडल जिला पलामू में गढ़वा, लातेहार तथा पलामू को शामिल किया गया है। यहां से दस उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा जो राज्य स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होंगे। वहां से तीन प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा जो राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में सम्मिलित होंगे। आज की प्रतियोगिता में गढ़वा तथा लातेहार के प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में अपना संभाषण प्रस्तुत किया। मौके पर निर्णायक मंडली में डा. प्रदीप कुमार, प्रो. कमलेश कुमार सिन्हा, प्रो. नवल किशोर प्रसाद, कुशजी पाण्डेय तथा डॉ. दिलीप कुमार राम शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस के नोडल सह कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. अरुण कुमार सिंह, डॉ. आलोक रंजन कुमार, प्रो. शिव कुमार विश्वकर्मा, प्रो. अशोक कुमार सिंह, प्रो. सुधीर कुमार सिंह, प्रो. शशि भूषण, प्रो. डॉ. आनंद कुमार, प्रो. जयशंकर सिंह, प्रो. मुकेश कुमार, डॉ. अजय कुमार सिंह, प्रो. अयूब, प्रो. रेखा कुमारी सिंह, लेखापाल ओमप्रकाश सिंह, प्रिन्स कुमार सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पूर्व सीएम रघुवर दास से की मुलाकात

हुसैनाबाद। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल व भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास से झारखंड तेली महासभा संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष सह भाजपा युवा नेता अजय प्रसाद गुप्ता ने शिष्टाचार मुलाकात की है। उन्होंने झारखंड की प्रगति और उन्नति के लिए उनसे वार्ता की। उन्होंने कहा है कि रघुवर दास के झारखंड में आने से भाजपा को और मजबूती मिलेगी। और आने वाले दिनों में भाजपा के नेतृत्व में एक सशक्त राज्य का निर्माण होगा।

उत्तर कोयल मुख्य नहर में पुल व सुपर पैसेज निर्माण की रखी आधारशिला

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। उत्तर कोयल मुख्य नहर पर बने जहाजी पईन का सुपर पैसेज का पुल की नहर मरम्मति कार्य के दौरान ध्वस्त किये जाने के बाद पांच दिनों से धरना पर बैठे हैदरनगर प्रखंड के खरगाड़ा पंचायत के ग्रामीण, किसान व प्रतिनिधियों का धरना जल संसाधन विभाग की पहल पर शुक्रवार को खत्म कर दी गई है। उन्होंने मुख्य नहर में जारी मरम्मति कार्य को रोकते हुए कहा कि धरनार्थी का आरोप था कि संवेदक की घोषणा के दो वर्ष बाद भी पुल व सुपर पैसेज का निर्माण नहीं किया गया है। इससे इस पंचायत के सजवन, सलेमपुर, हरिजन बिगहा, चेचरिया, संतोषडीह गांव के सैकड़ों किसान के हजारों एकड़ भूमि में सिंचाई बाधित है। नहर मरम्मति कार्य में सक्रिय प्रोजेक्ट मैनेजर राजीव कुमार व बीपीएम मनीष तिवारी की पहल पर किसानों की मांग पूरा किये जाने से क्षेत्र के किसानों को खुशी लौटी है। नया थाना परिसर से सटे खरवार बीर बाबा स्थल के समीप उक्त योजनाओं को विधिवत पूजा पाठ के साथ भाजपा कार्यसमिति सदस्य व प्रमुख प्रतिनिधि प्रेमतोष सिंह, भाजपा नेत्री सह झारखंड सरकार के पूर्व समाज बोर्ड के सदस्य मधुलता रानी, 20 सूत्री अध्यक्ष विमलेश सिंह, पंसस गुप्तेश्वर पांडेय व मनीष कुमार मेहता ने अधारशिला रखी है। मौके पर किसान जितेन्द्र सिंह, सुनील सिंह, नंद पासवान, सत्येन्द्र पासवान, श्याम लाल राम, मुन्द्रिका सिंह, संजय सिंह, प्रेमचंद कुमार, सुदर्शन सिंह, रुंजय सिंह आदि ने त्वरित कार्रवाई व पहल पर विभागीय अधिकारियों के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को ही प्रोजेक्ट मैनेजर मैना घोष ने ग्रामीणों व किसानों को सुपर पैसेज निर्माण कराने का आश्वासन दिया था।

श्री राम जानकी अखाड़ा बाजार समिति भव्य रामनवमी का आयोजन करेगा

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। गढ़वा। श्री राम जानकी अखाड़ा बाजार समिति ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक कर आगामी रामनवमी पूजा आयोजन को लेकर विचार-विमर्श किया। समिति के सदस्य और स्थानीय धर्मप्रेमियों की उपस्थिति में इस बैठक का आयोजन हुआ। आगामी पर्व के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समिति ने तय किया कि इस वर्ष रामनवमी पूजा को विशेष धूमधाम से मनाया जाएगा। पूजा स्थल को सजाने, धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी, भव्य झांकियों का आयोजन और समाज के प्रत्येक वर्ग को इस पर्व में शामिल करने के लिए विशेष योजना बनाई जाएगी। समिति ने समाज के सभी लोगों को एकजुट कर रामनवमी के दिन विशेष आयोजनों में भाग लेने का आह्वान किया है। बैठक में उपस्थित समिति के अध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि रामनवमी हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे हम सबको मिलकर श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाना चाहिए। इस बार हम हर पहलू पर विशेष ध्यान देंगे, ताकि यह आयोजन हमारे क्षेत्र के इतिहास में यादगार बन सके। समिति के सदस्यों ने पूजा स्थल पर सफाई और सजावट की योजनाओं पर भी चर्चा की। इसके अलावा भव्य शोभायात्रा, भजन कीर्तन, रामायण पाठ और पूजा-अर्चना कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही गई। इस आयोजन के तहत मंदिर परिसर में विशेष रूप से सुंदर झांकियां सजाई जाएंगी, जो भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनेंगी। समिति ने यह भी तय किया कि इस वर्ष रामनवमी के मौके पर स्थानीय समाज के बच्चों और युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि उन्हें इस धार्मिक पर्व के महत्व और संस्कृति से परिचित कराया जा सके।

नपं ने दिवंगत पूर्व पार्षद के पत्नी को बकाया मानदेय का चेक सौंपा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत हुसैनाबाद के कार्यपालक पदाधिकारी टीके हंस ने शुक्रवार को नपं क्षेत्र के दिवंगत पूर्व वार्ड पार्षद के आश्रितों को उनके कार्यकाल का पांच माह का बकाया मानदेय का भुगतान किया। मालूम हो कि हुसैनाबाद नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड छह के पूर्व पार्षद अर्जुन गुप्ता का 16 मार्च को हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि पूर्व पार्षद के कार्यकाल का पांच माह का बकाया राशि 25 हजार रुपये का चेक पूर्व पार्षद के आश्रित उनकी पत्नी को सौंपा गया। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थिति में लोगों का सुलभ तरीके से मानवीय कार्य करना सामाजिक जिम्मेवारी होती है। उन्होंने पूर्व पार्षद के परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मौके पर नगर प्रबंधक हिमानी बाड़ा, राकेश सिंह, कनीय अभियंता बृजलाल, लेखापाल रविकांत पटेल, नपं कर्मी रवि यादव, अवधेश कुमार, विकास कुमार समेत कई अन्य कर्मी मौजूद थे।

किसान गोष्ठी में 21 किसानों के बीच हेल्थ कार्ड वितरित

नवीन मेल संवाददाता

नौडीहा बाजार। प्रखंड अंतर्गत डाली पंचायत के पंचायत भवन में शुक्रवार को सॉइल हेल्थ और फर्टिलिटी योजना के तहत किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक (बीटीएम) संजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में डाली गांव के किसानों को मिट्टी के प्रकार, उसमें मौजूद सूक्ष्म तत्वों, मिट्टी के वर्गीकरण, सूक्ष्म जीवाणुओं की पोषक चक्र में भूमिका, पौधों के विकास में सूक्ष्म तत्वों के महत्व और मिट्टी नमूना संग्रहण की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी गई। गोष्ठी के दौरान 21 किसानों को सॉइल हेल्थ कार्ड एवं बोरन माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में बीटीएम संजय कुमार के अलावा एग्री क्लीनिक छतरपुर के कोऑर्डिनेटर प्रसंद कुमार पटेल, धर्मपाल मिंज, अखिलेश कुमार सहित कई कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डाली पंचायत की कई महिला किसान भी सक्रिय रूप से शामिल रहीं, जिनमें उमा देवी, रीमा देवी, मुन्ना देवी, प्रियंका देवी, रीना देवी, सीमा देवी, लीलावती देवी, संजीव रंजन और पुष्पा कंवर प्रमुख रूप से उपस्थित थीं। बीटीएम संजय कुमार ने बताया कि मिट्टी की गुणवत्ता और पोषक तत्वों की संतुलित आपूर्ति फसलों की उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने किसानों को समय-समय पर मिट्टी परीक्षण कराने और संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी।

मंईयां सम्मान योजना को लेकर नहीं थम नहीं महिलाओं की परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रंखड कार्यालय में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर महिलाओं की भागदौड़ का सिलसिला अभी तक नहीं थम रहा है। बताया जाता है कि कार्यालय खुलने से पहले ही नित्य प्रति दिन महिलाओं की भीड़ पहुंच जाती है, जो कार्यालय खुलते ही संबंधित कंप्यूटर सहायक के कमरे में पहुंच कर उन्हें घेर लेती है। कंप्यूटर सहायक मनोहर कुमार और कंचन सिंह उनकी भी राशि भुगतान जल्द होने की तसल्ली देते हैं। उन्होंने बताया कि इनमें वैसी महिलाएं होती हैं, जिन्हें मार्च तक एक ही महीने की राशि का भुगतान किया गया होता है। कई ऐसे भी मामले सामने आते हैं, जिन्हें पहले किसी और बाद में किसी और बैंक खाते में राशि भेजी गई होती है। इसी सब से संबंधित मामलों को लेकर उनके द्वारा जांच कर इसी से परेशान महिलाओं को संतोषजनक जवाब दिया जाता है। इस योजना की राशि के भुगतान को लेकर महिलाओं को परेशानी न हो, इस दिशा में उनका प्रयास होता है। इस दौरान महिलाओं के सम्मान का पूरा ख्याल रखा जाता है। उन्होंने बताया कि जिन्हें दिसंबर तक सम्मान राशि का भुगतान मिल गया है, मगर इसके बाद राशि क्यों नहीं आई है, इसकी जानकारी प्राप्त करने शायद ही अब कोई महिला आती हैं।

परेशानी 10 वर्षों बाद भी पूरी नहीं हो सकी गरीब रथ एक्सप्रेस ठहराव की उम्मीद

सांसद की कोशिश का प्रतिफल भी नहीं आया सामने

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव की इस क्षेत्र के यात्रियों की उम्मीद 10 वर्ष बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। बताया गया कि इस क्षेत्र खासकर, कांडी (गढ़वा) के मतदाताओं की 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान यही महत्वपूर्ण मांग थी। तभी से इसके पूरी होने की उम्मीद को इस क्षेत्र के यात्रियों ने संजोए रखा है। सांसद वीडी राम भी वादा पूरा करने की दिशा में लगातार प्रयत्नशील बताए जाते हैं। संसद से लेकर रेलमंत्री और रेलवे बोर्ड तक किए गए उनके प्रयास की खबरें लगातार सूर्खियों में बनी रहती हैं। मगर अभी तक इसका प्रतिफल सामने नहीं आया है। इसे लेकर यात्रियों को निराशा ही हाथ लगी है। मगर यात्रियों को खुशी इस बात की है कि श्रीबंशीधर नगर (नगर ऊंटारी, गढ़वा) में रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव का 23 मार्च से आरंभ हो जाएगा। इससे भी विशेष परिस्थिति में इसका बड़ा लाभ इस क्षेत्र के यात्रियों को भी मिलेगा। मगर सामान्य स्तर के यात्रियों के लिए स्थानीय रेलवे स्टेशन पर गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन 12877/78 का ठहराव ही फायदेमंद साबित होगा। जिसकी मांग काफी समय से की जाती रही है। विभिन्न सामाजिक राजनीतिक संगठनों के नेताओं और व्यापारियों ने गरीब रथ एक्सप्रेस के इस स्टेशन पर ठहराव को लेकर सांसद के अब तक के प्रयास के प्रति आभार जताते हुए यथा शीघ्र इसे सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि लोस चुनाव से पहले भी सांसद ने धनबाद में संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में 19 जनवरी को और इसके बाद नई दिल्ली में रेलमंत्री से मिलकर और तब भी संसद में इस मांग को पेश किया था। इस बार फिर से उन्होंने लोस और रेलमंत्री के समक्ष इसे पेश कर इस स्टेशन पर गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव दिलाने के प्रति उनकी गंभीरता को साबित किया है। इससे इस स्टेशन पर गरीब रथ के ठहराव की संभावना को बल और जनभावना को बड़ा सम्मान मिला है। यात्रियों का कहना है कि इस स्टेशन पर रांची-नई दिल्ली गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव होने से देश की राजधानी के एम्स जैसे बड़े अस्पतालों के साथ ही धर्मनगरी प्रयागराज, व्यावसायिक शहर कानपुर तक इस स्टेशन के आसपास के अलावा सीमावर्ती

गढ़वा जिले के कई गांवों सहित पड़ोसी बिहार राज्य के कैमूर और रोहतास के लोगों को रेलमार्ग से पहुंचने का सहज रूप में लाभ मिलेगा। इससे इलाज में सहुलियत मिलेगी। धार्मिक स्थलों के दर्शन और रोजगार-व्यापार को लेकर आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सत्यनारायण सिंह, रामजन्म राम, जिला पार्षद अंजू देवी, प्रमुख अर्चना देवी, युवा समाजसेवी अश्विनी कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह सहित अन्य कई ने इस स्टेशन पर गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन के यथाशीघ्र ठहराव की अपेक्षा की है। इस संबंध में सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद सिंह का कहना है कि सांसद इस स्टेशन पर गरीब रथ का ठहराव दिलाने के प्रति पूरी तरह गंभीर हैं।

रमजान के तीसरे जुमा की नमाज पर पेश इमाम ने की तकरीर

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। रमजान उल मुबारक के महीने में रोजा रखने के साथ अल्लाह की इबादत में मुस्लिम समुदाय अकीदत के साथ मशगूल है। रोजेदार विभिन्न मस्जिदों में बड़े ही अकीदत व मोहब्बत के साथ विशेष तरावीह में शामिल हो रहे हैं। पांच वक्त की नमाज में भी रमजान के मौके पर मस्जिदें रोजेदार नमाजियों से भरी रहती है। रमजान उल मुबारक के तीसरे जुमा में भाई बिगहा बड़ी मस्जिद के पेश इमाम मौलाना अहमद अली खान रजवी ने अपनी तकरीर में कहा कि सदका ए फित्र अदा करना सभी मुसलमान भाई बहन को जरूरी है। उन्होंने कहा कि सामान्य लोग 2.45 किलो गेहूं की कीमत लगभग 70 रुपए प्रति व्यक्ति अदा करेंगे। मगर जिन्हे अल्लाह पाक ने नवाजा है, वह 490 ग्राम जव, 490 ग्राम खजूर या 490 ग्राम किशमिश की कीमत अदा करें तो बेहतर होगा। इससे गरीबों मिस्किनो की जरूरतें काफी हल हो जाती हैं। मौलाना अहमद अली खान रजवी ने कहा कि अल्लाह छिपी हुई इबादत ज्यादा पसन्द करता है। इस लिए रोजे की नुमाइश से बचना चाहिए। मौलाना अहमद अली खान रजवी ने कहा कि रोजेदारों को चाहिए कि रोजे के दौरान जिस्म का हर अंग गुनाह और बुरी हरकत से बचा रहे। महज भूखा प्यासा रहना रोजा की सूरत नहीं है। तकवा भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि पैगम्बर ए इस्लाम ने फरमाया है कि कुछ रोजेदार ऐसे होते हैं जिन्हें भूख प्यास के सिवा कुछ हासिल नहीं होता। इस्लाम जिस रोजा की हिदायत देता है वह यह है की हम ऐसे अमल करें जिससे अल्लाह और उसके रसूल राजी हो जाएं।

कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास

गढ़वा। कांडी थाना क्षेत्र के दारीदह गांव निवासी सकेंदर चौधरी की पत्नी 35 वर्षीया अंजू देवी कीटनाशक खाकर आत्महत्या करने का प्रयास की। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के संबंध में बताया गया कि किसी बात को लेकर घर में विवाद हुआ था। उसी बात से नाराज होकर महिला ने कीटनाशक खा ली। घटना के बाद परिजनों ने उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सक के अनुसार उसकी स्थिति खतरे से बाहर है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्कूलों के सुदृढ़ीकरण पर जोर

शिक्षा सुधार में मुखिया की अहम भूमिका : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। समग्र शिक्षा अभियान, पलामू के तहत स्थानीय दीनदयाल उपाध्याय स्मृति भवन में जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन उपायुक्त शशिरंजन की अध्यक्षता में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में डीडीसी शब्बीर अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, डीपीआरओ डॉ. असीम कुमार, डीएसई संदीप कुमार, मुखिया संघ की अध्यक्ष प्रमिला देवी, सचिव राजेंद्र पांडेय और उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुखिया स्कूलों की व्यवस्था सुधारें : उपायुक्त

उपायुक्त शशिरंजन ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पंचायतों में शिक्षा का स्तर सुधारने और स्कूलों की व्यवस्था दुरुस्त करने में मुखिया की भूमिका अहम है। उन्होंने मुखियाओं से अपील की कि वे अपने क्षेत्र के विद्यालयों का नियमित दौरा करें, बच्चों के नामांकन और उपस्थिति को सुनिश्चित करें तथा स्कूलों को बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित करने में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने सुझाव दिया कि 15वें वित्त की राशि से स्कूलों में बिजली, पानी, रंग-रोगन, किचन गार्डन, बागवानी और अन्य बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं, जिससे स्कूलों का वातावरण बेहतर हो और बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया जा सके।

विद्यालयों को अतिक्रमण मुक्त करने का निर्देश

उपायुक्त ने कहा कि स्कूल परिसरों को अतिक्रमण मुक्त करने और सीमांकन के लिए संबंधित अंचल अधिकारी को पत्र लिखा जाए, जिसकी समीक्षा उपायुक्त स्तर पर की जाएगी। उन्होंने मुखियाओं से अपील की कि वे विद्यालय भवनों की स्थिति, आवश्यक मरम्मत और जर्जर भवनों को ध्वस्त करने से संबंधित समस्याओं की जानकारी दें, ताकि जल्द समाधान किया जा सके।

डिजिटल माध्यम से जुड़े मुखियागण

डीपीआरओ डॉ. असीम कुमार ने मुखियाओं से अपील की कि वे प्रशासन द्वारा डिजिटल माध्यमों–फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब–से जुड़ें, ताकि उन्हें योजनाओं और सरकारी सूचनाओं की त्वरित जानकारी मिल सके।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाई गई

कार्यक्रम में उपायुक्त शशिरंजन ने उपस्थित मुखिया, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका और अन्य प्रतिनिधियों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, नशा मुक्ति और बाल विवाह रोकथाम की शपथ दिलाई।

मुखिया बच्चों को स्कूल लाने में निभाएं भूमिका

उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर शिक्षा का माहौल तैयार करने के लिए मुखियाओं को अभिभावकों और बच्चों को स्कूल जाने के लिए प्रेरित करना होगा। उन्होंने सभी से संकल्प लेने को कहा कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

63 मुखियाओं को किया गया सम्मानित

सम्मेलन के दूसरे सत्र में डीडीसी शब्बीर अहमद ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 63 मुखियाओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने पंचायतों के सशक्तिकरण, अभिलेखों के संधारण और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन पर जोर दिया।

मुखिया की भागीदारी से शिक्षा को मिलेगी मजबूती

जिला शिक्षा अधीक्षक संदीप कुमार ने मुखियाओं को आश्वासन दिया कि शिक्षा विभाग स्कूलों की समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने मुखियाओं से अपील की कि वे पंचायतों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गांव-गांव में जागरूकता अभियान चलाएं। कार्यक्रम के सफल संचालन में मनोज मिश्र, उज्ज्वल मिश्र, राजेश कुमार, क्रांति कुमार, राजीव चौबे, शादाब खान, विकास दूबे, आमोद कुमार, रामसरेख पांडेय और विजय शुक्ला का योगदान रहा।

अवैध निर्माण से परेशान परिवार ने दी आत्मदाह की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर 15, आबादगंज में अवैध निर्माण से परेशान एक परिवार ने आत्मदाह की चेतावनी दी है। परिवार का कहना है कि पड़ोसी द्वारा किए गए अवैध मकान निर्माण के कारण रास्ता संकीर्ण हो गया है, जिससे बाहर निकलने और वाहन खड़ा करने में दिक्कत हो रही है। इस मामले में स्थानीय निवासी ब्रह्मदेव सिंह के आवेदन पर मई 2022 में नगर निगम ने राजेंद्र चौबे एवं स्व. नागेंद्र चौबे के मकान के निर्माण पर रोक लगाई थी। बावजूद इसके निर्माण कार्य जारी रहा। शुक्रवार को कचहरी स्थित एक रेस्टोरेंट में ब्रह्मदेव सिंह के पुत्र अरुण सिंह और उनके परिवार ने पत्रकारों के सामने न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो वे पूरे परिवार के साथ नगर निगम कार्यालय के सामने आत्मदाह कर लेंगे। इस संबंध में सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो ने कहा कि प्रारंभिक जांच में मामला अतिक्रमण से जुड़ा पाया गया है। नगर निगम 3 साल पुरानी स्थिति की भी समीक्षा करेगा और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यदि सड़क का अतिक्रमण हुआ है तो संबंधित पक्ष पर जुमार्ना लगाया जाएगा और अतिक्रमण हटाया जाएगा। जल्द ही पुनः नोटिस भेजा जाएगा।

कुष्ठ उन्मूलन पर चिकित्सा पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

छूने और साथ बैठने से नहीं फैलता कुष्ठ : डॉ. सानिध्य

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के तहत पलामू जिले में चिकित्सा पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार से शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें 20 से अधिक चिकित्सा पदाधिकारी भाग ले रहे हैं।

प्रशिक्षण के पहले दिन स्टेट कंसल्टेंट डॉ. सानिध्य भार्गव ने चिकित्सा पदाधिकारियों को कुष्ठ रोग की पहचान, रोकथाम और उपचार की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग छूने या साथ बैठने से नहीं फैलता, बल्कि यह प्रभावित रोगी के खांसने और छींकने से फैलता है। इस रोग के लक्षणों में शरीर पर चकत्ते, सुन्नपन और तंत्रिकाओं की क्षति शामिल हैं।

डॉ. भार्गव ने बताया कि समय रहते इसकी पहचान होने पर एमडीटी थेरेपी के माध्यम से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। उन्होंने चिकित्सा पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे समुदाय में जागरूकता फैलाएं और कुष्ठ उन्मूलन के प्रयासों को गति दें।

इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के चिकित्सा पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे। प्रशिक्षण के दौरान कुष्ठ रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और सही जानकारी फैलाने पर विशेष जोर दिया गया।

आरटीई के तहत निजी स्कूलों में नामांकन हेतु 265 आवेदन प्राप्त

मेदिनीनगर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत वर्ष 2025-26 में मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों की प्रारंभिक कक्षाओं में 25% आरक्षित सीटों पर निशुल्क नामांकन के लिए 312 सीटों के मुकाबले 265 आवेदन प्राप्त हुए हैं। हालांकि, यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है, जब केवल 118 आवेदन ही आए थे, जो कुल सीटों का 50% से भी कम था। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 3 मार्च से शुरू हुई थी और 20 जनवरी तक अभिभावकों को आवेदन करने का अवसर दिया गया था। शिक्षा विभाग के अनुसार, प्रखंड स्तर पर प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों का सत्यापन जारी है। सत्यापन के बाद त्रुटि रहित आवेदनों के आधार पर छात्रों का चयन किया जाएगा। गौरतलब है कि पलामू जिले में 18 मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय संचालित हैं, जहां आरटीई के तहत बीपीएल परिवारों के लिए 312 सीटें आरक्षित हैं। इस अधिनियम के तहत चयनित छात्र कक्षा 12वीं तक निशुल्क शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

पलामू सांसद ने रेल मंत्री से की मुलाकात, क्षेत्र की रेल परियोजनाओं को जल्द पूरा करने की मांग

● नई रेल लाइनों और ट्रेनों के विस्तार पर जोर

मेदिनीनगर। पलामू सांसद विष्णु दयाल राम ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर गया-शेरघाटी-इमामगंज-डालटनगंज और बरवाडीह-चिरिमिरी-अंबिकापुर रेलवे लाइन जैसी लंबित रेल परियोजनाओं को जल्द पूरा करने की मांग की। उन्होंने टाटानगर-वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस को डालटनगंज और गढ़वा रोड होकर चलाने, पटना-सिंगरौली लिंक एक्सप्रेस और रांची-चोपन एक्सप्रेस का मेराल रेलवे स्टेशन पर ठहराव बहाल करने, त्रिवेणी लिंक एक्सप्रेस को पुनः शुरू करने या लखनऊ तक जाने वाली नई ट्रेन शुरू करने, रांची-नई दिल्ली जाने वाली ट्रेनों को प्रतिदिन संचालित करने, गरीब रथ एक्सप्रेस को सप्ताह में छह दिन चलाने या रांची-नई दिल्ली वाया लोहरदगा-डालटनगंज-गढ़वा रोड एक नई ट्रेन शुरू करने की मांग रखी। उन्होंने गढ़वा टाउन से रांची तक नई मेमू ट्रेन चलाने, रांची से अयोध्या तक नई ट्रेन शुरू करने, गरीब रथ एक्सप्रेस का मोहम्मदगंज और अलीगढ़ जंक्शन पर ठहराव सुनिश्चित करने, रांची-वाराणसी इंटरसिटी को गोरखपुर तक विस्तार देने, हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस को मुंबई तक विस्तारित करने, पलामू एक्सप्रेस का रजहरा स्टेशन पर ठहराव देने, रांची से गोरखपुर जाने वाली ट्रेन को पुनः चालू करने, रांची-सासाराम इंटरसिटी में अतिरिक्त कोच लगाने और गढ़वा रोड एवं डालटनगंज रेलवे स्टेशनों पर मालवाहन (गुड्स शेड) सुविधाओं के विस्तार की भी मांग की। रेल मंत्री ने इन मांगों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए और जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

तीसरे जुमा की नमाज अदा, अमन-चैन की दुआएं

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रमजान माह के तीसरे जुमा पर पलामू जिले की मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ी। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पूरी अकीदत के साथ जुमा की विशेष नमाज अदा की और अमन-चैन के लिए दुआ मांगी। शहर की प्रमुख मस्जिदों–छह मुहान स्थित जामा मस्जिद, चौक बाजार मस्जिद, पहाड़ी मुहल्ला स्थित नूरी मस्जिद, कुंड मुहल्ला की मिल्लत मस्जिद, मुस्लिम नगर की मदीना मस्जिद, नावाटोली की मस्जिद-ए-हेरा सहित जिले की सभी मस्जिदों में नमाज अदा की गई। मुफ्ती मुजीबुल्लाह ने तकरीर में रोजे की अहमियत और उसकी फजीलत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रोजा मुसलमानों पर फर्ज है और इसे ईमान व सवाब की नीयत से रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि रमजान माह में कुरान मजीद का अवतरण हुआ, इसलिए इसकी विशेष महत्ता है। रोजेदारों को अपने रोजे की हिफाजत के लिए परहेजगारी अपनानी चाहिए और अधिक से अधिक इबादत व कुरान की तिलावत करनी चाहिए।

ईद की तैयारियों में जुटेंगे लोग : तीसरे जुमा के बाद अब लोग ईद की तैयारियों में भी जुट जाएंगे।

शहर से होकर गुजरी संविधान सम्मान रक्षा यात्रा

मेदिनीनगर। रांची के पुराने विधानसभा से 8 मार्च को निकली संविधान सम्मान रक्षा यात्रा शुक्रवार को मेदिनीनगर पहुंची। यह यात्रा रेडमा ओवरब्रिज, कचहरी चौक और छहमुहान समेत शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरी। यात्रा के आगे-आगे बैंड पार्टी चल रही थी, जो लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही थी। इस यात्रा में आदिवासी, दलित और पिछड़ा वर्ग के विभिन्न दलों के लोग शामिल हुए। वे संविधान की रक्षा और जागरूकता बढ़ाने से जुड़े नारे लगाते हुए चल रहे थे। इसके साथ ही, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगा वाहन भी यात्रा में शामिल था, जो प्रतिभागियों के पीछे-पीछे चल रहा था। यात्रा के उद्देश्य पर जानकारी देते हुए आयोजकों ने बताया कि यह यात्रा राज्य के प्रत्येक जिले में चलाई जा रही है, ताकि लोगों को संविधान के प्रति जागरूक किया जा सके। साथ ही, दलित, पिछड़े और आदिवासी समाज को सचेत और संगठित रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यात्रा के दौरान मुख्य संयोजक आर. पी. रंजन, पूर्व वार्ड पार्षद चंचल देवी, दलित नेता शत्रुघ्न कुमार शत्रु सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शहरी क्षेत्र में सुबह 10 बजे तक बारिश, दिनभर बादलों की आवाजाही

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर में शुक्रवार को सुबह से लेकर 10 बजे तक लगातार बारिश हुई, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई। इसके बाद बारिश तो थम गई, लेकिन दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रही। इस बदलाव से अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बारिश के कारण सुबह की आर्द्रता 87% तक पहुंच गई, जबकि शाम तक यह घटकर 74% रह गई। मौसम विभाग के अनुसार, सुबह 10 बजे तक 7.00 मिमी वर्षा दर्ज की गई। ठंडी हवाओं के कारण दिनभर मौसम सुहावना बना रहा, जिससे लोगों को उमस से राहत मिली।

सुबह की बारिश से सड़कें भीगीं, दिनभर रही ठंडी हवाएं

सुबह की बारिश के कारण शहर की कई सड़कें गीली रहीं और कुछ जगहों पर हल्का जलजमाव भी देखने को मिला। हालांकि, बारिश रुकने के बाद धूप नहीं निकली और ठंडी हवाओं के चलते मौसम खुशनुमा बना रहा।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बारिश रबी फसलों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। खेतों में नमी बढ़ने से गेहूं और सरसों की फसलों को लाभ मिलेगा।

आने वाले 24 घंटे में क्या रहेगा मौसम का मिजाज?

मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, अगले 24 घंटों तक बादल छाए रहने की संभावना है, हालांकि बारिश की संभावना कम है। ठंडी हवाओं के कारण तापमान में हल्की गिरावट रह सकती है, जिससे मौसम खुशनुमा बना रहेगा।

बिना नंबर प्लेट के दौड़ रहे एंबुलेंस, प्रशासन बेखबर

■ स्वास्थ्य और परिवहन विभाग पर उठ रहे सवाल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। एक ओर प्रशासन जिले में रोजाना वाहन चेकिंग अभियान चला रहा है, वहीं शहर से लेकर प्रखंड स्तर तक कई एंबुलेंस बिना नंबर प्लेट के दौड़ रहे हैं, लेकिन इस पर किसी की नजर नहीं जा रही। अगर इन एंबुलेंस से कोई दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

पलामू जिले में सिविल सर्जन आवास पर कई ऐसे एंबुलेंस खड़े हैं, जिनमें नंबर प्लेट नहीं लगी है। कुछ एंबुलेंस में सिर्फ आगे नंबर प्लेट है, लेकिन पीछे नहीं। इससे स्वास्थ्य विभाग और परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि सरकारी वाहनों पर नियम-कानून लागू ही नहीं होते।

शुक्रवार को जिला मुख्यालय में दो एंबुलेंस ऐसे भी मिले, जो दवा लेने आए थे–एक पांकी और दूसरा छतरपुर उप-स्वास्थ्य केंद्र के लिए, लेकिन इनमें आगे और पीछे कहीं भी नंबर प्लेट नहीं लगी थी। प्रशासन को इस लापरवाही पर जल्द कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित, किसान चिंतित

मौसम में बढ़ी ठंडक, सड़कों पर फैला कीचड़

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पिछले दो दिनों से जिले में रुक-रुक कर हो रही झमाझम बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। तेज हवाओं और मेघ गर्जन के साथ हुई 7 मिमी वर्षा से तापमान में गिरावट आई, जिससे ठंडक बढ़ गई। अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जबकि न्यूनतम तापमान 19.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बारिश के कारण घड़ा पट्टी, कन्नीराम चौक, मुख्य सब्जी बाजार, गणपति धर्मशाला रोड समेत कई इलाकों में कीचड़ फैल गया, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कत हुई। सब्जी विक्रेताओं और ग्राहकों को खासतौर पर परेशानी का सामना करना पड़ा।

किसानों की चिंता बढ़ी

बारिश से ठंड बढ़ने के साथ ही किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। वे गेहूं, चना, मटर, सरसों, आलू और प्याज जैसी फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका जता रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा, तो फसलों को भारी क्षति हो सकती है। कृषि विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण 23 मार्च तक रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है। हल्की बारिश जहां रबी फसलों के लिए फायदेमंद मानी जाती है, वहीं अधिक बारिश नुकसानदायक साबित हो सकती है।

बीमारियों का खतरा बढ़ा

मौसम में आए बदलाव से सर्दी, खांसी और जुकाम जैसी मौसमी बीमारियों के फैलने की संभावना बढ़ गई है। अगर मौसम का यही रुख जारी रहा, तो जल्द ही स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों की भीड़ उमड़ सकती है।

शहर की सड़कों पर फैला कीचड़, वाहन चालकों को परेशानी

नगर निगम क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति योजना के तहत खोदी गई सड़कों पर बारिश के बाद कीचड़ फैल गया है। हमीदगंज, बीएन कॉलेज रोड, बैरिया और बारालोटा जैसे इलाकों में राहगीरों और वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बाइक चालकों के फिसलने की घटनाएं बढ़ गई हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

दो दिवसीय बस्ता रहित कार्यशाला का समापन

सीखे गए ज्ञान को विद्यार्थियों तक प्रभावी रूप से लागू करें : प्राचार्या

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) द्वारा दो दिवसीय बस्तारहित कार्यशाला का आयोजन सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, केजी गर्ल्स स्कूल, मेदिनीनगर में गुरुवार और शुक्रवार को किया गया। कार्यशाला का समापन डायट प्राचार्या अमृता सिंह और प्रभारी प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सिंह के उद्बोधन से हुआ।

डायट प्राचार्या ने बस्तारहित शिक्षा कार्यक्रम के क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि इस कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान को विद्यार्थियों तक प्रभावी रूप से लागू किया जाए, जिससे अधिक से अधिक छात्रों को लाभ मिल सके। वहीं, प्रभारी प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सिंह ने नई शिक्षा नीति 2020 के तहत वर्णित मॉड्यूल पर चर्चा की। उन्होंने विद्यालयों में पूर्व-व्यावसायिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन और उनकी सार्थक परिणीति पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यशाला के दौरान श्यामलाल उरांव ने कार्यक्रम का संचालन किया। संकाय सदस्यों मो. हसन रजा, नूतन कुमारी, मृत्युंजय कुमार, मो. शाहिद अनवर, जितेंद्र कुमार तिवारी और मास्टर ट्रेनरों के मार्गदर्शन में सत्र संपन्न हुए।

इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में 240 विद्यालयों के 430 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षकों ने बस्तारहित दिवस की अवधारणा और इसके महत्व पर अपने विचार साझा किए। अंत में, प्रभारी प्राचार्य डॉ. धीरेंद्र सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यशाला के समापन की घोषणा की।

युवक ने महिला को चाकू से गले पर वार कर किया घायल, रेफर

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। थाना क्षेत्र के डंडई गांव में शुक्रवार को एक विवाहित महिला का गर्दन के ऊपर चाकू मारकर जानलेवा हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। घटना दोपहर ढाई से तीन बजे की है। पीड़िता डंडई निवासी चंदन प्रसाद साहू की पत्नी रेणू देवी उम्र 35 वर्ष है। बताया जाता है कि डंडई गांव के ही प्रिंस कुमार उर्फ मंगल नामक युवक पीड़िता के घर से 200 फीट की दूरी पर अपना बाइक खड़ा कर अकेले उसके घर में घूस गया। वहां कुछ बात को लेकर दोनों के बीच घर के अंदर ही नोंक झोंक हुआ। इसके बाद मंगला ने रेणू के गर्दन पर चाकू मार कर घायल कर दिया। घायल रेणू ने अपने घर से बाहर निकल हल्ला मचाने लगी। उसकी आवाज सुनकर जेठ मुन्ना साहू अपने घर

से बाहर निकला। उसने तत्काल ही रेणू को प्राथमिक उपचार के लिए गढ़वा सदर अस्पतला में भर्ती कराया। वहां घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज को लेकर उसे बाहर रेफर कर दिया। घटना स्थल पर पहुंचे थाना के एएसआई रॉबिन उरांव ने पीड़िता के परिजनों को साथ घटना वाले रूम में जाकर जांच की। एएसआई ने आरोपी प्रिंस कुमार उर्फ मंगला के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत प्राप्त आवंटन व व्यय संबंधी समीक्षा बैठक

प्राप्त आवंटन की निकासी कर नियमानुकूल व्यय करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत प्राप्त आवंटन व व्यय से संबंधित समीक्षात्मक बैठक का आयोजन समाहरणालय के सभाकक्ष में जिला स्तर के सभी पदाधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओं के साथ की। बता दें कि प्रत्येक वित्तीय वर्ष की भांति वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी सरकार से विभिन्न कार्यों, योजनाओं के संचालन के लिए आवंटन प्राप्त हुआ है। इस आवंटन के विरूद्ध राशि का आहरन कर व्यय भी किया जाना है। वित्तीय वर्ष की अवधि समाप्ति पर है। उक्त

आलोक में प्राप्त आवंटन की निकासी कर नियमानुकूल व्यय सुनिश्चित किया जाना है। फलस्वरूप बैठक के दौरान सभी विभागों से बारी-बारी कर योजना एवं गैर-योजना मदों समेत अन्य प्रयोजनों के लिए विभिन्न मदों, शीर्षों में प्राप्त आवंटन की स्थिति व उनका खर्च करने संबंधी अद्यतन स्थिति से अवगत होते हुए वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पूर्व प्राप्त आवंटन की निकासी कर नियमानुकूल व्यय करने संबंधी निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों के उपस्थित संबंधित पदाधिकारी के बीच अलॉटमेंट की अद्यतन स्थिति से स्पष्ट कराने के लिए एक विशेष फॉर्मेट (प्रपत्र) का वितरण किया गया, जिसमें इस पूरे वित्तीय वर्ष में अब तक विभिन्न खर्च मदों व शीर्षों में प्राप्त आवंटन की विवरणी मद, शीर्ष वार मांगी गई। सरकार से विभिन्न मदों में प्राप्त आवंटन का अचूक रूप से वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पूर्व आवंटित राशि का आहरण कर नियमानुकूल व्यय करने के लिए सभी पदाधिकारी को निर्देश दिया गया।

न्यूज बॉक्स

मनरेगा योजना में जेसीबी से काम, जांच की मांग

केतार। प्रखंड के परती कुशवानी पंचायत निवासी रामाशीष यादव ने बीपीओ नीरज कुमार पाल को आवेदन देकर मनरेगा योजना में जेसीबी मशीन से काम कराने की शिकायत किया है। आवेदन में उल्लेख किया है कि परती कुशवानी पंचायत के मध्य विद्यालय आमवाडीह के प्रांगण में मनरेगा योजना से खेल मैदान का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इसमें मजदूरों से काम कराने के बजाय जेसीबी मशीन व ट्रैक्टर से काम कराया जा रहा है। इससे पंचायत के मजदूरों को काम नहीं मिल रहा है। इस योजना में मजदूरी मद का 75 हजार 616 रू का निकासी भी कर लिया गया है। ग्रामीण ने इसकी जांच कर संलिप्त लोगों पर कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

उन्नति के पहिया कार्यक्रम के तहत 105 विद्यार्थियों को मिली साइकिल

रमना। उन्नति के पहिया कार्यक्रम के अंतर्गत सत्र 2024-25 के वर्ग आठवीं में अध्ययनरत्त छात्रों के बीच शुक्रवा को साइकिल वितरण किया गया। सीओ सह प्रखंड विकास पदाधिकारी विकास पांडेय द्वारा राज्यकीय मध्य विद्यालय सिरियाटोंगर के 76 और राज्यकीय मध्य विद्यालय बुल्का के 29 बच्चों के बीच साइकिल वितरण किया गया। मौके पर विकास पांडेय ने कहा कि बच्चों को विद्यालय आने-जाने में होने वाले समस्या को देखते हुए सरकार द्वारा इस योजना को चलाया गया है। उन्होंने कहा कि सभी गांव में हाई स्कूल नहीं है और आठवीं के बाद दूरदराज के बच्चों को पैदल विद्यालय जाने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। इस मौके पर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी राहुल प्रकाश एवं शिक्षक उपस्थित थे।

झामुमो ने एसपी का आभार व्यक्त किया

गढ़वा। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने चिनियां में योगेंद्र साव गोलीकांड उद्भेदन पर गढ़वा पुलिस प्रशासन और पुलिस अधीक्षक का आभार व्यक्त किया है। झामुमो केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे ने कहा कि राज्य सरकार अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अमन साहू का एनकाउंटर इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने होली के दौरान ही वरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर अपराध नियंत्रण को लेकर कड़े निर्देश दिए थे। गढ़वा पुलिस ने इस मामले का पदार्फाश कर राजनीतिक बयानबाजी पर विराम लगा दिया है। धीरज दुबे ने गढ़वा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि झामुमो किसी भी अपराधी को संरक्षण नहीं देता है। कोई भी व्यक्ति चाहे वह पार्टी का पदाधिकारी हो या किसी नेता का रिश्तेदार, अपराध में लिप्त पाया जाता है तो कानून अपना काम करेगा। मौके पर उपस्थितः शंभु राम, जवाहर पासवान, सुनील गौतम, चंदन जायसवाल, जितेंद्र दुबे, कबूतरी देवी, मनोज कुमार मौजूद थे।

पुलिस ने जेसीबी जब्त की

मेराल। थाना क्षेत्र के रेजो गांव निवासी सुरेश यादव के जेसीबी मशीन को मेराल पुलिस ने जब्त कर लिया है। इस संबंध में थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि रेजो गांव निवासी सुरेश यादव के जेसीबी मशीन द्वारा राजेंद्र यादव के चाहरदीवारी को क्षतिग्रस्त किया गया है। उक्त मामले में राजेंद्र यादव द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर थान में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए सुरेश यादव के जेसीबी मशीन को जब्त कर लिया गया है।

दो दिवसीय गैर आवायीय प्रशक्षिण शुरू

नवीन मेल संवाददाता

रंका। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद रांची के निर्देश पर विद्यालय प्रबंधक समिति का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुक्रवार को शुरू हुआ। दौनादाग सीआरपी संजय प्रसाद ने बताया कि प्रखंड संसाधन केंद्र रंका अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय रबदा खुरा के प्रांगण में विद्यालय प्रबंधन समिति के दो दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रताप कुमार पांडेय ,संकुल साधन सेवी संजय प्रसाद के संयुक्त अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित की गई। प्रशिक्षण में

विद्यालय प्रबंधन समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों को उनके कार्य दायित्व से संबंधित विस्तृत चर्चा की गई। साथ बच्चों के ठहराव, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, नई शिक्षा नीति 2020, बाल अपराध से संबंधित बातों को बताया गया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रताप कुमार पांडेय ने प्रबंधन समिति के सदस्यों को कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति का प्रत्येक माह के 25 तारीख को बैठक में भाग लेना अनिवार्य है। अपने बच्चों को आस पास टोला के लोगों के बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करें। नियमित रूप से विद्यालय में बच्चों को उपस्थिति सुनिश्चित करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। मौके पर विद्यालय के शिक्षक रमेश कुमार मेहता ,देवानंद पाल ,गौरव कुमार तिवारी ,अध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी सदस्य अंजू देवी,लालो देवी शिला देवी, ज्ञांति देवी,रूबी खातुन, तारा देवी, सरिता देवी,मीरा देवी, कलिंदा देवी सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य उपस्थित थे।

आपसी मारपीट में एक पक्ष के तीन लोग घायल

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के बुका गांव में शुक्रवार शाम आपसी विवाद को लेकर हुए मारपीट में एक पक्ष के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हे घायल अवस्था में भवनाथपुर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सक एस कुमार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। घटना की जानकारी पुलिस को देने की बात पीड़ित ने कहा। घायलों में अमित राम ,विकास राम ,बीरबल तीनों पिता महजर राम के नाम शामिल है। घटना के बारे में बताया कि अमित राम अपने घर के पास खड़ा था। इस बीच उसके चाचा बनवारी राम शराब पीकर गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर बनवारी राम और उसके पुत्र प्रिंस कुमार, बबलू राम, पुत्रियों पूनम देवी ,रूबी देवी पूजा कुमारी ने अमित को पिटाई करने लगे। इस बीच अमित को बचाने आए उसके भाई विकास कुमार और बीरबल राम को भी जमकर पिटाई करने से तीनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए।

मारपीट व रंगदारी मांगने का अरोपी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

मेराल। पुलिस ने मारपीट करने व रंगदारी मांगने के आरोप में एक व्यक्ति को शुक्रवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि करकोमा गांव निवासी भरदूल चौधरी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में गढ़वा जेल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व मेराल निवासी रामप्रवेश गुप्ता के साथ उक्त आरोपी सहित अन्य लोगों ने मारपीट व रंगदारी मांगने के मामले में थाना में

एफआईआर दर्ज किया गया था। थाना में दर्ज मामले के तहत पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जनता दरबार में जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने सुनी आमजनों की समस्याएं

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर के निर्देश पर शुक्रवार को जिला आपूर्ति पदाधिकारी राम गोपाल पांडेय ने समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में आए फरियादियों की समस्याएं क्रमवार तरीके से सुनी गई। समस्याओं के निष्पादन कि लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया। जनता दरबार में राशन, पेंशन, आवास, भूमि सीमांकन, नामांतरण, मजदूरी बकाया भुगतान, मुआवजा, रोजगार, नौकरी देने समेत अन्य समस्याओं को लेकर उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं रखी। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने यथाशीघ्र उनके समस्याओं के निराकरण करने के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया।सर्वप्रथम प्रखंड डंडई के सोनेहारा निवासी कुलदीप पासवान ने आवेदन पत्र समर्पित करते हुए बताया कि अबुआ आवास की पहली किस्त

मिलने के बाद अगली किस्त नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि अबुआ आवास योजना के तहत पहली किस्त प्राप्त होने के बाद गृह निर्माण में प्लिंथ लेवल तक कार्य कर चुके हैं। दूसरी किस्त के भुगतान करने को लेकर मांग करने पर संबंधित पंचायत के मुखिया, पंचायत सचिव द्वारा टालमटोल किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि अबुआ आवास योजना की सूची में आपका नाम दर्ज नहीं है। जनता दरबार में आवेदन के साथ उन्होंने अपना नाम क्रम संख्या 39 में 439 वें नंबर में दर्ज होने की बात बताया। साथ ही उसकी छाया प्रति भी आवेदन पत्र के साथ समर्पित किया। उन्होंने अबुआ आवास योजना के तहत गड़बड़ी होने का मामला बताया है। उन्होंने बताया कि उक्त विद्यालय में एक भी शिक्षक नहीं है, जिसके कारण बच्चों के पठन-पाठन कार्य बाधित हैं। बच्चों का भविष्य अंधकार में है। उन्होंने बच्चों के भविष्य को देखते हुए कक्षा 8 से 10 तक के सभी विषयों के शिक्षक को नियुक्त करने का आग्रह किया है।

पंचायतों में लगे जल मीनार का सत्यापन करने का निर्देश

केतार। प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने शुक्रवार पत्र प्रेषित कर प्रखंडों में संचालित जलमीनार की भौतिक सत्यापन करने का निर्देश कर्मियों को दिया है। बीडीओ ने कहा की सभी पंचायतों से ग्रामीणों द्वारा शिकायत प्राप्त हो रहा है कि गांवों में निर्मित जलमीनार खराब है। उन्होंने कहा है कि खराब जलमीनार किस विभाग से संचालित है और भौतिक स्थिति क्या है, इसका जांच प्रतिवेदन दो दिन के अंदर कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसके लिए बीडीओ ने कर्मियों को पंचायत आवंटित किया है। इनमें सहायक अभियंता अमरेन्द्र कुमार को परती कूशवानी पंचायत, कनीय अभियंता आनंद कुमार को मुकुन्दपुर पंचायत, कनीय अभियंता सत्यम कुमार को लोहरगाडा, कनीय अभियंता राजीव कुमार को पाचाडुमर, कनीय अभियंता अमर भारती को केतार व बलिगढ़, बीएफटी छोटन कुमार को परसोडीह पंचायत में जलमीनार सत्यापन का जिम्मा सौंपा गया है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गढ़वा
सहिजना मोड़, गढ़वा (झारखण्ड) पिन नं० 822114 Email : eedwsd.garhwa1@gmail.com

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–**DWSD/GAR-RM-08** / 2024–25
(द्वितीय सूचना)
दिनांक–**21.03.2025**

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड, रांची
2. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा
3. परिमाण विपत्र (BOQ) प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 22-03.2025 को 12-30 बजे अपराह्न से
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 28.03.2025 को 03-30 बजे अपराह्न तक
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 28-03.2025 को 04.30 बजे अपराह्न में
6. परिमाण विपत्र (BOQ) प्राप्ति का स्थान :– विभागीय वेबसाइट dwsd.jharkhand.gov.in/Office of the Executive Engineer, D.W.&S. Division, Garhwa से प्राप्त किया जाना है।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (1) कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा।
   (2) अधीक्षण अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, मेदिनीनगर।
8. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा।
9. कार्य का नाम :– नलकूपों के साधारण मरम्मति कर चालू करने का कार्य (स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति प्रमंडल स्तर से की जायेगी)
10. कार्य का विवरण :–

क्र0	प्रखण्ड का नाम	ग्रुप संख्या	नलकूपों की सं0 (अनुमानित)	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य की अवधि
1	डंडई, मझिआँव एवं बरडीहा	GAR/RM-01	300 Nos.	2,91,837/-	6,000/-	750/-	04 Months
2	भवनाथपुर, केतार एवं खरौन्धी	GAR/RM-02	300 Nos.	2,91,837/-	6,000/-	750/-	04 Months
3	मेराल, रमकंडा एवं चिनियाँ	GAR/RM-03	400 Nos.	3,89,116/-	8,000/-	750/-	04 Months
4	गढ़वा, डंडा, एवं रंका	GAR/RM-04	450 Nos.	4,37,755/-	9,000/-	750/-	04 Months

नोट– (i) निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय होगा।
(ii) निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाईट **dwsd.jharkhand.gov.in** तथा कार्यालय के सूचना पटट से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गढ़वा।

PR.NO.348921 Drinking Water and Sanitation(24-25):D

एमके इंटरनेशल स्कूल में नए सत्र की शुरूआत

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। स्टेशन रोड स्थित एमके इंटरनेशनल स्कूल में शुक्रवार को नए सत्र का शुभारंभ हुआ। नए सत्र के शुभारंभ के उपलक्ष्य में स्कूल में कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष डॉ अभिमन्यु कुमार सिंह, प्रिंसिपल डॉ राय रोज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष डॉ अभिमन्यु कुमार सिंह ने कहा की छात्र छात्राओं को मोबाइल फोन से दूरी बनाकर रखना चाहिए क्योंकि मोबाइल बच्चों को पूरी तरह से भ्रष्ट कर रहा है।कक्षा 10 के छात्र-छात्राओं ने स्वागत गीत तथा कक्षा 7 के छात्राओं ने स्वागत नृत्य भी प्रस्तुत किया। इसके बाद नए सत्र में जो भी बच्चे नए आए हैं उन्हें स्कूल के अध्यक्ष डॉ. अभिमन्यु कुमार सिंह, प्रिंसिपल डॉ. राय रोज द्वारा टीका, आरती तथा मिठाई और चॉकलेट भी दिया गया। बच्चों द्वारा कुछ खेल भी कराया गया। इसके बाद सभी शिक्षक अपने बच्चों को विद्यालय के एक-एक चीजों से अवगत कराया अर्थात बच्चों को विद्यालय में क्या करना चाहिए, क्या नहीं करना चाहिए, कैसे रहना है ,क्या-क्या सुविधाएं हैं आदि इन सभी चीजों की जानकारी दी गई। अंत में प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर अमृता सिंह के स्वागत भाषण के द्वारा कार्यक्रम को समाप्त किया गया।

मुखिया व मुखिया पति पर मनमाने तरीके से काम करने का अरोप

भंडरिया। प्रखंड के मदगड़ी पंचायत में सरकारी राशि का दुरुपयोग करने को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने उपविकास आयुक्त को आवेदन देकर मुखिया व मुखिया पति की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि मदगड़ी पंचायत के मुखिया पति सह पूर्व 20 सूत्री अध्यक्ष राजू नायक, मुखिया प्रेमी देवी, दोनों ने मिलकर फर्जी ग्राम सभा का कार्य कर मनमाने ढंग से अनुपयोगी योजनाओं का चयन कर योजना का लाभ लेने का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि किसी भी तरह के बैठक में मुखिया द्वारा ग्रामीणों को सूचना नहीं दी जाती है। टेबल पर बैठ कर संचालित योजनाओं के लाभुक समिति का चयन कर लिया जा रहा है। सरकार के महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा, 15वें वित्त योजना में भारी मात्रा में पैसा का बंदर बांट किया जा रहा है। अनुपयोगी जगह पर नाली निर्माण, सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में बगैर नल मरम्मती किए 31 नल मरम्मत के नाम पर जीएन गढ़वा के नाम भेंडर के बैंक खाता के माध्यम से नल मरम्मती की राशि डालकर बंदर बांट कर लिया गया है। आवेदन देने वाले ग्रामीणों में राजेश उत्सव अमृतसर, राजनाथ उरांव, शंकर राम, सुदामा महतो ,कर्मन सिंह समेत दर्जनों ग्रामीणों के नाम है शामिल।

जिला में बसपा काफी मजबूत संगठन साबित होगाः मेधांकर

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। बहुजन समाज पार्टी ने शुक्रवार को रामदुलारी होटल में बैठक कर जिकला कमेटी का गठन किया। बैठक में मुख्य अतिथि प्रदेश प्रभारी डॉक्टर लालजी मेधांकर, प्रदेश अध्यक्ष कुशवाहा शिव पूजन मेहता, प्रदेश उपाध्यक्ष पुनीत कुमार आंबेडकर, प्रदेश महासचिव सुनीता देवी, जोन प्रभारी अरुण कुमार शामिल हुए। बैठक में चर्चा के बाद गढ़वा जिला कमेटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए नंदा पासवान को चुना गया। उपाध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार राम, सचिव कमला सिंह, कोषाध्यक्ष कामता राम, सुदीप कुमार सुमन, जितेंद्र कुमार को बनाया गया है। महासचिव रघुनाथ एक्का, जिला प्रभारी ज्ञानी राम, सुनेश्वर राम,गौतम कुमार को बहुजन वॉलिंटियर फोर्स का जिला संयोजक बनाया गया है। इसके अलावा नथुनी राम को पलामू जोन प्रभारी, प्रमोद कुमार राम को प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में गढ़वा रंका विधानसभा कमेटी का भी गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए मोतीराम को चुना गया। सचिव पद के लिए कमलेश्वर भूईहर, उपाध्यक्ष चंद्रिका सिंह खरवार, कोषाध्यक्ष श्रीराम रवि, महासचिव राम ध्यान राम को बनाया गया है। चुने गए सभी पदाधिकारी को कुशवाहा शिव पूजन मेहता ने माला पहना कर स्वागत किया। इसके बाद प्रदेश प्रभारी डॉक्टर लालजी मेधांकर ने सभी पदाधिकारी को अधिकार व अपने कर्तव्य के बारे में जानकारी दिया। इस अवसर पर मेधांकर ने कहा की गढ़वा जिला में बसपा काफी मजबूत संगठन साबित होगा। आने वाले चुनाव में बसपा के जिला कमेटी लगन के साथ काम करेगी, जिससे सभी सीटों पर जीत हासिल किया जाएगा।

कार्यालय नगर पंचायत, लातेहार

अतिअल्पकालिन कोटेशन आंमत्रण सूचना सं0 23/2024–25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में अवस्थित खराब पड़ें ऑटों टीपर की विशेष मरम्मति एवं रंग–रोगन कराया जाना है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संवेदक नगर पंचायत लातेहार में अवस्थित सभी ऑटों टीपर का स्थलीय निरीक्षण करते हुए खराब पड़ें संयत्रों के अनुसार मरम्मति एवं रंग–रोगन हेतु ऑटों टीपरवार अलग–अलग अपना भावपत्र (कोटेशन) नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय में दिनांक 07.04.2025 को अपराह्न 2.30 बजे तक पूर्ण विवरणी एवं सभी कर सहित जमा कर सकते हैं। कोटेशनदाता से प्राप्त कोटेशन को उसी दिन अपराह्न 3.30 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। मरम्मति किये गये सभी ऑटों टीपर के एक वर्ष तक वारंटी की जिम्मेवारी संबंधित व्यक्ति/फर्म/संवेदक की होगी। मरम्मति योग्य ऑटों टीपर का विवरण निम्नवत है:–

Sl. No.	Model Name	Registration Number	Chesis Number	Tipper Capacity
01	Tata ACE Face Lift HT BS -IV	JH05CC9554	MAT445237JZD23896	1800 Liter
02	Tata ACE Zip BS -IV	JH05CE7503	MAT491013J6E10477	1000 Liter
03	Tata ACE Zip BS -IV	JH05CE6351	MAT491013J6E10476	1000 Liter
04	Tata ACE Zip BS -IV	JH05CE3228	MAT491013J6E10133	1000 Liter
05	Tata ACE Zip BS -IV	JH05CE5940	MAT491013J6E10132	1000 Liter
06	Tata ACE Zip BS -IV	-	MAT491013H6E08743	1000 Liter

सभी कोटेशनदाता को कोटेशन के साथ अध्यतन आयकर एकनॉलेजमेन्ट, पैन कार्ड एवं GST प्रमाण पत्र 3B Return एवं खराब पड़ें ऑटों टीपर के पूर्ण विवरणी के साथ अलग–अलग भावपत्र सभी कर सहीत Verification Report के साथ देना अनिवार्य होगा। कोटेशनदाता को कोटेशन के साथ निविदा शुल्क के रूप में 5000.00 (पॉच हजार) रू0 की राशि का बैंकर चेक/बैंक ड्राफट जो **कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत लातेहार** के नाम से देय हो जमा करना अनिवार्य होगा। साथ ही विपत्र के भुगतान के समय भुगतान की जाने वाली राशि से नियुमानुसार कर (Tax) एवं सुरक्षीत जमा राशि की कटौती की जायेगी। कोटेशनदाता से दर प्राप्त होने के उपरांत न्युनतम दरदाता की स्वीकृति प्रदान करते हुये कार्यादेश निर्गत की जायेगी। कार्यादेश निर्गत की तिथि से 30 दिनों के अन्दर उपरोक्त संयत्रों की मरम्मति एवं रंग–रोगन करते हुए नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय को उपलब्ध करना आवश्यक होगा। इसके लिए कोई भी अतिरिक्त राशि का भुगतान नही किया जायेगा। इस संबंध में विशेश जानकारी कार्यालय के कार्य दिवस में जय प्रकाश रंजन, कनीय अभियंता, नगर पंचायत लातेहार से प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 348966 Urban Development(24-25).D

कार्यक्रम

दो दिवसीय श्री वंशीधर महोत्सव संपन्न

बॉलीवुड कलाकारों की प्रस्तुति को दर्शको ने सराहा

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। दो दिवसीय श्री बंशीधर राजकीय महोत्सव का रंगारंग के साथ सम्पन्न हुआ। दूसरे दिन वाराणसी से आए पंडितों द्वारा गंगा आरती प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शुरूआत किया। बॉलीवुड कलाकार जॉली मुखर्जी, हेमंत बृजवासी और रजत आनंद ने अपनी प्रस्तुति लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। वहीं झारखंड के कलाकारों ने पाइका नृत्य से समा बांध दिया। रजत आनंद ने एक विशेष प्रस्तुति मोर नैना मोरे नैना, आज तिलक सब की गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सारेगामा फेम हेमंत बृजवासी जैसे ही मंच पर आए लोगों ने खड़े होकर उनका अभिवादन

किया। हेमंत ने सबसे पहले भक्ति गीत उसके बाद क्लासिकल गाने गए। इसके अलावे तुम्हें दिल्लगी में भूल जाने की, दिल दे दिया है जान भी देंगे ए सनम तेरे लिए, आज चांदनी लूटेंगे धूम बराबर धूम, सांसों की माला पे लिखूं मैं तेरा नाम गाकर लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। अंतिम दिन सबसे खास आकर्षण बॉलीवुड सिंगर जॉली मुखर्जी रहे। जिन्होंने आंखों में आंखों का दिल खो जाता है, मोनिका, हो छोरा गंगा किनारे वाला, गोरिया रे गोरिया रे मेरा नींद चुरा के लेजा जैसे गाने गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। समापन पर डीसी ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि राजकीय महोत्सव आप सभी के सहयोग से सफल सम्पन्न हो रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और आम जनता को धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी कलाकारों को विधायक अनंत प्रताप देव, डीसी शेखर जमुआर, एसपी दीपक पांडेय द्वारा मोमेंटो और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान एसडीओ प्रभाकर मिर्धा, झामुमो नेता ताहिर अंसारी, मुक्तेश्वरपांडेय, एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह, अपर समाहर्ता राज महेश्वरम सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मृतक का शव रूस से घर पहुंचा, शोक

मेराल। थाना क्षेत्र के औरइया गांव के लिखनिया टोला में शुक्रवार की सुबह मृतक रवि कुमार चौधरी का पार्थिव शरीर घर पहुंचा। शव पहुंचने की सूचना पर सांत्वना देने वाले लोगों की भीड़ लग गई। बता दें कि रुस के इंस्टा कंपनी में फिक्सर के काम करने के दौरान 13 मार्च को रविकुमार चौधरी की मृत्यु हो गई थी। परिजनों ने सांसद वीडी राम से शव मंगवाने का आग्रह किया था। परिजनों ने बताया कि इसे लेकर सांसद वीडी राम ने विदेश मंत्रालय से संपर्क कर रुस से मृतक के घर औरइया गांव मंगवाने का काम किया। दुःख की घड़ी में सीओ यशवंत नायक ने परिजन को सांत्वना देते हुए मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान जनप्रतिनिधि व ग्रामीण काफी संख्या में उपस्थित थे। इसके बाद मृतक रवि कुमार चौधरी का औरइया गांव स्थित फुलवरिया नदी किनारे अंतिम संस्कार कर दिया गया।

ओलावृष्टि से फसल बर्बाद, किसानों की चेहरे पर शिकन

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड में गुरुवार दोपहर से ही मौसम पलटा, साइक्लोन का असर तेज हवा के गरज के साथ बारिश होने के साथ शुक्रवार सुबह ओला गिरा। सुबह के आठ बजे अचानक आसमान में अंधकार छाया। गरज के साथ तेज हवा, बारिश के बाद आधा घंटा तक ओलावृष्टि हुई। मैदान और सड़क पर ओले की चादर बिछ गईं थी। तेज हवा में कही कही पर पेंड़ भी गिरे। पूरे प्रखंड क्षेत्र की बिजली सप्लाई बाधित हो गई है। वही रूक-रूक कर पूरे दिन बारिश हुई। भीषण गर्मी के बीच मौसम में हुए बदलाव ने लोगों को राहत तो महसूस कराया। ओले गिरने से गेहूं और चने की खड़ी सैकड़ों एकड़ भूमि की फसल को भारी नुकसान हुआ है। अब अन्य फसल की चिंता सताने लगी है। किसानों का कहना है कि यदि आगे भी ऐसा मौसम रहा तो बची हुई फसल पूरी तरह से खत्म हो जायेगी। किसानों का कहना है, गेहूं की फसल पकने लगी थी। किसान सुनील मंसू किसान ने बताया कि पांच एकड़ में गेंहू की फसल गली हुई थी। कर्ज लेकर फसल लगाये थे। ओला गिरने से सब बर्बाद हो गया। रेगांई के भुवनेश्वर सिंह का 10 एकड़ में लगा गेंहू और लहसुन का फसल बर्बाद हो गई। शुक्रवार सुबह तेज हवा तुफान से नये पेट्रोल पंप स्थित अरविंद कुमार की गुमटी उखड़कर 10 फीट पीछे पलट गया। इससे दुकानदार को भारी नुकसान हुआ है। अरविंद कुमार ने कहा महिला समूह से लोन लेकर फिलहाल ही दुकान खोले थे। लगभग 15 हजार का नुकसान हुआ है।

मौसम ने ली करवट, लौटी ठंड

लातेहार। जिला मुख्यालय सहित जिले के लगभग सभी प्रखंड में शुक्रवार को बादल छाए रहे और रह रहकर हल्की बारिश होती रही। इसके चलते तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। सुबह से हो रही हल्की बारिश से तापमान में गिरावट होने की चलते एक बार फिर जिले में ठंड ने दस्तक दे दी है, जिसके चलते लोगों को गर्म कपड़े निकालना पड़ा है। शहरी क्षेत्र लोगों को दैनिक कार्य करने में परेशानियों का सामना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि कच्चे मकानों को भी नुकसान हुआ है। ओलावृष्टि के कारण सब्जी, दलहन तिलहन फसलों के साथ-साथ रबी फसल काफी बर्बाद हो गया। टमाटर, बैंगन, फ्रेंचबीन, खीरा सहित विभिन्न सब्जियां बर्बाद हो गया। ओलावृष्टि से आम में लगे मंजर और फल भी झड़ गये। जिले के कई क्षेत्रों में ओलावृष्टि से किसानों को काफी नुकसान हुआ है।

विश्व वानिकी दिवस पर वन प्रमंडल ने निकाला जागरूकता रैली

लातेहार। वन पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में विश्व वानिकी दिवस के मौके पर शुक्रवार को लातेहार वन प्रमंडल द्वारा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ चेकनाका स्थित रेंज कार्यालय से किया गया, जो शहर भ्रमण के बाद वापस रेंज कार्यालय पहुंच कर समाप्त हो गया। इस दौरान वन संरक्षण जलवायु परिवर्तन से निपटने और वनों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वन क्षेत्र पदाधिकारी नंदकुमार महतो ने किया। मौके पर प्रभारी वनपाल पिंटू कुमार, आशीष कुमार झा, पवनदीप, सनी, अरविंद, जितेंद्र, अमन, झूम्रति, संजीव, मनीष, पप्पू समेत कई वन कर्मियों ने भाग लिया।

न्यूज बॉक्स

संविधान सम्मान रक्षा यात्रा पहुंचा लातेहार, किया गया स्वागत

लातेहार। पिछले आठ मार्च 2025 को विधान सभा रांची से प्रारंभ हुए संविधान सम्मान रक्षा यात्रा कूडू चंदवा होते हुए शुक्रवार की सुबह 11 बजे लातेहार पहुंची। वहां लोगो ने सम्मान यात्रा का स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने बाबा साहब डॉक्टर भीम राव आंबेडकर के तस्वीर पर माल्यार्पण किया। मौके पर समता सैनिक दल के राष्ट्रीय सचिव चंदन सिंह गौतम ने उक्त संविधान सम्मान रक्षा यात्रा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उक्त सम्मान रक्षा यात्रा के उद्देश्यों को घर-घर पहुंचाना है। इसके बाद उक्त सम्मान यात्रा अपने आगे की गंतव्य के के लिए निकला।

सहायिका चुनाव में प्रचार-प्रसार का रहा अभाव

कुंदा (चतरा)। मेदवाडीह आंगनबाड़ी केंद्र केंद्र संख्या 44 पर 19 मार्च को आंगनवाड़ी सहायिका पद को लेकर चुनाव की गई। ग्रामीणों ने चुनाव को लेकर व्यापक पैमाने पर प्रचार-प्रसार नहीं करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के महज एक दिन पूर्व गांव के कुछ लोगों तक इसकी जानकारी दी गई। 50 प्रतिशत से अधिक लोगों को इसकी कोई सूचना नहीं थी। इस मामले को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों ने अपना हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रतापपुर को आवेदन दिया है। आवेदन में ग्रामीणों ने कहा है कि या तो सहायिका के पद पर विधवा को चयनित किया जाए, अन्यथा चुनाव को रद्द करते हुए व्यापक पैमाने पर प्रचार प्रसार करते हुए पुनः चुनाव कराई जाए।

उपायुक्त ने सुनी ग्रामीणों की समस्या, निदान का दिया निर्देश

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को उनके कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी वआश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों को जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण, जमीन विवाद, मुआवजा, बिजली बिल माफी से संबंधी जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित कर सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन कर समस्याओं का समाधान जल्द करने का निर्देश दिया।

मुस्लिम धर्मावलंबियों ने अदा की रमजान के तीसरे जुमे की नमाज

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। माह ए रमजान के तीसरे जुम्मे की नमाज शुक्रवार को प्रखंड के सभी मस्जिदों में अकीदत के साथ शांतिपूर्ण अदा की गई। मौके पर देश व प्रदेश की तरक्की,खुशहाली की दुआ मांगी गई। इसके साथ ही रमजान का दूसरा अशरा समाप्त और तीसरा अशरा की शुरूआत हो जाएगी। इबादत के हिसाब से तीसरा अशरा अधिक महत्वपूर्ण है। इस अशरे में मुस्लिम धर्मावलम्बी रात-भर इबादत करते हैं। इस अशरे में लैलातुल कद्र और एतकाफ की इबादतें होंगी। अशरे की 21, 23, 25, 27 और 29वीं रमजान की रात लैलतुल कद्र की रात होती है, जिसमें इबादत की जाती है। चंदवा मुख्य बाजार स्थित मदीना मस्जिद में मुफ्ती गुलजार मजहर ने जुमा की नमाज अदा कराई। उन्होंने तकरीर में रमजान की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रमजान में दुनिया भर के मुसलमान पूरे महीने रोजा रखते हैं। रोजा सिर्फ इबादत और अल्लाह को खुश करने का तरीका भर नहीं है, बल्कि यह इंसान को सही मायने में इंसानियत के ढांचे में ढाल देता है। रोजा एक-दूसरे के दुख-दर्द को समझने तथा मदद करने के लिए प्रेरित करता है। इस महीने में अपने जमापूंजी से जकात जरूरतमंदों को देने से वह भूखा नहीं रहेगा और वह भी अपने बच्चों के साथ खुशी खुशी ईद मनायेगा। बता दें कि रमजान का आखिरी जुमा जमातुलविदा 28 मार्च को है। लोग अभी से ही ईद की खरीदारी में जुट गये हैं।

प्रखंड आपूर्ति विभाग ने किया कार्यशाला का आयोजन

- 21 से 27 मार्च तक ई केवाईसी के लिए चलेगा डोर टू डोर अभियान

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। खाद्य सार्वजनिक वितरण व उपभोक्ता मामला विभाग द्वारा प्रखंड में आपूर्ति विभाग की योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए शुक्रवार को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता बीडीओ चंदन प्रसाद व संचालन एमओ चंदन कुमार ने किया। इस दौरान बीडीओ चन्दन कुमार ने डीलरों को ससमय ई केवाईसी कार्य को डोर टू डोर जाकर पूर्ण करने को लेकर निर्देश दिया। इस दौरान सभी डीलरों के बीच बचे हुए लाभुकों का वॉइस ई-केवाईसी फॉर्मेट वितरित किए गए। जिनका ई-केवाईसी लंबित था, उन्हें जल्द प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया। बताया कि 21 से 27 मार्च तक डोर-टू-डोर अभियान चलाया जाना है, ताकि अधिक लाभार्थियों का ई केवाईसी कार्य किया जा सके। उन्होंने कहा कि अगर किसी राशन कार्ड धारक का मोबाइल नंबर वेरिफाइड नहीं है, तो इसकी जानकारी प्रशासन को देनी होगी। इसके अलावा मृत लाभुक,डबल नाम वाले लाभुक तथा शादीशुदा लाभुकों की सूची प्रतिदिन प्रखंड आपूर्ति कार्यालय में जमा करने को लेकर भी निर्देश दिया गया। ई-केवाईसी के दौरान आधार को राशन कार्ड से जोड़ा जाएगा, जिससे राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाना संभव होगा। मंईयां सम्मान योजना जैसी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए राशन कार्ड आवश्यक है। इस योजना के तहत 18 से 50 वर्ष की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलते हैं। सरकार ने लोगों से अपील की है कि 31 मार्च से पहले अपना ई-केवाईसी अवश्य कराएं, ताकि किसी को भी राशन और सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहना पड़े। मौके पर एजीएम पवन कुमार सिंह, ऑपरेटर संजय यादव, रामकृष्ण मिश्रा, श्री प्रसाद साहू, अजय चौधरी, शाहिद खान, रमेश प्रसाद, कलावती देवी, आशीष सिंह, रामपाल उराँव, बालदेव गंझू, सन्तोष प्रसाद, बीरेंद्र कुमार, राजकुमार पासवान, गणेश चौरसिया, विजय प्रसाद के अलावे प्रखंड के सभी डीलर मौजूद थे।

यात्री बस-टेंपो से टकरायी कोई हताहत नहीं

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड मुख्यालय के मुख्य चौक पर बुधवार को एक बड़ी हादसा होते-होते बच गया। यह घटना कोल वाहन परिचालन के कारण होते-होते बचा। बताया जाता है की मुख्य चौक पर सवारी से भरा एक टेंपो वाहन खड़ा था। वहीं हजारीबाग की ओर से एक यात्री बस आ रही थी। इसी बीच चतरा की ओर से तेजी गति से कोल वाहन वहां पहुंचा। वैसे में यात्री बस टेंपो में जाकर टकरा गई। जिससे टेंपो वाहन हल्क क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि किसी यात्री को कुछ नहीं हुआ। घटना होने से मुख्य चौक पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। करीब एक घंटा जाम रहने के बाद आवागमन सामान्य हो पाया। बताया जाता है कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में भारी वाहनों के साथ कोल वाहनों का परिचालन 20 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलना है। कोल वाहन का परिचालन घनी आबादी वाले क्षेत्र में भी 80 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलाया जा रहा है। वैसे में कभी भी बड़ा हादसा से इनकार नहीं किया जा सकता।

ठाकुरबाड़ी रामनवमी पूजा समिति का विस्तार

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड मुख्यालय के सार्वजनिक नवयुवक विकास संघ ठाकुरबाड़ी मुहल्ला झांकी समिति का विस्तार किया गया। अध्यक्षता अध्यक्ष कार्तिक राणा ने की। विस्तारित समिति में मुकेश कुमार को सचिव, मुकेश कुमार, संतोष दास को कोषाध्यक्ष, नीतीश, दीपक, अमीर, गेंदालाल को उपाध्यक्ष, प्रशांत कुमार को सह सचिव, कमलेश कुमार दांगी को झांकी निमार्ता, लक्ष्मण दांगी को मीडिया प्रभारी, संपूर्ण समिति का निदेशक जितेंद्र कुमार जीतू को बनाया गया। समिति विस्तार के साथ झांकी निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया।

ईसीआरईयू ने मनाया 17वां स्थापना दिवस

चंदवा। ईस्ट सेंट्रल रेलवे ईम्पलोई यूनियन का 17 वां स्थापना दिवस पीडब्लूआई ऑफिस टोरी में मनाया गया। मौके पर यूनियन के केन्द्रीय उपाध्यक्ष श्रवण कुमार ने कर्मचारियों को कहा कि कर्मचारियों के हक और अधिकार के लिए यूनियन हमेशा आपके साथ खड़ी है। उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली,चार श्रम कानून,ट्रैक मैन के 4200 ग्रेड पे,बढ़े हुए रिस्क एलाउंस भत्ता, आईओडब्लू विभाग के कर्मचारियों के विभागीय प्रमोशन, रिस्ट्रेचिंग एवं टीआरडी, सिगनल विभाग, टेलिकॉम विभाग, प्वाइंट्समैन, इलेक्ट्रिक विभाग को रिक्स भत्त लागू करने की मांग रखी। कार्यक्रम में डिविजनल पदाधिकारी महेन्द्र पासवान, टोरी ब्रांच सेक्रेटरी रवि रंजन कुमार,ज्वाइंट सेक्रेटरी प्रसून कुमार,टोरी ब्रांच के पदाधिकारी रौशन कुमार,मुन्ना कुमार,रामजी प्रसाद,अमर,उमेश विश्वकर्मा समेत सैकड़ों कर्मचारी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप में पीडब्लूआई टोरी के साथ राकेश व अमर के द्वारा केक काट कर यूनियन का 17वां स्थापना दिवस मनाया गया।

लंबित वाद मामलों में प्रति शपथ प्रत्र दायर करने का निर्देश

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में विधि शाखा से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक का आयोजन शुक्रवार को किया गया। बैठक में उच्च व उच्चतम न्यायालय से संबंधित वादों में प्रति शपथ पत्र दायर किये जाने की विभागवार समीक्षा की गई। लंबित मामलों के अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर उपायुक्त ने जितने भी मामले में कोर्ट में शपथ पत्र दाखिल किया जाना है, वैसे सभी लंबित मामलों में संबंधित पदाधिकारियों को ससमय प्रति शपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, लातेहार अजय कुमार रजक, सिविल सर्जन डॉ अवधेश कुमार सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा, विधि शाखा प्रभारी अनिल मिंज अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंचल अधिकारी जुड़े थे।

त्रिवेणी कर्नल एकेडमी में मनाया गया स्नातक दिवस

चंदवा। गैरेज लेन स्थित त्रिवेणी कर्नल एकेडमी में शुक्रवार को स्नातक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के यूकेजी के बच्चों को वन क्लास में प्रमोट किया गया। कार्यक्रम में छात्रों के शैक्षणिक मूल्यांकन का अवलोकन कर बच्चों के बीच वार्षिक रिपोर्ट कार्ड का भी वितरण किया गया। क्लास यूकेजी में संयुक्त रूप से कृति गुप्ता व अदीप कुमार को प्रथम, रितिक राज व अर्पित कुमार को दूसरा तथा शफा हयात व आभिराज कुमार ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर जीटीपीएस के प्रधानाचार्य हिमांशु सिंह ने बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बता दें कि त्रिवेणी कर्नल्स एकेडमी चंदवा के प्रतिष्ठित जीटीपीएस की ही एक शाखा है, जिसका संचालन कादंबरी सिंह द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता और व्यक्तित्व निर्माण पर जोर देते हुए विद्यालय व बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका व बच्चों के अभिभावक मौजूद थे।

गारू पूर्वी रेंजर के भरोसे चल रहा है कई रेंज

लातेहार। पलामू व्याघ्र परियोजना के दक्षिणी वन प्रमंडल में रेंजरों की भारी कमी के कारण वन संरक्षण और प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बेतला,गारू पश्चिमी, बारेसाढ़ और महुआड़ाड़ रेंज बिना रेंजर के संचालित हो रहे हैं, जिससे जंगलों की सुरक्षा पर संकट गहरा गया है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर सभी रेंजों में रेंजरों की नियुक्ति की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान में गारू पूर्वी रेंज में सिर्फ एक रेंजर, उमेश कुमार दुबे, तैनात हैं, जो अकेले ही कई क्षेत्रों की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वहीं, लातेहार के रेंजर नंद कुमार मेहता को बारेसाढ़, बालूमाथ, चंदवा और सामाजिक वानिकी सहित कई रेंजों का प्रभार दिया गया है। एक रेंजर पर कई रेंजों की जिम्मेदारी होने से वन संरक्षण कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने पत्र में उल्लेख किया है कि यदि जल्द ही सभी रेंजों में रेंजरों की नियुक्ति नहीं की गई, तो वनों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। अवैध कटाई और शिकार की घटनाएं बढ़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि सभी रेंज में रेंजर नियुक्ति की जाए ताकि जंगलों की रक्षा की जा सके।

कार्यालय जिला ग्रामीण विकास शाखा, लोहरदगा
(मनरेगा कोषांग)

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, रॉंची के पत्रांक (N)244 (अनु0) दिनांक 27.02.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिये मनरेगा के तहत बिरसा हरित ग्राम योजना अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण फलदार पौधों (आम, अमरूद, नींबू, बेर, कटहल, सहजन, चीकू, नाशपाती, लीची, संतरा) एवं पत्रांक (N)824(अनु0) दिनांक 22.07.2021 के आलोक में इमारती पौधों का कय किया जाना है। इस हेतु झारखण्ड राज्य में अवस्थित NHB रजिस्टर्ड नर्सरियों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

साथ ही विभागीय पत्रांक (N)273(अनु0) दिनांक 03.03.2025 के आलोक में उक्त योजना हेतु खाद् एवं अन्य सामग्रियों के क्रय के लिये योग्य एवं पंजीकृत ग्राम संगठन/कृषक उत्पादक कंपनी/कृषक उत्पादक समूह/कृषक को–ऑपरेटिव जिनके पास सामग्रियों के कारोबार करने का प्रमाण पत्र एवं GST No. उपलब्ध है, उनसे मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है।

इच्छुक निविदादाता से सीलबंद लिफाफे में निविदा दिनांक 08.04.2025 को 11.00 बजे अपराहन तक उप विकास आयुक्त–सह–अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, मनरेगा, लोहरदगा के कार्यालय में प्राप्त की जायेगी तथा दिनांक 08.04.2025 को 12.30 बजे अपराहन निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

नोट :– निविदा की विस्तृत शर्त्ते एवं अन्य जानकारी लोहरदगा जिले के वेबसाईट https://lohardaga.nic.in पर देखा जा सकता है।

उप विकास आयुक्त–सह–
अतिरिक्त जिला कार्यकम समन्वयक,
लोहरदगा।

PR 348962 (Lohardaga) 24-25 (D)

झारखण्ड बिजली वितरण निगमलिमिटेड
(CIN: U40108JH2013SGC001702)
पंजीकृत कार्यालय-इंजीनियरिंग बिल्डिंग, एच0ई0सी0, धुर्वा, रॉंची- 834004

प्रेस विज्ञप्ति

अपील

नया विद्युत संबंध लें, विद्युत चोरी नहीं करें।

माननीय सम्मानित विद्युत उपभोक्तागण को सूचित किया जाता है कि:–

घरेलु शहरी एवं घरेलु ग्रामीण श्रेणी के उपभोक्ता को 200 यूनिट तक प्रति माह बिजली बिल पर कोई बिजली बिल नहीं लिया जा रहा है, अतः बिजली चोरी अपराध से बचें एवं बिना परेशानी/दिक्कत के तत्काल विद्युत संबंध लें। इस हेतु सर्विस तार 30 मीटर तक एवं बिजली मीटर आपके क्षेत्र के संबंधित बिजली कार्यालय से आपके द्वारा वैद्ध पहचान पत्र, आधार कार्ड इत्यादि से पंजीकरण कराये जान पर विधिवत विद्युत संबंध दिया जायेगा।

झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड सभी शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए शिकायत हेतु **24x7** निम्नसेवाएँ उपलब्ध कराती है:–

1. टोल फ्री नम्बर–1912/18003456570
2. WhatsApp–9431135503
3. ऑनलाईन हेतु वेबसाईट: www.jbvnl.co.in

आग्रह है कि वैद्ध विद्युत संबंध लेकर सम्मानित विद्युत उपभोक्ता बनें एवं बिजली मीटर के साथ छेड–छाड़/ बाईपास किये बिना जो कि एक अपराधिक कृत्य है से बचे एवं राज्य हित में बिजली चोरी रोकथाम करन में मदद करें।

जिम्मेदार नागरिक बनें। स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें।
कृप्या अपने शिकायतों को हेल्प लाईन नं0–1912/ 18003456570, वॉटसअप नं0 9431135503 ऑनलाईन हेतु वेबसाईट: www.jbvnl.co.inसे संपर्क करें।

PR 348918 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd (24-25)_D

झा0बि0वि0नि0लि0

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, गढ़वा
E-mail - eercdgarhwa-jhr@nic.in

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा PRL Project and Infrastructure Limited, At- 34/1, Vikas Apartments, East Punjabi Bagh, New Delhi को प्रेस विज्ञप्ती (PR 327710 Road(24-25D) के माध्यम से सूचित गया था, कि पथ प्रमण्डल, गढ़वा अन्तर्गत भवनाथपुर–कांडी भाया कैलान पथ के कि0मी0 0.00 से 25.866 का पुनर्निर्माण कार्य, जिसका एकरारनामा सं0 23 SBD/17-18 एवं दिनांक 30.01.18 द्वारा आवंटित कार्य का अवशेष कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करने हेतु प्रमण्डलीय कार्यालय द्वारा बारंबार निर्देशित किया गया। परन्तु, आपके द्वारा आदेश का अवहेलना करते हुए वर्तमान अवधि तक कार्य को पूर्ण नहीं किया गया है। पुनः इस कार्यालय द्वारा अंतिम निर्देश के आलोक में आपके द्वारा दिनांक 31.03.2025 तक शत्–प्रतिशत् कार्य पूर्ण करने हेतु प्रतिशपथ–पत्र के साथ पुनरीक्षित कार्य योजना समर्पित किया गया है। अतः अंतिम रूप से आपको निर्देशित किया जाता है कि यदि दिनांक–31.03.2025 तक संपूर्ण कार्य पूर्ण नहीं किया जाता है तो दिनांक–03.04.2025 को विभागीय अभियंताओं द्वारा अंतिम मापी कराकर एकरारनामा विखंडित करते हुए आपके विरूद्ध एकरारनामा के सुसंगत कंडिकाओं के आलोक में तत्संबंधी समस्त कार्रवाई प्रारंभ कर, नियमानुसार जमानत की राशि जब्त कर लिया जायेगा, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेवार होंगे।

अतः प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से पुनः सूचित किया जाता है कि निर्धारित तिथि दिनांक– 03.04.2025 को आप स्वयं अथवा आपके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति कार्यस्थल पर उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। यदि उक्त तिथि को आप उपस्थित नहीं होते हैं, तो उस स्थिति में भी कनीय अभियंता/सहायक अभियंता द्वारा पथ का अंतिम मापी कर ली जायेगी, जिसपर आपका किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियंता,
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, गढ़वा

PR 348914 Road(24-25).D

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Medininagar Municipal Corporation

e-Procurment Short Tender Notice

Sl. No..	Tender id	Name of work	Estimate	Earnest Money	Tender Fee	Completion of Work
Part – A						
1	UDHD/MMC/42/ 2024-25	Laying of paver block from bombay Restaurant to near Gandhi Maidan via Birsa chowk and drain opposite bombay restaurant in ward no. 23 under Medininagar municipal corporation	24,94,860/-	49,900/-	5,000/-	4 माह
2	UDHD/MMC/43/ 2024-25	Stainless Steel Railing in Ambedkar Park In ward no. 24 Under Medininagar Municipal Corporation.	9,29,208/-	18,600/-	5,000/-	3 माह
3	UDHD/MMC/44/ 2024-25	Renovation of ward development centre at ward no- 23 under Medininagar Municipal Corporation	23,46,297/-	47,000/-	5,000/-	6 माह
Part – B						
1	Date Of Publication Of Tender		21/03/2025 At 03:00 PM			
2	Date Of Publication Of Tender On Website		21/03/2025 At 03:00 PM			
3	Mode Of Submission Of Bids		E-Tendering Http//:Jharkhandtenders.gov.in			
4	Date Start Of Submission Of Bids		21/03/2025 At 03:00 PM			
5	Last Date/Time Of Submission Of Bids		04/04/2025 AT 02:00 PM			
6	Date Of Bid Opening		05/04/2025 AT 02:00 PM			
7	Name & Address Of Office Inviting Tender		Municipal Commissioner, Medininagar Municipal Corporation			
8	Contact No. Of Procurement Officer		9430783582, 8409756635 & 9386849354			
9	Helpline Number Of E-Procurement Cell		9430783582, 8409756635 & 9386849354			

NOTE :- Only E-Tender will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in & Notice Board office of the Medininagar Municipal Corporation

ह0/–
सहायक नगर आयुक्त
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 348894 District (24-25)_D

भारी बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसल बर्बाद

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रहे तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि होने से किसानों का फसल हुआ। ओलावृष्टि के कारण सब्जी,दलहन तिलहन फसलों के साथ-साथ रबी फसल काफी बर्बाद हो गया। टमाटर, बैंग, फ्रेंचबीन, खीरा सहित विभिन्न सब्जियां बर्बाद हो गया। साथ ही तेज हवा चलने के कारण पेड़ गिरने से प्रखंड क्षेत्र में खपरैल मकान को भी भारी क्षति पहुंची है। ओलावृष्टि से आम में लगे मंजर व फल भी झड़ कर नष्ट गया। जिसे नष्ट फसलों को देख किसान रोना आ रहा हैं। ओलावृष्टि से सबसे ज्यादा तबाही प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत के गांवों में किसानों को काफी नुकसान हुआ है। वही भयंकर ओलावृष्टि होने के कारण सड़क और खेत खलिहानों में उजले चादर सी परत जम गया था। साथ ही बारिश के कारण सभी जगहों में जलजमाव की स्थिति भी उत्पन्न हो गई। जगह जगह नाली में जलजमाव के कारण घरों के अंदर पानी प्रवेश कर गई। आंधी तूफान और ओलावृष्टि से अरहर, चना, सरसों, तीसी, टमाटर, बैंगन, खीरा, लहसुन, प्याज, तरबूज और आम, गेहूं का फसल को भी अधिक नुकसान हुआ है। पत्थर की मार से आम का मंजर झड़ कर नष्ट हो गया। साथ हीं अरहर, चना, सरसों का फूल व फल ओलावृष्टि से झड़ कर बर्बाद हो गया।वही किसानों का कहना है। कि प्रत्येक वर्ष किसानों की फसलों को ओलावृष्टि से नुकसान हो रही है। वही जिला कृषि पदाधिकारी सालेन खलखो और अंचलाधिकारी मोदस्सर नजर मंसूरी अंचल क्षेत्र का भ्रमण कर फसलों का जायजा लिया और किसानों को बताते हुए कहा कि उचित मुआवजा प्राप्ति के लिये किसान आवेदन के साथ जमीन का रशीद, नुकसान फसल का फोटो,आधार कार्ड, जमीन मालिक का वंशावली, बैंक पास बुक का जेरोक्स अंचल कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया। वही किसानों का कहना है। अंधी तूफान, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। सरकार या प्रशासन की ओर से मुवावजा नही मिलने पर क्षेत्र के किसान बर्बाद हो जायेंगे। प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार सुबह में तेज हवा के साथ बारिश और ओलावृष्टि होने से दलहन, तिलहन, सब्जी और आम का खेती को काफी नुकसान हुआ है। जिसे किसान लाचार और बेबस हो गये हैं।

लोहरदगा में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की बैठक, उपायुक्त ने दिए आवश्यक निर्देश

लोहरदगा। लोहरदगा में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने की। इस बैठक में वज्रपात और सड़क दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों और पशुओं के मामलों पर चर्चा की गई और प्रभावित परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, जिले में भारी बारिश और ओला वृष्टि के कारण फसलों को हुए नुकसान पर भी चर्चा हुई और किसानों को मुआवजा प्रदान करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए। वज्रपात से मृत चार व्यक्तियों, एक पशु, सड़क दुर्घटना में मृत नौ मामलों पर समिति के सदस्यों के संग चर्चा की गई और मामलों में त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को दिया गया। बैठक में वन प्रमण्डल पदाधिकारी अभिषेक कुमार, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केर-केट्टा, सिविल सर्जन डॉ शंभूनाथ चौधरी, आपदा प्रबंधन पदाधिकारी प्रमोद दास, नगर पर्षद कार्यपालक पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी शिवनंदन बड़ाईक समेत अन्य उपस्थित थे।

ओलावृष्टि और वज्रपात से प्रभावित किसानों को मिलेगा मुआवजाः सीओ

कुड़ू। कुड़ू सीओ मधुश्री मिश्रा ने विज्ञप्ति जारी कर प्रखंड में 20 से लेकर 21 मॉर्च तक जमकर हुई बारिश और ओलावृष्टि से व्यापक पैमाने पर बर्बाद हुई फसलें, मकानों को पहुंचे नुकसान और वज्रपात से हुई जान माल की क्षति के मुआवजे की प्राप्ति हेतु अंचल अधिकारी के नाम आवेदन के साथ लगान रशीद, आधार कार्ड, बैंक पासबुक का फोटो के साथ खेतो में खड़े होजर तीन दिशाओं से ली गयी फोटो, मकान क्षतिग्रस्त हुआ है तो उसकी फोटो को मुखिया से अनुशंसा करा कर अंचल कार्यलय में जल्द से जल्द जमा करने की अपील की है।

लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के पत्रकारों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलना गौरव की बात : सुखदेव भगत

लोहरदगा। लोहरदगा संसदीय क्षेत्र गुमला के पत्रकार अमरनाथ कश्यप एवं कामडरा प्रखंड के पत्रकार शहाब अली को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रामनाथ गोयनका पुरस्कार प्रदान किया। इन दोनों पत्रकारों ने झारखंड के गुमला जिले के कामडरा प्रखंड के नावाडीह गांव की एथलीट आशा किरण बारला की चुनौतियों पर स्टोरी की थी। यह अवार्ड इन्हें खेल पत्रकारिता के श्रेणी में मिला है।नई दिल्ली में लोहरदगा लोकसभा के माननीय सांसद श्री सुखदेव भगत ने दोनों पत्रकारों से मिलकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। सांसद सुखदेव भगत ने दोनों पत्रकारों को राष्ट्रीय अवार्ड मिलने पर प्रसन्नता जताई और कहा कि यह झारखंड के लिए काफी गौरव की बात है उन्होंने यह भी कहा कि लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के दो कर्तव्यनिष्ठ पत्रकारों का दिल्ली में सम्मानित किया जाना राज्य के अन्य पत्रकारों को बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। सांसद श्री भगत वेस्टर्न एवेन्यू में उनसे मुलाकात किया और यह भी कहा कि एक साधारण शहर के असाधारण पत्रकार को देश के सर्वोच्च मंच पर सम्मानित होते देखना न केवल हृदय को गर्व से भर देने वाला था। बल्कि वह क्षण उन सभी के लिए प्रेरणा और उम्मीद का प्रतीक बन गया जो पत्रकारिता को समाज का दर्पण बनाने में जुटें हैं, यह क्षण एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में याद किया जाने वाला क्षण रहा।

न्यूज बॉक्स

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन भविष्य के वैज्ञानिकों को मिला प्रोत्साहन

लोहरदगा। जे.सी.ई.आर.टी. रांची की वार्षिक कार्ययोजना के अनुरूप डायट चीरी में जिले के 44 माध्यमिक विद्यालयों के वर्ग 9 के छात्रों के लिए विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य अभिषेक बड़ाईक और अन्य विशेषज्ञों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्राचार्य अभिषेक बड़ाईक ने अपने उद्बोधन में छात्रों को प्रेरित किया और कहा कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने छात्रों को इस प्रकार के कार्यक्रम में नियमित रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। इस प्रदर्शनी में सामाजिक विज्ञान के 44 और विज्ञान के 27 प्रदर्शों का अवलोकन किया गया और सफल छात्रों को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार के साथ प्रमाण पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रथम दस आने वाले विद्यार्थियों और नोडल शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। प्रतिकूल मौसम के बावजूद प्रतिभागी छात्रों का उत्साह चरम पर था और उन्होंने विभिन्न विषयों पर उत्कृष्ट प्रदर्श प्रस्तुत किए। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य छात्रों को विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना था। इस प्रदर्शनी के माध्यम से छात्रों को अपने विचारों और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिला, जिससे उन्हें अपने भविष्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

नेत्र चिकित्सक ने स्कूली बच्चों के आंखों की जांच की

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नेत्र चिकित्सक द्वारा आंख जांच किया गया। नेत्र चिकित्सक डॉ। शशि कुमार द्वारा राजकीय मध्य विद्यालय उपर तुरीयडीह में अध्ययनरत 29 छात्र छात्राओं का आंख जांच किया गया। आंख जांच के दौरान आंख से पानी गिरना,आंख में खुजली होना,कम दिखाई देना,आंख में जलन,दूर की वस्तु धुंधलापन दिखाई देना सहित आंख से सम्बंधित विभिन्न तरह के बीमारियों का जांच कर इलाज किया गया। जांच के उपरांत सुबह शाम आंख को साफ पानी से धोकर गुलाब जल डालने के लिये बताया गया। साथ ही ताजा फल,हरा साग,अंडा और दूध का सेवन करने और विटामिनयुक्त भोजन करने का निर्देश दिया गया। डॉक्टर के द्वारा आंखों की रोशनी का बचाव के लिये परामर्श देते हुए आंख में जलन,आंख से पानी आना जैसे बीमारियों के लिये निःशुल्क दवा दिया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं के बीच दौड़ प्रतियोगिता आयोजित करा कर सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया गया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पवित्र रमजान माह में तीसरे जुम्मे की नमाज अदा की गई

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के सभी मस्जिदों में पवित्र रमजान माह का तीसरे जुम्मे की नमाज अदा की गई। वही मौलाना और मौलवियों ने रमजान के बारे में बताते हुए कहा रमजान के महीना नसीब वालों को मिलती है। जिसे सभी लोगों को दिल से अल्लाह को याद कर रोजा रखना चाहिए जिसे बरकत होता है। रमजान में हर मुसलमानों को आपस में मिलजुल कर घर परिवार तथा आस पड़ोस में खुशियां बांटना चाहिए और रमजान में असहाय और गरीबों का अधिक से अधिक मदत करना चाहिये तथा रमजान में जुम्मे की नमाज अदा कर घर परिवार तथा क्षेत्र में अमन चैन के लिए अल्लाह से दुआ करना चाहिए जिसे सभी लोग शांति और सुकून से जी सकें वही जगह जगह पर मस्जिदों में कुराने पाक की तिलावत कर नमाजे तरावीह अदा की जा रही है। बहुत से जगहों पर कुरान पाक मुकम्मल पढ़ लिया गया है। साथ रमजान माह में मुस्लिमो के लिये अल्लाह द्वारा फरमाया गया। विभिन्न बातों को बताया गया। वही प्रखंड क्षेत्र के सेरेंगहातु, उगरा, चितरी डांडू, सेन्हा, अरु, कल्हेपाट, भड़गां, झखरा, अरु बांधटोली, तोड़ार, भंगाडी सहित सभी जगहों के मस्जिदों में मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा एक साथ अमन चैन से शांति पूर्वक रमजान माह के तीसरे जुम्मे की नमाज अदा की गई।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ जिला समिति लोहरदगा की बैठक

लोहरदगा। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ जिला समिति लोहरदगा द्वारा आयोजित बैठक में जिले के विभिन्न शिक्षक समस्याओं पर वार्ता की गई। इस बैठक में जिला शिक्षा अधीक्षक और अजप्टा के संघीय प्रतिनिधिमण्डल ने भाग लिया। बैठक में कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। ग्रेड 03, 04 व 07 में प्रोन्नति और सेवानिवृत्त लाभ शामिल थे। बताया गया कि जिले में ग्रेड 3 की प्रोन्नति एक लम्बे समय से बाधित है। वही लगभग 30-35 वर्षों से जिले में बाधित इस ग्रेड की प्रोन्नति का रास्ता पिछले वर्ष ही साफ हो चुका है। बार-बार के विभागीय उच्चाधिकारियों के द्वारा निर्देशित करने के उपरांत भी इस जिले में सेवानिवृत्ति की तिथि को ससम्मान उनके पावना का लाभ नहीं दिया जा पा रहा है। वही मध्याह्न भोजन में राशि एवं चावल का आवंटन मामले में जिले के अनेक विद्यालयों में राशि समाप्ति या ऋणात्मक स्थिति में रहने पर भी प्रत्यक्ष रुप से माता समिति परन्तु परोक्ष रुप से शिक्षकों पर मध्याह्न भोजन हरहाल में जारी रखने का दवाब रहता है। इन सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और जिला शिक्षा अधीक्षक ने सभी बिन्दुओं पर सुधार हेतु आश्वस्त किए। मौके पर अजप्टा जिलाध्यक्ष मणी उरांव, महासचिव शंभु कुमार शर्मा, कार्यालय सचिव विजय कुमार दास सहित प्रमंडलीय अध्यक्ष अजय कुमार सिंह भी शामिल थे।

लोहरदगा पुलिस को मिली बड़ी सफलता

डकैती की घटना का खुलासा पांच अपराधी हुए गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गत 19 मार्च को हुई डकैती की घटना का खुलासा करते हुए 5 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस गिरफ्त में आये अपराधियों में प्रीतम कुजूर, पंकज उराँव, विष्णुकान्त उराँव, विवेक बखला और सिद्धार्थ चीक बडाईक उर्फ बादल शामिल हैं। सभी अपराधी गुमला जिला के निवासी हैं और उनका अपराधिक इतिहास है। इस संदर्भ में डीएसपी समीर कुमार तिर्की ने पत्रकारों को बताया कि 19 मार्च को सेन्हा थाना क्षेत्र के कंडरा कोराम्बे पथ में घटना हुई थी। अपराधियों ने जगत उराँव और उनकी पत्नी से दो मोबाईल फोन, एवं पर्स छीन लिया, जिसमें ए०टी०एम० कार्ड, पेन कार्ड, आधार कार्ड, चाँदी का एक जोडा पायल, चांदी का एक चैन तथा 200 रूपया रखा हुआ था। इस घटना के संबंध में सेन्हा थाना काण्ड संख्या-35/25 दि0-20.03.25 धारा- 310 (2) बीएनएस अंकित किया गया है। काण्ड के अनुसंधान के क्रम में तकनिकी सहयोग एवं पुलिस अधीक्षक लोहरदगा को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर तथा उनके निर्देशानुसार 20/21.03.2025 की रात्रि लगभग 01:00 बजे बुटी झखरा रोड में तीन मोटरसाईकिल में सवार कुल पाँच लोगों को संदिग्ध अवस्था में मोटरसाईकिल से कण्डरा चौक की ओर आते हुए पकडा गया। उनकी तलाशी में एक अवैध देशी कट्टा, कांड में प्रयुक्त तीन बाइक तथा उपरोक्त काण्ड में लूटा गया सभी सामान बरामद हुआ। सभी ने उपरोक्त काण्ड में अपनी संलिप्ता स्वीकार किया। अवैध देशी कट्टा रखने के आरोप में इन पांचो के विरूद्ध अलग से सेन्हा थाना में एक काण्ड अंकित किया गया है जिसकी प्राथमिकी सेन्हा थाना काण्ड सं0-36/25 दि0-21.03.2025 धारा-317(3)/3(5)बीएनएस व 25(1-बी)ए/26/35 आर्म्स एक्ट है। पुलिस अधीक्षक लोहरदगा ने इस सफलता के लिए पुलिस टीम को बधाई दी है और कहा है कि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जेएनवी जालना के विद्यार्थियों ने डीसी से की मुलाकात, कॅरियर के अवसरों पर की चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा में महाराष्ट्र राज्य के जालना जिला के परतूर शहर में अवस्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण से मुलाकात की और जिला प्रशासन के कार्यों और सिविल सेवा की तैयारी के बारे में जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने छात्रों को अपने कॅरियर का चयन करने और अनुशासित होने के महत्व को बताया। उन्होंने सिविल सेवा की तैयारी में दसवीं, 12वीं और स्नातक की शिक्षा की महत्ता को भी बताया। उपायुक्त ने छात्रों को यह भी बताया कि स्कूली जीवन के बाद सिविल सर्विस की चाह रखने वाले विद्यार्थियों को अपने विषयों का चयन करना चाहिए और स्नातक में अच्छे कॉलेज में नामांकन लेने से बेहतर परिवेश मिलता है। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियों के बारे में भी जानकारी दी। इस मौके पर जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राधानाचार्य एसी झा, दो शिक्षिकाएं और 23 छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। छात्र-छात्राओं ने उपायुक्त को स्मृतियां भेंट की और अपने लोहरदगा प्रवास के अनुभव साझा किए। सभी छात्र-छात्राओं को कल्चरल एक्सचेंज एवं नेशनल इंटिग्रिटी प्रोग्राम के तहत एक वर्ष के लिए कक्षा नौवीं की पढ़ाई के लिए हिंदी भाषी क्षेत्र के विद्यालय अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय जोगना में भेजा गया था जो इसी माह पूरा हो जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि अपने कॅरियर का चयन करना और विद्यार्थी जीवन में उसके लिए अनुशासित होना बहुत महत्वपूर्ण है। सुबह समय से उठना, व्यायाम करना, संतुलित आहार लेना आवश्यक है। स्कूली जीवन के बाद सिविल सर्विस की चाह रखने वाले विद्यार्थियों को उसी के अनुसार अपने विषयों का चयन करना चाहिए। स्नातक में अच्छे कॉलेज में नामांकन लेने से बेहतर परिवेश मिलता है जिससे यूपीएससी परीक्षाओं में बहुत मदद मिलती है। उपायुक्त चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियों के बारे छात्र-छात्राओं को जानकारी दी। उपायुक्त ने मराठी भाषा में छात्र-छात्राओं को कॅरियर टिप्स दिये। छात्र-छात्राओं की ओर से उपायुक्त को स्मृतियां भेंट की गईं। साथ ही, अपने लोहरदगा प्रवास के अनुभव भी साझा किए।

आसमानी बिजली की चपेट में आकर एक की मौत, दो घायल

कुड़ू। कुडू के जामड़ी तालाब के पास गुरुवार की रात बारिश के साथ हुए वज्रपात में एक कि मौत हो गयी जबकि दो लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान जामड़ी गांव निवासी तुलु उरांव के रूप में हुई है। तुलु उरांव 58 वर्ष अपना होटल बंद कर साइकिल से रात्रि करीब 7: 30 बजे वापस घर जा रहा था तभी वज्रपात की चपेट में आ गया। बुरी तरह झुलस चुके तुलू उरांव को कुडू सिएचसी लाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वही वज्रपात की इस घटना में टाकू गांव निवासी 14 वर्षीय अर्जुन उरांव एक बाइक सवार व्यक्ति भी जख्मी हो गया।

पुलिस ने एफसीआई मार्का बोरा में लोड एक ट्रक चावल पकड़ा, जांच जारी, कालाबाजारी का संदेह

कुड़ू। कुडू पुलिस ने शुक्रवार को एनएच 75 कुडू-चंदवा रोड पर एक 709 मालवाहक ट्रक को पकड़ा, जिसमें एफसीआई मार्का बोरे में चावल भरा हुआ था। पुलिस को आशंका है कि यह चावल कालाबाजारी के लिए ले जाया जा रहा था, क्योंकि चावल भारतीय खाद्य निगम लिमिटेड के बोरे में भरा हुआ था। पुलिस ने ट्रक को पकड़ने के बाद जिला खाद्य आपूर्ति विभाग को सूचित किया, जिसके बाद विभाग के कर्मी थाने पहुंचे और वाहन से बरामद कागजात की जांच की। हालांकि, मामला अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक 709 मालवाहक ट्रक में एफसीआई का चावल कुडू के रास्ते रांची की तरफ जा रहा है। पुलिस ने वाहन जांच अभियान शुरू किया और रजगुरूवा के नजदीक ट्रक को रुकवाकर चालक से कागजात की मांग की। चालक टायलेट के बहाने पुलिस को चकमा देकर भाग गया, जिससे यह संदेह और पुख्ता हो गया है कि चावल कालाबाजारी के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस और आपूर्ति विभाग की जांच जारी है, और अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि चावल गरीबों के बीच वितरण के लिए खाद्य आपूर्ति विभाग से मिला था या नहीं। कुडू थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि चावल लदा ट्रक पकड़ा गया है और ट्रक कुडू थाना के सरंक्षण में है।

लोहरदगा में कम्युनिटी पार्टिसिपेशन का भव्य आयोजन

विद्यालय विकास में अभिभावकों की भागीदारी को भी बढ़ावा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा के पीएम श्री राजकीय कृत मध्य विद्यालय नवाड़ी पाड़ा में कम्युनिटी पार्टिसिपेशन का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यालय विकास में अभिभावकों की भागीदारी को बढ़ावा देना था। विद्यालय के प्राचार्य अरुण राम ने बताया कि अभिभावकों की भागीदारी से विद्यालय उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर है। जन भागीदारी से बच्चों की उपस्थिति में सुधार हुआ है और नैतिक शिक्षा का विकास हो रहा है।

विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अंजूषा उरांव ने बताया कि विद्यालय में लगातार परिवर्तन आ रहा है और पठन पाठन में सुधार आया है। बच्चे अब घर से विद्यालय की ओर आने के लिए लालायित रहते हैं। इस अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा के तहत शिक्षकों एवं बच्चों को डस्टबिन भेंट किया गया। विद्यालय के शिक्षक राहुल कुमार ने बताया कि बच्चों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सुधार हुआ है और परिसर की सफाई शिक्षक छात्र ग्रुप बनाकर की जाती है।

झारखण्ड सरकार
कार्यालयः जिला मत्स्य पदाधिकारी, लोहरदगा।
(समाहरणालय परिसर लोहरदगा, ई-मेल- dfojhar2021loh@gmail.com

आवश्यक सूचना

कार्यालय ज्ञापांक 183 दिनांक 06.03.2025 द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अंतर्गत **जाल/हापा** की आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रण की सूचना PR No. 348022 Lohardaga (24-25)#D द्वारा प्रकाशित की गई थी जिसमें निविदा की निर्धारित तिथि 22.03.2025 को अपरिहार्य कारणवश अगले आदेश तक के लिए स्थगित की जाती है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
लोहरदगा।

PR 348954 (Lohardaga) 24-25 (D)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT (RCD), RANCHI
Nirupan Bhawan, 3rdFloor, Room No. 401, 56-Set
Doranda, Ranchi-834002

e-Procurement (Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-20/2024-25 (1st Call)
e-Tender Ref No:-.RCD/PID/RANCHI/20/2024-25 Date:-21.03.2025

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Feasibility Study Report to ease the Traffic System of Redma Chowk,Daltonganj situated at junction of Daltonganj-Lesliganj-Panki (SH 10) and NH-75 in Palamu District in State of Jharkhand. *Only Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022 are allowed to bid.
2	Tentative Length	To be determined by consultant
3	Period of Completion of Work	30 Days
4	Cost of Tender documents& Earnest Money Deposit	Cost of tender documents is Rs. 5000/(Non-Refundable) EMD:- The quotationers have to deposit a fixed amount of Rs 20000.00 (Twenty thousand only) as Earnest Money. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(https://jharkhandtenders.gov.in/)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	24.03.2025,10:30 AM
7	Online Last Date/Time of Bid Submission	08.04.2025, 17:00 PM
8	Date and Time of Bid opening	09.04.2025, 17:30 PM
9	Bid validity	120 days
10	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Planning and Investigation Division, RCD, Ranchi, Mob No.-9471650883

Note:- Only e-Tender shall be accepted. Further details can be seen on e-procurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in/).

Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi

PR 348943 Road (24-25)_D

कार्यालय, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, लोहरदगा

अति अल्पकालीन निविदा

लोहरदगा जिलान्तर्गत जाहेरस्थान, सरना स्थल आदि के लिए पूजन सामग्रियों की आपूर्ति हेतु दिनांक – 28.03.2025 के पूर्वाह्न 11:00 बजे तक कार्यालय, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, लोहरदगा में मुहरबंद निविदा आमंत्रित किये जाते है। निविदा उसी दिन अपराहन 3:30 बजे अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में जिला क्रय समिति के समक्ष खोली जायगी, जिसमें निविदादाता या उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते हैं।

सामग्रियों की सूची तथा निविदा की शर्ते लोहरदगा जिला के अधिकारिक वेबसाईट www.lohardaga.nic.in कार्यालय, समेकित जनजाति विकास अभिकरण, लोहरदगा के सूचना पट्टा पर देखा जा सकता है।

परियोजना निदेशक,
आई0टी0डी0ए0, लोहरदगा

PR 348893 (Lohardaga)24-25*D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, चतरा।
(जिला आपूर्त्ति शाखा)
(e-Mail id:-dso.chatra@jharkhandmail.gov.in)

-:आम सूचना:-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक-29.01.2025 को आहुत विभागीय Video Conferencing में निदेश प्राप्त है कि सभी राशन कार्डधारियों का आधार नम्बर को संबंधित डीलर के e-Pos मशीन के माध्यम से शत-प्रतिशत् UID Seeding किया जाना है। आधार सीडिंग की अंतिम तिथि 31 मार्च 2025 तक निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के पश्चात् जिन कार्डधारियों का e-KYC और UID Seeding नहीं किया जाएगा, वैसे कार्ड धारियों का आवंटन भविष्य में बंद हो जाएगी। सभी PHH/AAY एवं ग्रीन कार्डधारी, अपना एवं अपने परिवार के सभी सदस्य का नजदीकी डीलर के पास जा कर e-KYC और UID Seeding दिनांक-31.03.2025 तक अनिवार्य रूप से करायेगें।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी,
चतरा।

PR 348890 (Food Public Distribution and Consumer Affairs) 24-25 (D)

गुमला में दो दिनों की अचानक बारिश व ओलावृष्टि से जनजीवन अस्त-व्यस्त

▶ *कृषि फसलों और बागवानी पर कहर, कई घरों व पेड़ों को नुकसान, प्रभावितों ने मुआवजे की मांग की*

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले में बीते दो दिनों से अचानक बदले मौसम ने कहर बरपाया है। तेज बारिश और ओलावृष्टि ने जहां आम जनजीवन को प्रभावित किया, वहीं किसानों की फसल पर भारी तबाही मचाई है। इस अप्रत्याशित मौसम ने खरीफ फसलों के साथ-साथ बागवानी फसलों जैसे आम, लीची को भी गंभीर क्षति पहुंचाई है। जिले के कई गांवों में किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया है।किसानों की मानें तो तैयार खड़ी धान की फसल, मक्का, अरहर समेत कई प्रमुख फसलें ओलावृष्टि और तेज हवाओं के चलते जमीन पर बिछ गई हैं। वहीं बागवानी में आम और लीची के बागानों को भी भारी नुकसान हुआ है। कई बागानों में फलों से लदे पेड़ धराशायी हो गए, जिससे किसानों को लाखों रुपये की क्षति होने का अनुमान है।

इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है। तेज हवाओं के कारण कई कच्चे मकान ढह गए तो कहीं पेड़ उखड़कर घरों और रास्तों पर गिर पड़े। कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित रही। प्रभावित क्षेत्रों में लोग दहशत में हैं और शासन-प्रशासन से त्वरित राहत और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। गांव रजनटोली, कुरुमगढ़, चैनपुर, बिशुनपुर और घाघरा प्रखंड के किसानों ने बताया कि उनकी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं। किसान बबलू उरांव ने बताया, धान की फसल कटाई के लिए तैयार थी। अचानक ओलावृष्टि से पूरा खेत बर्बाद हो गया। अब परिवार का भरण-पोषण कैसे होगा, समझ में नहीं आ रहा। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई बिना सरकारी सहायता के संभव नहीं है। पीड़ित परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

जिला आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नुकसान का आकलन करने के लिए टीम गठित कर दी गई है। शीघ्र ही सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाई जाएगी। किसानों ने राज्य सरकार से मांग की है कि विशेष राहत पैकेज की घोषणा की जाए, ताकि उन्हें इस संकट की घड़ी में सहारा मिल सके। किसानों ने ऋण माफी की भी मांग उठाई है, क्योंकि मौसम की मार से कर्ज चुकाना अब नामुमकिन हो गया है।

सदर अस्पताल में दलालों की सक्रियता पर उपायुक्त सख्त

प्रबंधन से स्पष्टीकरण तलब, वेतन अवरुद्ध

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सिलाफारी गांव की एक गर्भवती महिला से जुड़े मामले ने गुमला सदर अस्पताल में दलालों की सक्रियता को उजागर कर दिया है। मामले में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने गंभीर संज्ञान लेते हुए अस्पताल प्रबंधन पर नाराजगी जताई है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से 48 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही आदेश जारी करते हुए कहा है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल अस्पताल प्रबंधक का वेतन अगले आदेश तक रोकने का निर्देश जारी कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, सिलाफारी की एक गर्भवती महिला को गुमला सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने रिम्स, रांची रेफर किया था। लेकिन बीच में कुछ बिचौलियों ने महिला को निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। इस पूरे प्रकरण में दलालों की भूमिका के साथ-साथ सदर अस्पताल के चिकित्सकों व कर्मचारियों की मिलीभगत से भी इनकार नहीं किया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि यह मामला गरीब मरीजों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ है। सदर अस्पताल में दलालों की सक्रियता और चिकित्सकों-कर्मचारियों की निगरानी में ढिलाई, प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ती है। उपायुक्त ने निर्देश दिए हैं कि मरीजों को सस्ता, सुलभ और सुरक्षित इलाज उपलब्ध कराने की दिशा में त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

क्या है आदेश में

- 48 घंटे में स्पष्टीकरण मांगा गया।
- असंतोषजनक जवाब मिलने पर होगी कड़ी कार्रवाई।

आंधी तूफान ने मचाई तबाही कोटामाटी में उड़े आधा दर्जन घर के एस्बेस्टर

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा। गुरुवार को आए तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के वजह से घाघरा प्रखंड के कोटामाटी गांव में लगभग आधा दर्जन से अधिक घर आंधी और बारिश में आने से क्षतिग्रस्त हो गया जिससे पीड़ितों का लाखों का नुकसान हुआ। गुरुवार को करीब 4:00 बजे जोरदार आंधी के साथ मूसलाधार बारिश हुई जिसमें कोटामाटी गांव निवासी सलमी देवी का एस्बेस्टर उड़कर टूट गया जिससे उनको लगभग बीस हजार रुपए का नुकसान हुआ वही चतु उरांव का घर का एस्बेस्टर घर उड़कर दूसरे दीवार पर जा गिरा जिससे उस घर का भी एस्बेस्टर भी टूट गया और बड़े बोरी में रखा हुआ तीन बोरा धान भीग गया जिससे उनको करीब एक लाख दस हजार रुपए का नुकसान हुआ है। वही कोटामाटी के ही दशरथ लोहरा का एस्बेस्टर उड़ गया जिससे उसको पैंतीस हजार रुपए का लगभग नुकसान हुआ है।

पीड़ितों का छलका दर्द प्रखंड प्रशासन से तत्काल सहयोग की आस

आंधी से घर का एस्बेस्टर उड़ जाने से पीड़ितों का दर्द छलक पड़ा और पीड़ितों के आंखों में आंसू और सहयोग की आश एकदम झलक रहा था। पीड़ित चैतु उरांव ने बताया कि उसके पास मेहनत से उगाया हुआ जितना भी अनाज था वह खराब हो गया है और सर से छत भी चला गया है अब ना रहने के लिए जगह बचा ना ही खाने के लिए अनाज , सुबह में पड़ोसियों ने भोजन पानी का व्यवस्था किया। वहीं अब उनको प्रशासन से ही सहयोग की आस है नहीं तो अब भूखे गुजारा करना पड़ेगा।

बे मौसम बारिश और ओलावृष्टि से कई ग्रामीणों के घरों के छतों को हुआ नुकसान

नवीन मेल संवाददाता

सिसई (गुमला)। सिसई प्रखंड के विभिन्न गांवों में गुरुवार देर शाम और शुक्रवार की सुबह तेज आंधी तुफान, बारिश के साथ हुई भारी ओलावृष्टि के कारण सैकड़ों किसानों की फसल पुरी तरह से बर्बाद हो गई साथ ही क्षेत्र के दर्जनों ग्रामीणों के मकान व एस्बेस्टस को नुकसान हुआ है। लोहरदगा जिले से सटे प्रखंड के उत्तरी क्षेत्र के बोण्डो, सुरसा, मादा, पुसो, गढ़वाली, भुरसो, छारदा सहित दर्जनों गांव-टोलों में शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे आई ओलावृष्टि व बारिश से खेत में लगी तैयार फसलें गेंहू, टमाटर, प्याज, गोभी, भिंडी, करेला, कद्दू, बोदी, बीन सहित हरी साग सब्जियों की खेती को भारी नुकसान हुआ है।

जिससे किसानों में भारी हताशा हुआ है।और किसानों को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। बोण्डो-मादा के किसान रविराम उरांव ने बताया कि डेढ़ एकड़ से अधिक जमीन पर गेहूं और दो एकड़ में तरबुज का फसल लगाया था, जो सभी तैयार हो चुके थे, लेकिन बे मौसम हुए बारिश और ओलावृष्टि से पूरा फसल बर्बाद हो गया। खेती में निवेश किये सारी जमा पूंजी खत्म होने से जीविका पर भारी संकट गहरा गया है। वहीं कुशल टोप्पो, एतवा उरांव, बुद्धेश्वर उरांव, सुकरा उरांव, चरकु उरांव, शंकर उरांव, छोटेलाल उरांव,बालक टाना भगत, परदेश बेलास तिर्की, सुनिल उरांव तेम्बा उरांव सहित कई किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। सभी किसानों ने प्रशासन से क्षति पुर्ती और मुआवजा की मांग की है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक हुआ गंभीर रूप से घायल

घाघरा। घाघरा प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड कार्यालय के समीप अज्ञात मालवाहक पिकअप के चपेट में आने से स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्कूटी सवार जगदीश गोप को आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाघरा लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। जगदीश मूल रूप से चैनपुर के जैरागी का रहने वाला था और लंबे समय से घाघरा में किराए के मकान में रहकर जेसीवी चलाने का काम करता था। घटना उस समय घटी जब जगदीश चाँदनी चौक से स्कूटी से अपने घर जा रहा था, उसी समय विपरीत दिशा से आ रही मालवाहक पिकअप ने उसे चपेट में ले लिया और पिकअप चालक वाहन सहित भाग निकला। हालांकि उसका पीछा पुलिस ने किया लेकिन काफी तेज गति से पिकअप चालकभागने में सफल रहा और गुमला की ओर निकल गया।

तेलंगाना टनल हादसे में फंसे श्रमिकों के परिजनों से मिला जिला प्रशासन

हरसंभव मदद का दिया भरोसा

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। तेलंगाना टनल हादसे में फंसे गुमला जिले के श्रमिकों के परिजनों से जिला प्रशासन ने मुलाकात कर उनकी समस्याओं और वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देश पर जिला श्रम अधीक्षक पुनीत कुमार मिंज ने संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ प्रभावित परिवारों के गांवों का दौरा किया और परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। लगभग एक माह तक तेलंगाना में रुके रहने के बाद परिजन सूचना के अभाव में गुमला लौट आए हैं। परिजनों ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन अब भी जारी है और जैसे ही कोई सूचना मिलेगी, कंपनी के प्रतिनिधि उन्हें जानकारी देंगे। जिला श्रम अधीक्षक ने रायडीह प्रखंड के कोभी टोली, घाघरा के खम्भिया कुम्भा टोली, गुमला प्रखंड के तिर्रा और पालकोट प्रखंड के नकटी टोली गांवों का दौरा किया। अधिकारियों ने प्रभावित परिवारों को राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और जल्द लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया।

केंद्रीय महावीर मंदिर घाटों बगीचा गुमला में नई कमेटी का गठन

गुमला। केंद्रीय महावीर मंदिर घाटों बगीचा गुमला में वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। बैठक में पिछले वर्ष का आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। इसके साथ ही मंदिर समिति के पुनर्गठन का निर्णय लिया गया और सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन हुआ। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी पूजा को धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। श्रद्धालुओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने और पूजा आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर जोर दिया गया। आचार्य - घनश्याम दास, अध्यक्ष - प्रतीक केशरी, उपाध्यक्ष - रामप्रसाद जयसवाल, सचिव - अरविंद सोनी, सह सचिव - राजू केशरी, संतोष केशरी, कोषाध्यक्ष - अवधेश गुप्ता, पूजा प्रभारी - श्याम किशोर जयसवाल, आशीष गौरव (गोलु), मंदिर प्रभारी - कृष्णा केशरी, मुख्य संरक्षण - जगदीश केसरी, मधुसूदन मिश्रा, रामा साव।

चैनपुर प्रखंड में मौसम ने बिगाड़ा हाल जनजीवन हुआ अस्त व्यस्त

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड में मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के प्रभाव से शुक्रवार को आंधी-तूफान और ओलावृष्टि के साथ झमाझम बारिश रही। इस अपरिहार्य मौसम की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। भारी बारिश ने आम जन को खासा परेशान किया, जिससे बुनियादी सुविधाओं पर भी प्रतिकूल असर पड़ा। बारिश के दौरान, कई स्थानों पर पेड़ की टहनियां टूटकर गिर गईं, जिसे स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से किनारे किया गया। हालांकि, यह हादसा कई स्थानों पर चालकों और राहगीरों के लिए मुश्किलें पैदा कर गया। बारिश के बाद, कई जगहों पर रोड में जल जमाओ की से बाहर निकलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।इसी बीच, चैनपुर प्रखंड के बस स्टैंड के समीप नाली की गंदगी सड़क पर बहने लगी है। इससे उत्पन्न दुर्गंध से आम जनता और दुकानदारों को काफी परेशानी हो रही है। इस नाली की सफाई एवं मरम्मत के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रखंड कर्मियों को बार-बार सूचना दी गई, परंतु स्थिति अब तक जस की तस बनी हुई है। यह आमजन के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी खतरा बढ़ गया है। दुकानदार सुभाष केशरी ने कहा, हमने कई बार जन प्रतिनिधियों से इस समस्या के बारे में बताया है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हमें रोज इस गंदगी का सामना करना पड़ रहा है।₹चैनपुर प्रखंड के लोगों का कहना है कि अगर जल्द ही नाली की सफाई और मरम्मत नहीं हुई, तो उनकी दैनिक जीवनशैली पर इसका गंभीर असर पड़ेगा।

केंद्रीय विवि झारखंड में भाषा व स्वदेशी आवाज पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

पद्मश्री अशोक भगत रहे मुख्य अतिथि

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड में भाषा और स्वदेशी आवाज की राजनीति विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। उद्घाटन सत्र में विकास भारती बिशनपुर के सचिव एवं पद्मश्री अशोक भगत बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने स्वदेशी भाषाओं और सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि स्थानीय भाषाएं ही किसी समाज की आत्मा होती हैं और इन्हें संरक्षित करना समय की मांग है।

इस अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह के वरिष्ठ अधिकारी रामाशीष, केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजीत कुमार सिन्हा, भूतपूर्व राजनयिक अशोक सज्जनहार और डॉ. मुकेश मिश्रा सहित देश-विदेश के अनेक प्रख्यात प्रोफेसर, शोधार्थी व विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वदेशी भाषाओं की उपेक्षा, वैश्वीकरण की चुनौतियां और भाषा आधारित अस्मिता के मुद्दों पर विचार साझा किए। सम्मेलन के दौरान स्वदेशी भाषाओं को शिक्षा, प्रशासन और तकनीक में अधिकाधिक समावेश की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

बैंकर्स की बैठक, केसीसी, एसएचजी जैसी योजनाओं की गहन समीक्षा

ग्रामीण बैंकिंग सेवाओं को मजबूत बनाने पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिला अंतर्गत संचालित विभिन्न सरकारी बैंकिंग योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के उद्देश्य से आज समाहरणालय सभागार में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैंकर्स समिति (डीएलबीसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) गुमला, जेएसएलपीएस प्रतिनिधि, जिला उद्यमी समन्वयक सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

बैठक में उपायुक्त ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

लोको बैंक सिसई की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

बैठक में केसीसी योजना की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने लोको बैंक सिसई शाखा के प्रदर्शन पर असंतोष जताते हुए लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को ऋण सुविधा समय पर मिलनी चाहिए ताकि वे खेती-किसानी से जुड़ी जरूरतों को पूरा कर सकें।

बीसी सखी योजना को गति देने का निर्देश

ग्रामीण बैंकिंग सेवाओं को सरल और सुलभ बनाने के लिए उपायुक्त ने फीमेल बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट (बीसी सखी) की नियुक्ति को प्राथमिकता देने का आदेश दिया। उन्होंने बैंक प्रबंधकों से कहा कि वे बीसी सखी चयन और प्रशिक्षण में सहयोग करें, जिससे ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के साथ-साथ ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ भी समय पर मिल सके। बीसी पॉइंट्स की संख्या बढ़ाने और मौजूदा बीसी पॉइंट्स को सक्रिय करने पर विशेष जोर दिया गया।

एसएचजी महिलाओं को कारोबारी मॉडल में ढालने की पहल

उपायुक्त ने बैठक में एसएचजी समूहों की महिलाओं के आजीविका उपक्रमों को बड़े व्यवसाय में बदलने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि महिलाओं को किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के रूप में संगठित कर उन्हें बड़े स्तर पर मार्केटिंग और उत्पादन की दिशा में प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि एफपीओ गठन में गुणवत्ता और दक्षता का ध्यान रखा जाए।

पीएमईजीपी में दस्तावेज प्रक्रिया को सरल बनाने का आदेश

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) में दस्तावेजीकरण और ऋण स्वीकृति प्रक्रिया को समयबद्ध और पारदर्शी बनाने के निर्देश उपायुक्त ने अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को मिले, यह सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है।

प्रशासन और बैंकों में बेहतर समन्वय पर बल

बैठक के अंत में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए।

अस्पताल प्रबंधक का वेतन आदेश तक अवरुद्ध

जिले में मचा हड़कंप इस कार्रवाई के बाद जिला अस्पताल प्रबंधन समेत स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा है कि मरीजों की अनदेखी और दलालों की भूमिका को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

झारखण्ड सरकार
कार्यालयः जिला मत्स्य पदाधिकारी,लोहरदगा
(समाहरणालय परिसर लोहरदगा,
ई–मेल– dfojhar2021loh@gmail.com

आवश्यक सूचना

कार्यालय ज्ञापांक 183 दिनांक 06.03.2025 द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजना अंतर्गत **मैश फीड** की आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रण की सूचना PR No. 348016 Lohardaga (24-25)#D द्वारा प्रकाशित की गई थी जिसमें निविदा की निर्धारित तिथि 22.03.2025 को अपरिहार्य कारणवश अगले आदेश तक के लिए स्थगित की जाती है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
लोहरदगा

PR 348983 Lohardaga(24-25).D

District Health Society, Garhwa Jharkhand)
Email id: - cs.garhwa@gmail.com
Tender NoticeNo.:DHS/GAR/002/2024-25Date:21/03/2025

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन CPHC, कार्यक्रम अंतर्गत प्राप्त DRE 2024 -2025 के आलोक में स्वास्थ्य उपकेन्द्र को आयुश्मान आरोग्य मंदिर के रूप में उत्क्रमित करने एवं संचालन हेतु प्राप्त आवंटन की राशि से Equipment तथा अन्य Specification के अनुरूप क्रय हेतु अधिकृत विक्रेताओं/एजेंसियों से द्वि–लिफाफा पद्वति (तकनीकी एवं वित्तीय निविदा) के माध्यम से शीलबंद निविदा कार्यालय :–सिविल सर्जन कार्यालय, जिला स्वास्थ्य समिति, गढवा पिन कोड – 822114 के नाम से निबंधित या स्पीड़ पोस्ट के माध्यम से निम्न शर्तो के साथ जिला स्वास्थ्य समिति गढवा में आमंत्रित की जाती है।

Sr. No	Particulars	Details
1	Name of the work	Rate contract for Supply of Medicine Equipment, Machinery and Consumables.
2	Date of Publication of Tender on NIC website	21/03/2025
4	Last Date / time for receipt of bids on Office	28/03/2025 by 5.00 pm
6	Technical Bid Opening Date	29.03.2025 by 3.30 pm
7	Financial Bid Opening Date	After Complation of Technical Bid
7	Tender Document Fee (Non-refundable)	Rs.5000/- (Rs. Five Thousand Only) Non Refundable
8	Earnest Money Deposit (EMD)	Rs.50000/- (Rs. Fifty Thousand Only) Note: Companies registered under Jharkhand MSME for said work exempted for EMD.
9	Contact No. of Procurement Cell	7903074534, 9113344530

Note: The specified dates and time may change due to declaration of holidays or any other unforeseen circumstances. The same shall be informed through Garhwa.nic.in as and when required.

PR 348926 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)D

Civil Surgeon Cum CMO
Garhwa.

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED
(CIN: U40108JH2013SGC001704)
OFFICE OF THE GENERAL MANAGER, TRANSMISSION ZONE-IV, MEDININAGAR
Byepass Road, Sudna, Near Sinchai Vibhag, Medininagar – 822101, Jharkhand ,e-mail : gmtzdal@gmail.com

E- Tender Notice

e-NIT No.-577 /PR/ JUSNL/ 2024-25

E- Tender is invited in two parts i.e. Technical Part (Part–I) and Price Part (Part–II) from reputed, capable, experienced and financially sound firm / agency / contractor for the following work:-

Name of Work	Outsourcing of manpower (Highly skilled/ skilled/ITI trained and Unskilled Khalasi/ supporting staff) for operational work at 132/25 kV Railway TSS Nagar Untari for the period from 01.05.2025 to 31.03.2026.
Period of Work	01.05.2025 to 31.03.2026.
Tender fee (Non-refundable)	Rs. 5,900.00/- (Rupees Five Thousand and Nine Hundred) only.
Earnest Money Deposit	Rs. 75,400.00/- (Rupees Seventy Five Thousand and Four Hundred) only.
Availability of Tender Documents on e-tender website	From 24.03.2025 at 03.00 PM to 13.04.2025 upto 4:00 PM.
Start Date and time of upload of BID	24.03.2025 at 03:00 PM
End date and time of upload of BID	13.04.2025 upto 04:00 PM
BID Opening date for Technical Part (Part-I)	14.04.2025 at 04:00 PM
BID Opening date for price part	Will be communicated later on.
Tender Inviting Authority and address for communication	General Manager, Transmission Zone-IV, Medininagar, Byepass Road, Sudna, Near Sinchai Vibhag, Medininagar – 822101, Jharkhand.

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhand tenders.gov.in. Any details / clarification required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned during office hours. Please contact 7488012827 for any enquiry.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. Bidder shall deposit tender fee & EMD as mentioned above through online mode as per rules of e-tendering portal.
4. If there is sudden announcement of holiday by Govt. or Nigam on the date of opening of tender/ last date of submission of bid then the next working day will be considered.
5. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनीशिकयतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager,
Transmission Zone-IV, Medininagar

PR 348981 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(24-25).D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

मैं सब रोगों को स्वास्थ्य नियमों के मेरे उल्लंघन का परिणाम मानूँगा और इस दोष को मैं उचित आहार, कम आहार, उपवास, अधिक व्यायाम, एवं उचित विचारों के द्वारा दूर करने का प्रयत्न करूँगा। - श्री श्री परमहंस योगानंद

संपादकीय

सपनों के घर के नाम पर धोखाधड़ी

मुकदमेबाजी में फंसे हजारों घरों के खरीदारों से सहानुभूति जताते हुए सुप्रीम कोर्ट के जज सूर्यकांत ने बैंकों और बिल्डरों के सांठगांठ की सीबीआई जांच कराने की बात कही है। सीबीआई जांच के अंजाम को समझने के लिए चीफ जस्टिस की अदालत में चल रहे दूसरे मुकदमों का हाल जानना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका के अनुसार, ढाई हजार से ज्यादा हाई प्रोफाइल मामलों की जांच पांच साल से और 3,500 मामलों की जांच करीब 10 साल से सीबीआई के पास लंबित है। छह साल पहले जारी नोटिस के बावजूद सीबीआई और सीवीसी ने सुप्रीम कोर्ट में जवाब दायर नहीं किया। घर खरीदारों की समस्याओं के समाधान और बिल्डरों के कामकाज में जवाबदेही बढ़ाने के लिए वर्ष 2016 में रेरा का गठन किया गया था, लेकिन अदालतों में बढ़ रहे मामलों से साफ है कि अधिकांश राज्यों में रेरा अपने मकसद को पूरा करने में विफल रही है।सिस्टम से हताश और मुकदमेबाजी से परेशान घर खरीदारों की समस्याओं का मूल कारण समझकर ही उनका निवारण हो सकता है। दो साल पहले गठित अमिताभ कांत कमेटी की रिपोर्ट में रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स से जुड़े सभी पक्षकारों का विवरण शामिल है। इंडियन बैंक एसोसिएशन के अनुसार, पूरे देश में फंसे हुए दो तिहाई से ज्यादा प्रोजेक्ट एनसीआर और मुंबई मेट्रोपोलिटन क्षेत्र में हैं। सीएजी की पुरानी रिपोर्ट में नोएडा में बिल्डर, अफसर और नेताओं के गठजोड़ का विस्तार से खुलासा है। उसके अनुसार, वर्ष 2005 से 2018 के बीच सिर्फ तीन बिल्डरों को 80 फीसदी वाणिज्यिक प्लॉट का आवंटन हुआ था। उन कंपनियों से 14,958 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया वसूलने में नोएडा के अधिकारी विफल रहे। उनमें से एक कंपनी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जजों ने ईडी की जांच कराने की बात कही है।अफसरों और बिल्डरों के भ्रष्ट गठजोड़ के और भी कई आयाम हैं। ग्रेटर नोएडा के अधिकारियों ने कॉलोनाइजरों के साथ मिलकर तीन गांवों में 2,000 करोड़ रुपए की जमीन पर अवैध कॉलोनी और विला बनवा दिए। भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े ऐसे प्रोजेक्ट्स में अफसर और बिल्डर मलाई हजम करके निरीह जनता को अदालतों के चक्कर काटने के लिए अभिशप्त कर देते हैं। घर खरीदारों की याचिका के अनुसार, डेवलपर्स की देरी के चलते उन्हें फ्लैट का कब्जा नहीं मिला, लेकिन ईएमआई के भुगतान के लिए बैंक उन्हें मजबूर कर रहे हैं। बैंकों के वकील के दावे के अनुसार, दिवालिया हो रहे बिल्डरों के लिए बैंकों की जवाबदेही नहीं है। इस पर जजों ने सवाल पूछा कि साइट पर एक ईंट भी नहीं, तो फिर बैंकों ने 60 फीसदी लोन कैसे दे दिया। इस पूरे मामले की तह में जाने पर घर खरीदारों के साथ देश के खजाने को लग रही चपत को समझा जा सकता है। वित्त मंत्री द्वारा संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में 16.35 लाख करोड़ रुपये का कर्ज बट्टे खाते में डाला गया है।

> सीबीआई जांच के अंजाम को समझने के लिए चीफ जस्टिस की अदालत में चल रहे दूसरे मुकदमों का हाल जानना जरूरी है।

स्वच्छ जल जीवन है, पर बिगड़े तो हाहाकार है

विश्व जल दिवस विशेष 22 मार्च 2025

जल प्रकृति की सबसे बड़ी देन है क्योंकि संपूर्ण जीव सृष्टि का आधार पानी है, इसके बिना जीवन की कल्पना बेमानी हैं। जल समृद्धता से जंगल, पेड़-पौधे, वन्यजीव समृद्धता बढ़ती है, सबको शुद्ध जल और शुद्ध प्राणवायु मिलती है, ऋतु चक्र, मौसम और प्रकृति में संतुलन बना रहता है, खाद्यान की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ता है, प्रकृति के प्रत्येक घटक पर इसका सीधा प्रभाव पड़ता है। जल शुद्ध और पर्याप्त मात्रा में सबको मिले तो समृद्धि निश्चित है, परंतु यह जल अपर्याप्त और प्रदूषित है, तो फिर यह जल विनाश का कारण है। विश्व का लगभग 97 प्रतिशत जल खारा है या पीने योग्य नहीं है। भारत देश में विश्व की सबसे ज्यादा 18 प्रतिशत जनसंख्या है, परंतु इसके मुकाबले दुनिया के जल संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत भारत में है, जो इसे पानी की कमी वाले देशों में से एक बनाता है, इसका खामियाजा लोगों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ता है क्योंकि हर साल लाखों भारतीय दूषित पानी से बीमार होकर मरते हैं। द लैंसेट के एक अध्ययन के अनुसार, 2019 में जल प्रदूषण के कारण भारत में 500,000 से अधिक लोगों की मौत हुई।

हर साल 22 मार्च को दुनियाभर में "विश्व जल दिवस" पानी के महत्व और वास्तविक स्थिति पर जागरूकता हेतु मनाया जाता हैं। इस साल 2025 की थीम 'ग्लेशियर संरक्षण' है, जो भविष्य के लिए जमे हुए इन ग्लेशियर के जल संसाधनों का संरक्षण करने पर केंद्रित हैं। ग्लेशियर यह पानी का विशाल भंडार है, जो उसका पिघला हुआ पानी पेयजल, कृषि, उद्योग, स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के लिए आवश्यक है, परंतु ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है और इस कारण बड़े-बड़े ग्लेशियर पिघल रहे है एवं वह पिघला हुआ शुद्ध जल समुद्र का स्तर बढ़ा रहे हैं। तेजी से पिघलते ग्लेशियर जल प्रवाह में अनिश्चितता पैदा कर रहे हैं, जिसका लोगों और ग्रह पर गहरा प्रभाव पड़ रहा हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कमी और ग्लेशियरों के सिकुड़ने के अनुरूप स्थानीय नीतियों की आवश्यकता हैं।

आज की बात

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

विश्व आर्थिक मंच ने 15 जनवरी, 2025 को जारी वार्षिक वैश्विक जोखिम रिपोर्ट के 20वें संस्करण में चेतावनी दी है कि भारत देश के सामने एक गंभीर चुनौती है, क्योंकि अगले दो वर्षों (2025-2027) में पानी की कमी देश के सामने सबसे गंभीर खतरा बनकर उभरेगी। शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार, सबसे बड़े वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार, प्रदूषित वायु औसत जीवन प्रत्याशा को 3.6 वर्ष तक कम कर रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल 3,575,000 लोग जल-संबंधी बीमारियों से मरते हैं। यह हर 10 सेकंड में एक मौत के बराबर हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने सरकार को 2024 के एक अध्ययन की जानकारी दी है, जिसमें पाया गया है कि पंजाब में प्रदूषित नदी-नालों के पास रहने वाले लोगों में कैंसर होने की संभावना अधिक होती हैं। जल प्रदूषण में औद्योगिक कूड़ा, मल, माइक्रोबियल प्रदूषण, निलंबित पदार्थ, रासायनिक प्रदूषण, घुलनशील प्रदूषक, रेडियोधर्मी कचरे, थर्मल प्रदूषण, मानव अपशिष्ट, औद्योगिक उद्यम, ऑयल पॉल्यूशन, कृषि प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, खनन, रेडियोधर्मी प्रदूषण, ठोस अपशिष्ट, अम्ल वर्षा जैसे कारण विशेष है, पानी के संपर्क में आते ही यह विशेष कारण जल को विषैला बना देते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2021 में 2 बिलियन से ज्यादा लोग पानी की कमी वाले देशों में रहते थे। 2022 में, वैश्विक स्तर पर कम से कम 1.7 बिलियन लोग मल से दूषित पेयजल स्त्रोतों का उपयोग करते थे। मल संदूषण के कारण पेयजल में सूक्ष्मजीवों का संदूषण, पेयजल सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। 2021 में, 251.4 मिलियन से अधिक लोगों को सिस्टोसोमियासिस के लिए निवारक उपचार की आवश्यकता थी। सूक्ष्मजीवीय रूप से दूषित पेयजल से डायरिया, हैजा, पेचिश, टाइफाइड और पोलियो जैसी बीमारियां फैल सकती है, तथा अनुमान है कि इससे हर साल डायरिया से संबंधित लगभग 505,000 मौतें होती हैं। 296 मिलियन लोग असुरक्षित कुओं और झरनों से पानी भरते है और 115 मिलियन लोग झीलों, तालाबों, नदियों और झरनों से अनुपचारित सतही जल एकत्र करते हैं।

तीव्र शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण जल संसाधनों का प्रदूषण बढ़ गया है, जिससे वे उपयोग के लिए अनुपयुक्त हो गए हैं। अकुशल कृषि पद्धतियां, रसायनों का अत्यधिक उपयोग, भूजल का अत्यधिक दोहन, जलवायु परिवर्तन, खराब जल प्रबंधन और उचित बुनियादी ढांचे की कमी जैसे कई कारक जल की कमी के संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्व बैंक के कुछ आंकड़े अनुसार, भारत देश में 163 मिलियन भारतीयों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है, 210 मिलियन भारतीयों को बेहतर स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंच नहीं हैं। 21 प्रतिशत संक्रामक रोग असुरक्षित जल से संबंधित है, भारत में प्रतिदिन पांच वर्ष से कम आयु के 500 बच्चे दस्त से मरते हैं। भारत की आधी से अधिक नदियाँ अत्यधिक प्रदूषित हैं, तथा कई अन्य नदियाँ आधुनिक मानकों के अनुसार असुरक्षित स्तर पर हैं। शहरों से बहनेवाली नदियाँ नालों का स्वरूप धर चुकी हैं। नीति आयोग की 2018 समग्र जल प्रबंधन सूचकांक रिपोर्ट में कहा गया है कि सुरक्षित जल की अपर्याप्त पहुंच के कारण हर साल लगभग दो लाख लोग मर जाते हैं। 2030 तक लगभग 600 मिलियन लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ सकता है, जो भारत देश की अनुमानित जनसंख्या का लगभग 40 प्रतिशत होगा। वॉटर गैर-लाभकारी संगठन बताती है कि, भारत देश में 1.4 बिलियन की आबादी में से आज भी 35 मिलियन लोगों के पास सुरक्षित जल तथा 678 मिलियन लोगों के पास सुरक्षित स्वच्छता तक पहुंच नहीं है, सुरक्षित जल और स्वच्छता की कमी के कारण हर वर्ष दस लाख से अधिक लोग मरते हैं, तथा हर दो मिनट में एक बच्चा जल या स्वच्छता से संबंधित बीमारियों के कारण जान गंवाता है। विश्व के 29 प्रतिशत स्कूलों में स्वच्छ जल और शौचालय जैसी बुनियादी आवश्यकताओं का अभाव है। बुनियादी जल और स्वच्छता की कमी के कारण हर वर्ष विश्वभर में 260 बिलियन डॉलर बर्बाद हो जाते हैं। विश्व की कम से कम 50 प्रतिशत जनसंख्या वर्ष में कम से कम एक माह तक अत्यधिक जल संकट में रहते हैं। दुनियाभर में महिलाएं और लड़कियां प्रतिदिन कई किलोमीटर तक पानी के लिए भटकती है और पानी इकट्ठा करने में 200 मिलियन घंटे तक बिताती हैं। घर पर सुरक्षित जल और स्वच्छता की उपलब्धता, व्यतीत किए गए समय को बचाती है, जिससे परिवारों को शिक्षा और कार्य के अवसरों को प्राप्त करने के लिए अधिक समय मिलता है, जिससे उन्हें गरीबी के चक्र को तोड़ने में मदद मिलेगी।

जब तक किसी चीज की कमी न हो, तब तक मनुष्य को उस चीज की कीमत नहीं समझतीं, जल से जीवन है, अधिकतर लोगों को पानी प्राप्त करने के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती, उनके हिसाब से दुनिया में पानी सहज उपलब्ध है, शायद इसलिए पानी का मोल लोग नहीं समझते हैं। किसी कठिन परिस्थिति में अगर पानी न मिलें तो तन-मन व्याकुल हो उठता हैं, ग्रीष्म ऋतु के मौसम में शहरों में किसी कारणवश एक दिन भी जनता को पानी न मिलें तो हाहाकार मच जाता है, तब दुनिया की सबसे कीमती चीज पानी लगती हैं। आज जो पानी हमें सहज उपलब्ध हो रहा है, करोड़ों लोग उस पानी के लिए रोज दर-दर भटकते है, अपना कीमती समय पानी इकट्ठा करने में गवाते है, फिर भी उन्हें पर्याप्त मात्रा में शुद्ध जल नसीब नहीं होता, मज़बूरी में अशुद्ध जल के उपभोग के कारण घातक बीमारियों का शिकार होकर असमय मौत के आगोश में चले जाते हैं। पानी की कमी के कारण पशु-पक्षियों, वन्यजीवों का तो अधिक बुरा हाल होता है। पानी का अपव्यय और योग्य प्रबंधन द्वारा संग्रहण, इसके तरीके हम सभी जानते है, लेकिन गंभीरता नहीं समझतें। अनमोल पानी का महत्व समझें, शुद्ध जल पर प्रत्येक व्यक्ति और जीवों का बराबरी का अधिकार है, सबको शुद्ध जल मिलें यह हम सबकी जिम्मेदारी हैं। जल बचाएं, अनमोल जीवन बचाएं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

प्लेसमेंट व पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार के लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

अलग बात

डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा

किसान आंदोलन : विरोध की राह से भटकाव तक का सफर

टकराव से नहीं, संवाद से निकलेगा हल: किसान आंदोलन का संदेश

लोकतंत्र का असली सौंदर्य उसकी आजादी में छिपा है-वह आजादी जो हर नागरिक को अपनी बात कहने, अपनी असहमति जताने का हक देती है। यह अधिकार ही लोकतंत्र की धड़कन है, जो सत्ता को जनता के प्रति जवाबदेह बनाए रखता है और शासन को निरंकुश होने से रोकता है। लेकिन जब यही विरोध अपनी सीमाएं लांघकर तर्क और समाधान की राह छोड़ देता है, जब वह हठधर्मिता और टकराव का रंग ले लेता है, तो वह न केवल अपने मकसद से भटक जाता है. बल्कि समाज के लिए बोझ बन जाता है। किसान आंदोलन इसका सबसे ज्वलंत और दुखद उदाहरण है। यह आंदोलन, जो कभी किसानों की आवाज बनकर उभरा था, धीरे-धीरे संवाद की संभावनाओं को कुचलता हुआ अड़ियलपन और अव्यवस्था का पर्याय बन गया। इसने न सिर्फ कृषि सुधारों के सवाल को उलझाया, बल्कि देश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न किया और आर्थिक ढांचे को ठप कर दिया। सवाल यह है-यह आंदोलन कहां से शुरू हुआ, और कहां जाकर भटक गया? किसान आंदोलन की शुरुआत 2020 में तब हुई, जब केंद्र सरकार ने तीन कृषि कानूनों को लागू किया। सरकार का दावा था कि ये कानून किसानों को बिचौलियों की जकड़न से आजादी देंगे, उन्हें खुले बाजार में अपनी उपज बेचने का मौका देंगे, और खेती को आधुनिक बनाकर उनकी आय बढ़ाएंगे। यह एक बड़ा सपना था—कृषि को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक ढालने का सपना। लेकिन किसानों के मन में शंकाएं पनपने लगीं। क्या ये कानून बड़े कॉरपोरेट घरानों के लिए रास्ता बनाएंगे? क्या न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की व्यवस्था, जो दशकों से उनकी आर्थिक रीढ़ रही है, खत्म हो जाएगी? ये डर जायज थे, क्योंकि भारत जैसे देश में खेती सिर्फ आजीविका नहीं, संस्कृति और भावनाओं का हिस्सा है। किसानों ने सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद की, और शुरुआत में यह विरोध एक सशक्त लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के रूप में उभरा। सरकार ने इन शंकाओं को दूर करने की कोशिश की। कई दौर की वार्ता बुलाई गई, कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव रखा गया, और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कमेटी बनाकर बीच का रास्ता निकालने की पहल की। लेकिन आंदोलनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। उनकी जिद थी कि कानून पूरी तरह रद्द हों और एमएसपी को कानूनी गारंटी मिले। यह अड़ियल रुख धीरे-धीरे संवाद की हर गुंजाइश को निगल गया। दिल्ली की सीमाओं पर ट्रैक्टरों की कतारें लगीं, सड़कें महीनों तक जाम रहीं, ट्रकों की लंबी लाइनें ठहर गईं, व्यापार ठप हुआ, और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। यह आंदोलन अब किसानों की लड़ाई से ज्यादा हठधर्मिता का प्रदर्शन बन चुका था। क्या यह वाकई किसानों के हित में था, या सिर्फ एक ऐसी जिद जो समाधान की बजाय समस्या को और गहरा रही थी? किसानों की सबसे बड़ी मांग थी कि एमएसपी को कानूनी दर्जा दिया जाए। पहली नजर में यह मांग भावनात्मक रूप से मजबूत और जायज लगती है। आखिर कौन किसान नहीं चाहेगा कि उसकी फसल का दाम तय हो, उसकी मेहनत की कीमत सुरक्षित रहे? लेकिन इस मांग का दूसरा पहलू उतना ही जटिल और चुनौतीपूर्ण है। अगर एमएसपी को कानून बना दिया जाए, तो सरकार को हर फसल को तय दाम पर खरीदना होगा—चाहे बाजार में उसकी मांग हो या न हो। इससे सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ेगा, गोदामों में अनाज सड़ेगा, और कृषि बाजार का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाएगा। इतना ही नहीं, इससे किसानों में नवाचार की भावना कम होगी—नई फसलें उगाने, तकनीक अपनाने या बाजार की जरूरतों के हिसाब से बदलने की प्रेरणा खत्म हो जाएगी। सरकार ने इन खतरों को बार-बार सामने रखा, इसे अव्यावहारिक बताया, लेकिन आंदोलनकारियों के कानों पर जूं तक न रेंगी। यह हठ क्या हासिल कर रहा था-किसानों का भला, या सिर्फ एक असंभव सपने की खोज?

इस पूरे प्रकरण में पंजाब सरकार की भूमिका भी कम दिलचस्प नहीं। जब किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे थे, तब सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने खुलकर उनका साथ दिया। उनके नेता धरना स्थलों पर पहुंचे, जोशीले भाषण दिए, और किसानों को "क्रांतिकारी" करार दिया। यह समर्थन तब तक चला, जब तक आंदोलन से अराजकता नहीं फैली।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

प्रो. आरके जैन

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

जग बदला ना, मैं कभी, बदले ना सरकार।
जब भी मांगी जिंदगी, मिलती रही उधार।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

क्या 'प्रधान पति', 'मुखिया पति' 'सरपंच पति' की होगी छुट्टी?

आधी आबादी की भागीदारी के बिना विकसित भारत का स्वप्न संभव नहीं है। महिलाएं देश की राजनीतिक व्यवस्था में भाग लें, इसके लिये त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था में उनकी भागीदारी आरक्षण के द्वारा सुनिश्चित की गई। आज 33 से 50 फीसदी तक महिला आरक्षण राज्यवार दिया गया है। इसका उद्देश्य साफ था कि अंतिमजनों की आवाजों को प्रमुखता से सुनना। पर व्यवस्था की खामियों का क्या किया जाए, ये अपना रास्ता निकाल ही लेते हैं। आज इस त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था की एक बड़ी समस्या 'प्रधान पति', 'मुखिया पति', 'सरपंच पति' बने हुए हैं। हालिया रिपोर्ट में भी यह समस्या उजागर की गई है कि कैसे महिला सरपंच के पुरुष प्रतिनिधि उनकी जगह पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट कहती है कि उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और राजस्थान में प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व की संख्या अन्य राज्यों की तुलना में कहीं ज्यादा है।

पिछले दिनों पंचायती राज मंत्रालय द्वारा पूर्व खान सचिव सुशील कुमार के नेतृत्व में गठित समिति ने एक रिपोर्ट मंत्रालय को पेश की है। इस समिति का गठन सितंबर, 2023 में किया गया था। 'पंचायती राज प्रणालियों और संस्थाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व और भूमिकाओं को बदलनाः प्रॉक्सी भागीदारी के प्रयासों को खत्म करना' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट प्रॉक्सी प्रतिनिधित्व की बात जोर-शोर से उठाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गांवों में महिलाओं की पारंपरिक और सदियों पुरानी पितृसत्तात्मक मानसिकता और कठोर सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंडों को मनवाने से भी महिला प्रतिनिधित्व पीछे चला जाता है। इसमें एक है कई तरह की पर्दा प्रथाओं का पालन करना। रिपोर्ट में एक कारण राजनीतिक दबाव को भी बताया गया है, जिसमें राजनीतिक विरोधियों द्वारा मिलने वाली धमकी और दबाव भी है जिसे न मानने पर उन्हें हिंसा का सामना करना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त महिलाओं की घरेलू जिम्मेदारियों के कारण उन्हें सार्वजनिक कामों से खुद को अलग करने का दबाव भी रहता है। घर और बाहर दोनों जिम्मेदारियों के दबाव में वे अक्सर घर की जिम्मेदारियों को चुन लेती हैं। इसके अतिरिक्त बहुत बड़ा कारण उनका अशिक्षित रह जाना भी है। बहुत-सी सामाजिक-सांस्कृतिक कारणों से महिलाओं को शिक्षा और सार्वजनिक कामों के अनुभव न हो पाने के कारण वे निर्वाचित होने के बावजूद अपनी भूमिका सीमित कर लेती हैं। सबसे ज्यादा उन्हें वित्तीय निर्णय संबंधी कामों में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है जिसकी वजह से वे संबंधित पुरुष साथियों की मदद लेने को मजबूर हो जाती हैं।

स्थानीय शासन में वास्तविक महिला नेतृत्व को मजबूत करने के मंत्रालय के लगातार प्रयासों के पक्ष में यह रिपोर्ट महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है। इसकी वजह है कि इसमें न केवल वास्तविक समस्या की पहचान की गई है बल्कि समस्या का समाधान भी प्रस्तावित किया गया है। इस कड़ी में मंत्रालय द्वारा साल भर चलने वाला 'सशक्त पंचायत नेत्री अभियान' है, जिसे देश भर में पंचायती राज संस्थाओं की महिला प्रतिनिधियों की क्षमता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए बनाया गया है। यह पंचायती राज पदों पर निर्वाचित महिलाओं के कौशल और आत्मविश्वास के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगा। साथ ही यह सुनिश्चित करेगा कि वे अपने संवैधानिक अधिकारों और जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रही हैं कि नहीं। इस रिपोर्ट में इस समस्या से निपटने के लिये कुछ सुधारात्मक दंड की सिफारिशें की गई हैं। ताकि प्रधान पति, सरपंच पति या मुखिया पति की प्रथा पर रोक लगाई जा सके।

देश की पहली एमबीए सरपंच राजस्थान के टोंक जिले से सोदा गांव की छवि राजावत थीं, जो 2010 में सरपंच बनीं और महिला सशक्तिकरण के लिये काम किया था। अपने एक लेख में कहती हैं कि मेरा केस अपवाद हो सकता है आज भी देश में बहुत-सी निर्वाचित महिला सरपंच शिक्षा और प्रशासनिक ढांचे के सामान्य ज्ञान की कमी से जूझ रही हैं। परिणामस्वरूप वे अलग-थलग पड़ जाती हैं। इस कारण उनकी छोड़ी गई जगहों को भरने के लिये संबंधी पुरुष आगे आ जाते हैं। कुछ मामलों में तो पुरुषों के सपोर्ट को निर्माण परियोजनाओं में मार्गदर्शन प्रदान करने या काम की निगरानी करने या फिर उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से सही ठहराया जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की बात

प्रतिभा कुशवाह

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बागान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

'जिसने 'राम' पर लिखा, वह महान हुआ', राम मंदिर के लिए छोड़ भी सकते हैं सत्ता : योगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत तभी विकसित हो सकता है जब उसके लोग एकजुट हों। उन्होंने कहा कि अगर भारत एकजुट रहेगा तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। श्री अयोध्या धाम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम-युवा) के अंतर्गत अयोध्या मण्डल के उद्यमियों को ऋण वितरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए योगी ने कहा कि जिसने 'राम' पर लिखा, वह महान हुआ। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में सूर्यवंश की परंपरा में एक अवतार के रूप में मानवीय मर्यादा और आदर्श के सर्वोत्तम स्वरूप प्रभु श्री राम हैं जिनकी पावन धरा पर आयोजित यह सम्मेलन अदभुत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा,''मैं अद्भुत इसलिए कहूंगा कि इतने वर्षों तक अयोध्या मौन रही, जबकि यह सत्य है कि जिसने राम पर लिखा वह महान हुआ।'' उन्होंने कहा कि महर्षि नारद ने महर्षि वाल्मीकि को प्रेरणा दी कि इस धरती पर लिखने के लिए कोई महामानव है तो वह केवल राम हैं, राम पर लिखोगे तो लेखनी धन्य हो जाएगी। योगी ने साफ तौर पर कहा कि श्री राम मंदिर के लिए सत्ता भी गंवानी पड़ेगी तो कोई समस्या नहीं। उन्होंने कहा कि हम सत्ता के लिए नहीं आए हैं। 3 पीढ़ियां राम मंदिर आंदोलन के लिए समर्पित रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावहारिक संस्कृति पर दुनिया का पहला महाकाव्य रामायण बना जो साहित्य का आधारभूमि है तथा आप वैदिक संस्कृति से व्यावहारिक संस्कृति में आ गये। उन्होंने कहा व्यावहारिक संस्कृति से कैसे अपनी लेखनी को धन्य करना है, यह सीखना है तो महर्षि वाल्मीकि के शरण में जाएं, जिन्होंने राम को आधार बनाकर महाकाव्य की रचना कर डाली।

सीएम युवा' आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश और आत्मनिर्भर भारत का आधार बनेगा : सीएम

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को श्री अयोध्याधाम के श्री राम कथा पार्क में आयोजित एक भव्य समारोह में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के तहत अयोध्या मंडल के 1,148 युवा उद्यमियों को 47 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया। इस दौरान उन्होंने युवा उद्यमियों के स्टार्टअप की प्रदर्शनी का उद्घाटन और अवलोकन भी किया। अयोध्या मंडल से आए युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 'सीएम युवा' अयोध्या मंडल को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देगा, जो 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' और 'आत्मनिर्भर भारत' का आधार बनेगा। उन्होंने युवाओं से धैर्य और निष्ठा के साथ अपने उद्यम को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

एक नजर

औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग, बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका

महाराष्ट्र। नागपुर हिंसा के बाद मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने का मुद्दा हर जगह चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (ओआईएल) दायर की गई है। केतन तिरोडकर नामक व्यक्ति ने बॉम्बे उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर औरंगजेब के मकबरे को ध्वस्त करने तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को औरंगजेब के मकबरे को राष्ट्रीय स्मारकों की सूची से हटाने का निर्देश देने की मांग की है, क्योंकि यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अधिनियम, 1958 की धारा 3 के अनुरूप नहीं है। पुलिस ने नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान और पांच अन्य के खिलाफ देशद्रोह और सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि हिंसा के तीन दिन बाद शहर के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू हटा लिया गया या उसमें ढील दी गई। बरेलवी संप्रदाय के मौलवी मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर फिल्म 'छावा' पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उनका आरोप है कि यह सांप्रदायिक तनाव को भड़का रही है और नागपुर हिंसा के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। दक्षिणपंथी संगठनों की मांग के बीच कि महाराष्ट्र के संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद में मुगल बादशाह औरंगजेब के मकबरे को हटाया जाए, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने 18वीं सदी की इस इमारत के दो तरफ टिन की चादरें लगा दी हैं।

केदारनाथ यात्रा को लेकर प्रशासन ने शुरू की तैयारियां

गुप्तकाशी। इस वर्ष 2 मई से शुरू होने जा रही विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि केदारनाथ यात्रा में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने राष्ट्रीय राजमार्ग और लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग पर कहीं भी सड़कें खराब या क्षतिग्रस्त न रहें। उन्होंने कहा कि जहाँ-जहाँ सड़कें टूटी हैं या गड्ढे बन गए हैं, उनकी तत्काल मरम्मत की जाए और अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक यह कार्य हर हाल में पूरा हो जाना चाहिए। उन्होंने नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों को निर्देशित किया कि पूरे यात्रा मार्ग, पड़ाव स्थलों, बाजारों और अन्य प्रमुख स्थानों पर सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए। यात्रा के दौरान रोज़ाना सफाई अभियान चलाए जाएं।

मनेर में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, एक घायल बाकी फरार

पटना। बिहार की राजधानी पटना के मनेर थाना क्षेत्र के सूअरमरवा गांव में पुलिस और अपराधियों के बीच जमकर गोलीबारी हुई। यह मुठभेड़ शुक्रवार तड़के 3 से 4 बजे के बीच हुई। गोलीबारी उस वक्त शुरू हुई, जब दानापुर और मनेर पुलिस की संयुक्त टीम गुप्त सूचना के आधार पर एक वांछित अपराधी को पकड़ने के लिए पहुंची। दोनों ओर से हुई गोलीबारी में एक अपराधी घायल हो गया, जबकि उसके साथी फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि सूअरमरवा गांव में कुछ अपराधी छिपे हुए हैं। इस सूचना के आधार पर दानापुर और मनेर थाने की पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई शुरू की। जैसे ही पुलिस टीम गांव में पहुंची, वहां छिपे अपराधियों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी गोलीबारी की। इस मुठभेड़ में सोनू नाम का अपराधी गोली लगने से घायल हो गया। उसे तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दो लोगों की गोली मार कर हत्या

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में शुक्रवार को दिनदहाड़े दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना खानपुर थानाक्षेत्र के उचौरी भैरोपुर गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान सिधौना गांव के रहने वाले अमन चौहान (20) और अनुराग सिंह उर्फ मोनू (27) के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक इराज राजा ने बताया कि अधिकारियों को शुक्रवार दोपहर घटना की जानकारी मिली। उन्होंने बताया, "ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों की गोली मारकर हत्या की गई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

बिल पास होते ही वक्फ बोर्ड की अवैध गतिविधियों पर रोक लगेगी : दिलीप घोष

एजेंसी

कोलकाता। भाजपा नेता दिलीप घोष ने वक्फ बोर्ड, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार और बंगाल में रामनवमी उत्सव के दौरान आईपीएल मैच की तारीख समेत कई मुद्दों को लेकर आईएएनएस से बातचीत की। दिलीप घोष ने वक्फ बोर्ड की कथित अनियमितताओं को लेकर चिंता व्यक्त की और कहा, "देशभर में वक्फ बोर्ड के नाम पर कई संपत्तियों का अवैध कब्जा किया गया है। इससे बहुत सारी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, लेकिन एक बिल आ रहा है जिसे पारित कर दिया जाएगा, इससे इन समस्याओं का समाधान होगा। इस कानून से वक्फ बोर्ड की अवैध गतिविधियों पर रोक लगेगी।" कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया पर आरोप लगाते हुए दिलीप घोष ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में भ्रष्टाचार हो रहा है और टैक्स चोरी भी खूब की जा रही है। उन्होंने विशेष रूप से सिद्दारमैया पर निशाना साधते हुए कहा कि कर्नाटक में पिछले तीन सालों से हेलीकॉप्टर टैक्स की चोरी हो रही है, और कांग्रेस पार्टी ने हमेशा इसी तरह के भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। चुनाव आयोग को इस तरह के मामलों में कार्रवाई करनी चाहिए। घोष ने बंगाल में चुनावी धोखाधड़ी और फर्जी वोटर्स के मुद्दे पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बंगाल में लाखों फर्जी वोटर्स हैं, जिन्हें चुनाव आयोग से हटाने की मांग की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग के सामने बार-बार इस मुद्दे को उठाया गया है, और अब धीरे-धीरे इस पर कार्रवाई हो रही है, जिससे लाभ मिलेगा।

दिलीप घोष ने 6 अप्रैल को रामनवमी उत्सव के दौरान आईपीएल मैच होने को लेकर भी राय रखी। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल को बंगाल में रामनवमी का बड़ा उत्सव मनाया जाता है, जिसमें लाखों लोग सड़कों पर उतरते हैं और रात भर कार्यक्रम चलता है। ऐसे में पुलिस और सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है।

पिछले दस साल में मजबूत हुई देश की सुरक्षा

'अब आतंकवादी जहां मरते हैं वहीं दफन होते हैं' : अमीत शाह

- पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद उरी और पुलवामा में हमले हुए।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि यहाँ 21 सदस्यों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। एक तरह से गृह मंत्रालय के अनेक कार्यों के आयामों को समेटने का प्रयास किया गया। सबसे पहले मैं उन हजारों राज्य पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ सीमाओं को मजबूत करने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 साल में सुरक्षा और मजबूत हुई। हमने सुरक्षाबलों का आत्मविश्वास बढ़ाया। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि अब आतंकवादी जहां मरते हैं, वहीं दफन होते हैं।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता में आने के बाद उरी और पुलवामा में हमले हुए। हालांकि, 10 दिनों के भीतर ही भारत ने पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करके मुंहतोड़ जवाब दिया। केवल दो देश, अमेरिका और इजरायल ही अपनी सुरक्षा और सीमाओं के लिए खड़े होते थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को भी इस सूची में शामिल कर लिया। उन्होंने कहा कि बसे पहले तो मैं देश की आजादी के बाद, देश की आंतरिक सुरक्षा को और देश की सरहदों को सुरक्षित करने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले स्टेट पुलिस और सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स के हजारों जवानों को मैं मनपूर्वक श्रद्धांजलि देना चाहता हूं।

गृह मंत्री ने कहा कि इनके बलिदान से ही देश आजादी के 76 साल पार कर विश्व में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मैं बलिदानियों के परिवारजनों को भी मनपूर्वक धन्यवाद करता हूं। उनके सर्वोच्च बलिदान को ये देश, ये सदन कभी भूला नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने संविधान निर्माताओं को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने अनुच्छेद 370 को अस्थायी बनाया और उसी अनुच्छेद के भीतर इसे हटाने का समाधान प्रदान किया। हालाँकि, वोट बैंक की राजनीति ने इसे सुरक्षित रखा। लेकिन 5 अगस्त 2019 को, पीएम मोदी ने इसे हटाने का ऐतिहासिक कदम उठाया, जिससे कश्मीर के शेष भारत के साथ एकीकरण के एक नए युग की शुरुआत हुई। अमित शाह ने कहा कि एक तरह से गृह मंत्रालय बहुत ही कठिन परिस्थितियों में काम करता है। संविधान ने कानून और व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों को दी है।

'डबल इंजन' वाले राज्यों में अपराधों की संख्या अधिक : संजय सिंह

राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के भाषण पर आप सांसद संजय सिंह ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में अन्य केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में 10 गुना अधिक अपराध हैं, यहाँ अपराध चरम पर है लेकिन आपने (गृह मंत्री अमित शाह) इसका कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि आपकी पार्टी के लोग पूरे देश में नफरत फैलाने में लगे हुए हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने इन सब मुद्दों पर कुछ नहीं कहा। विनाशकारी राजनीति से इस देश को क्या लाभ मिल रहा है? इन सब से देश के लोगों को कितना रोजगार मिला है?

राष्ट्र गान का अपमान करने वाले नीतिश कुमार को मांगनी चाहिए माफी :चक्रपाणि

भागलपुर। बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राष्ट्र गान का अपमान करने वाले मुख्यमंत्री नीतिश कुमार को माफी मांगनी चाहिए। राष्ट्र गान के अपमान करने वालों को कानूनी रूप से 3 साल की सजा होती है। राष्ट्रीय जनता दल ने राष्ट्र गान के अपमान के सवाल पर संसद एवं विधानसभा में विरोध दर्ज किया, लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतने गंभीर विषय पर उनके समर्थित लाडले मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर चुप क्यों है।

कर्नाटक विधानसभा से छह महीने के लिए निलंबित हुए 18 भाजपा विधायक

एजेंसी

कर्नाटक। कर्नाटक विधानसभा ने विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए 18 भाजपा विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित करने संबंधी विधेयक पारित कर दिया। विधेयक को कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने पेश किया। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने शुक्रवार को 'हनी-ट्रैप' मामलों के मुद्दे पर हंगामा करने और सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 18 विधायकों को विधानसभा से निलंबित कर दिया। विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने एक मंत्री और अन्य राजनेताओं से जुड़े कथित 'हनी-ट्रैप' प्रयास की न्यायिक जांच एक मौजूदा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश से कराने की मांग की। यह कार्रवाई सदस्यों द्वारा दिन की शुरुआत में विधानसभा की कार्यवाही में कथित बाधा डालने के जवाब में की गई थी, जब उन्होंने अध्यक्ष के आदेशों की अवहेलना की और खुद को अनुशासनहीन और अपमानजनक तरीके से संचालित किया।

निलंबित विधायकों में विपक्ष के मुख्य सचेतक डोड्डानगौड़ा एच पाटिल, अश्वथ नारायण सीएन, एसआर विश्वनाथ, बीए बसवराज, श्री एमआर पाटिल, चन्नबसप्पा (चन्नी), बी सुरेश गौड़ा, उमानाथ ए कोट्यान, शरणु सालगर, शैलेन्द्र बेलडेल, सीके राममूर्ति, यशपाल ए सुवर्णा, बीपी हरीश, भरत शेट्टी वाई, मुनिरत्ना, बसवराज मैटिमूड, धीरज मुनिराजू और चंद्रू लमानी शामिल हैं। निलंबन आदेश के अनुसार, इन सदस्यों को विधानसभा हॉल, लॉबी और गैलरी में प्रवेश करने से रोक दिया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-3-5-7

मकर : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-4-6

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐं। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

पुलिस का बड़ा एक्शन

तीन अवैध बांग्लादेशी और उनके भारतीय मददगार गिरफ्तार

दिल्ली। प्लेस इलाके से तीन अवैध बांग्लादेशी अप्रवासी और उनके भारतीय मददगार को गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश में पहले से ही शादीशुदा होने के बावजूद, मैट्रिमोनियल वेबसाइट के ज़रिए खुद को भारतीय नागरिक बताकर मध्य प्रदेश की एक महिला से धोखे से शादी कर ली।

ट्रंप का अमेरिकी शिक्षा मंत्रालय बंद करने का फ़रमान

- क्या इसमें सफल हो पाएँगे ?

ब्यूरो

नई दिल्ली। दुनिया में गिने चुने जिन देशों की शिक्षा प्रणाली अच्छी मानी जाती है । जहां से पढ़कर विश्व के तमाम वैज्ञानिक , आविष्कार , नोबेल पुरस्कार विजेता, अविष्कारक टेक्नोक्रेट , उद्यमी आदि हुए , उनमें अमेरिका का स्थान पहला है। उस अमेरिकी शिक्षा प्रणाली पर अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुदृष्टि पड़ गई है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान देश के शिक्षा मंत्रालय को बंद करने का वादा किया था। बीते गुरुवार को उन्होंने इससे जुड़े एक आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया। इसके तहत अब संघीय स्तर पर शिक्षा मंत्रालय को खत्म किया जाना है।ट्रंप के इस फैसले से अमेरिका सहित पूरी दुनिया में चिंता व चर्चा है। क्योंकि अमेरिका में शिक्षा व्यवस्था दुनिया में सबसे बेहतरीन स्तर की मानी जाती है।सरकार के सहयोग व फंड से अमेरिका सहित तमाम देशों के प्रतिभाशाली छात्र छात्र वृति पाकर अमेरिका के नामी विश्वविद्यालयों में पढ़ते हैं। ऐसे में ट्रंप के इस फैसले को लेकर अब कई सवाल उठने लगे हैं। यह कि ट्रम्प द्वारा शिक्षा मंत्रालय को बंद करने के फैसले के बाद अमेरिका की शिक्षा व्यवस्था कैसे चलेगी? इस फैसले का देश में शिक्षण संस्थानों पर क्या असर होगा? उनके खर्च कैसे चलेंगे? छात्रों व उनके अभिभावकों का क्या होगा? मालूम हो कि अमेरिका में शिक्षा मंत्रालय की स्थापना 1979 में तत्कालीन राष्ट्रपति जिमी कार्टर की तरफ से की गई थी। इसका उद्देश्य अमेरिका में अलग-अलग राज्यों के साथ केंद्रीय स्तर पर शैक्षिक नीतियों की निगरानी व स्कूलों को वित्तीय मदद देना था। अमेरिका में शिक्षा व्यवस्था को चलाने का तरीका, भारत या अन्य देशों के मुकाबले काफी अलग है। अमेरिका में शिक्षा का अधिकतम भार केंद्र या संघ की सरकार के पास नहीं, बल्कि राज्य व जिला प्रशासन के ऊपर होता है। यानी अमेरिका में शिक्षा मंत्रालय का काम सरकारी स्कूलों को चलाना और उसका पाठ्यक्रम निर्धारित करना नहीं होता, यह जिम्मेदारी प्राथमिक तौर पर राज्यों व जिला प्रशासन की होती है। संघीय शिक्षा मंत्रालय सरकारी और कुछ निजी स्कूलों की फंडिंग से जुड़े बेहद अहम कार्यक्रमों से जुड़ा रहता है। खासकर दिव्यांग छात्र-छात्राओं व कमजोर तबके के छात्रों की शिक्षा के लिए फंड देने के मामले में।शिक्षा मंत्रालय पूरे अमेरिका में नागरिक अधिकारों को लागू कराने के लिए भी जिम्मेदार होता है। केंद्रीय सरकार इसके लिए भी फंड जारी करती है कि स्कूलों में नस्ल व लैंगिक आधार पर भेदभाव को रोका जा सके। इतना ही नहीं शिक्षा मंत्रालय अमेरिकी स्कूलों का डाटा जुटाने व शिक्षा व्यवस्था में आ रही दिक्कतों को सुलझाने का भी काम करता है।अमेरिका में 2024 का शिक्षा बजट 20 लाख करोड़ रुपये था। शिक्षा मंत्रालय में 4400 कर्मचारी काम करते हैं। जो कर्मचारियों के संख्या के हिसाब से छोटा मंत्रालय है। इसमें से भी आधे कर्मचारियों को ट्रम्प ने निकाल दिया है। अब 2200 ही बचे हैं।

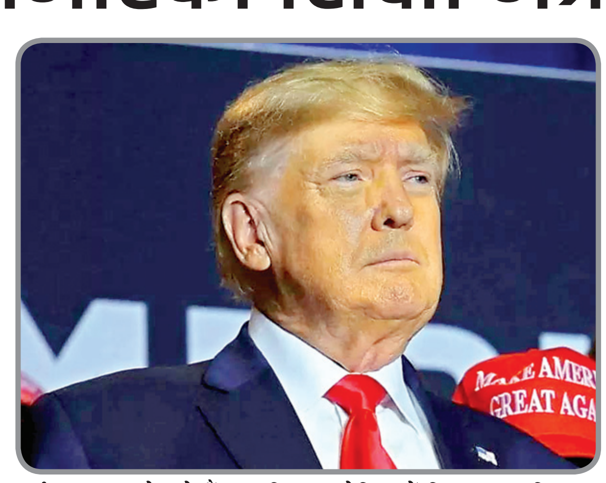

डोनाल्ड ट्रंप ने शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने का आदेश तो दे दिया है, लेकिन यह काम इतना आसान नहीं है। क्योंकि अमेरिका में मंत्रियों की नियुक्ति व इन्हें हटाने का अधिकार राष्ट्रपति के पास होता है, लेकिन मंत्रालयों को स्थापित करने, इनकी फंडिंग यादि की जिम्मेदारी अमेरिकी संसद के पास होती है। ऐसे में ट्रंप को शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने के लिए संसद की मंजूरी भी चाहिए होगी। जिसके लिए अमेरिकी संसद के उच्च सदन में ट्रंप को 100 में से 60 सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी। फिलहाल सीनेट में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है। रिपब्लिकन पार्टी के 53 और विरोधी डेमोक्रेटिक पार्टी के 47 सांसद हैं। जो कि जरूरी 60 प्रतिशत वाले बहुमत से कम है। इस आंकड़े से ट्रम्प को शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने के लिए डेमोक्रेट पार्टी के 7 सांसदों के समर्थन की जरूरत होगी, जो कि अमेरिका के वर्तमान हालात व ट्रम्प तथा मस्क के मनमानी से बढ़ते जा रहे जन रोष में दूर की कौड़ी साबित हो सकता है। यही नहीं, अमेरिकी संसद के निचले सदन- हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी ट्रंप को शिक्षा मंत्रालय खत्म कराने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने में मुश्किल आएगी। बीते वर्ष जब एक अन्य विधेयक के साथ शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने के लिए एक संशोधन लाया गया था, तब रिपब्लिकन पार्टी के ही 60 सांसदों और पूरी डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसके खिलाफ वोट किया था। इसके बावजूद डोनाल्ड ट्रंप शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने के अपने फैसले के साथ आगे बढ़े हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमैहन को आदेश दिया है कि वह इस एजेंसी को खत्म करने के लिए काम शुरू कर दें और संघ पर आने वाली सारी जिम्मेदारी (फंडिंग-व्यवस्था) को राज्यों व जिला प्रशासनों को हस्तांतरित कर दें। ट्रम्प के इस फ़रमान में साफ नहीं है कि संघीय शिक्षा मंत्रालय के खत्म होने के बाद इसके कार्यक्रमों का क्या होगा या इसके कर्मचारियों को किसी और मंत्रालय में भेजा जाएगा या नहीं। इसके अलावा यह भी साफ नहीं है कि संघीय सरकार आगे वित्तीय मदद व छात्रों की तरफ से इस्तेमाल किए गए कर्ज के मुद्दे पर क्या करेंगे। ट्रम्प के आदेश में शिक्षा मंत्रालय को पूरी तरह से खत्म करने की कोई समयावधि भी नहीं दी गई है। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति के इस फैसले को अमेरिकी अदालतों में चुनौती दी जा सकती है।शिक्षा मंत्रालय को खत्म करने से सैकड़ों स्कूलों को मिलने वाली वित्तीय सहायता खत्म हो जाएगी। इससे शिक्षकों व छात्रों पर बराबर असर पड़ने की आशंका है। खासकर दिव्यांग छात्रों को बढ़ावा देने वाले और नस्लीय-लैंगिक विविधता बनाए रखने वाले स्कूलों पर इस फैसले का सबसे ज्यादा असर पड़ेगा। इसलिए भी ट्रम्प के इस फरमान का विरोध हो रहा है।लेकिन तानाशाह प्रवृति के ट्रम्प को इसकी परवाह कहां? देखिए आगे क्या होता है?

लंदन का हीथ्रो एयरपोर्ट बंद, 1300 फ्लाइट कैंसिल

हीथ्रो ब्रिटेन का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है

1300 प्लेन यहां पर हर दिन लगभग टेकऑफ और लैंड करते हैं

3 लाख पैसेंजर प्रभावित, पावर स्टेशन में आग लगने से सभी ऑपरेशन रोके गए

एजेंसी । लंदन

ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हीथ्रो एयरपोर्ट को आज यानी शुक्रवार को बंद कर दिया गया। एयरपोर्ट के पास एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन में गुरुवार रात आग लगने की वजह से एयरपोर्ट की बिजली आपूर्ति बंद करनी पड़ी। इसके चलते 1300 फ्लाइट्स सस्पेंड हुई हैं, जिनसे 2 लाख 91 हजार पैसेंजर्स प्रभावित हुए हैं। आग वेस्ट लंदन के हेस में लगी थी। इस वजह से 5 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल हुई। करीब 150 लोगों को यहां से सुरक्षित निकाला गया है। लंदन फायर ब्रिगेड ने 70 फायर फाइटर्स के साथ शुक्रवार सुबह तक ज्यादातर आग पर काबू पा लिया। हालांकि अभी तक पूरी तरह आग बुझी नहीं है। ब्रिटेन की काउंटर टेररिज्म पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सबस्टेशन पर लगी आग के पीछे किसी का कोई गलत इरादा तो नहीं था।

लंदन जाने वाली फ्लाइट कैंसिल होने के बाद रोम के फ्यूमिसीनो एयरपोर्ट पर इंतजार करता एक व्यक्ति

10 दिन पहले जर्मनी के सभी एयरपोर्ट्स में फ्लाइट्स ठप हुई थीं

9 मार्च को जर्मनी के सभी एयरपोर्ट्स के कर्मचारियों ने एक दिन की हड़ताल बुलाई थी। इसकी वजह से सोमवार (भारतीय समयानुसार) को पूरे देश की हवाई यात्रा ठप हो गई। हड़ताल से पूरे देश में 13 प्रमुख एयरपोर्ट पर 3400 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख जैसे प्रमुख एयरपोर्ट्स भी शामिल हैं। इसके चलते 5 लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित हुए। देश की 25 लाख सरकारी कर्मचारियों वाली वेरडी यूनियन ने सैलरी बढ़ाने की मांग लेकर इस हड़ताल का ऐलान किया था। जर्मनी के समय के मुताबिक ये हड़ताल 10 मार्च से शुरू होनी थी, लेकिन इसे तय समय से एक दिन पहले ही शुरू कर दिया गया।

अमेरिका डाल-डाल तो चीन पात-पात

ब्यूरो

- ट्रम्प के यार मस्क की टेस्ला की गीगाफैक्ट्री मात्र 4.5 वर्ग मील में फैली है
- चीन की बीवाईडी का झेंग्झू प्लांट 32,000 एकड़ (50 वर्ग मील) में
- जो अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को शहर (46.9 वर्ग मील) से भी बड़ा है
- टेस्ला मॉडल 3 की कीमत 30 लाख से शुरू, बीवाईडी की सॉन्ग प्रो डीएम-आई की कीमत 19 लाख से
- भारत को भी है बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प व उनके उद्योगपति यार एलन मस्क की हर चाल की काट के लिए चीन उन दोनों से भी तेज़ी से दाव चल रहा है। ट्रम्प ने मस्क की कंपनी के कार टेस्ला को आगे बढ़ाने के लिए टेस्ला कार खरीद कर उसका प्रचार किया। ट्रम्प सरकार मस्क के हर धंधे को बढ़ाने में लगी है। लेकिन उसकी काट में चीन क्या कर रहा है यह जानकर बहुतों को अचरज हो रहा है। चीन की इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली बड़ी कंपनी बीवाईडी झेंग्झू में अपनी फैक्ट्री को बहुत तेजी से बढ़ा रहा है। पूरी बनने के बाद यह फैक्ट्री इतनी बड़ी हो जाएगी कि अमेरिका के एक बड़े शहर सैन फ्रांसिस्को से भी बड़ी होगी। रेडिट पर एक वीडियो में इस विशाल फैक्ट्री को दिखाया गया है। इसमें उत्पादन के लिए इमारतें, ऊंचे हॉस्टल, फुटबॉल का मैदान, टेनिस कोर्ट और सड़कों का जाल है। निर्माण कार्य भी चल रहा है। इससे पता चलता है कि यह फैक्ट्री और भी बड़ी होने वाली है। अख़बार द सन के अनुसार, बीवाईडी का झेंग्झू प्लांट टेस्ला की नेवादा गीगाफैक्ट्री से भी बड़ा होगा। टेस्ला की गीगाफैक्ट्री 4.5 वर्ग मील में फैली है। पूरी तरह से बनने के बाद बीवाईडी की फैक्ट्री लगभग 32,000 एकड़ यानी 50 वर्ग मील में फैली होगी। यह सैन फ्रांसिस्को शहर से भी बड़ी होगी, जो 46.9 वर्ग मील में फैला है। इस प्रोजेक्ट को आठ चरणों में बनाया जा रहा है। अभी आखिरी चार चरणों का काम चल रहा है। इससे यह फैक्ट्री दुनिया की सबसे बड़ी उत्पादन साइटों में से एक बन जाएगी।फैक्ट्री में 60,000 कर्मचारी ड्रोन से लिए गए वीडियो को देखकर सोशल मीडिया यूजर्स ने अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। एक रेडिट यूजर ने कहा, 'वीडियो के नीचे जो 10 मंजिला इमारतें हैं, वे छात्रावास हैं। यह बहुत बड़ा है।' एक लिंक्डइन यूजर ने कमेंट किया, 'एशियाई फैक्ट्रियां छोटे यूरोपीय शहरों की तरह होती हैं। इनमें बस लाइनें, हॉस्टल, मनोरंजन क्षेत्र आदि होते हैं।' एक व्यक्ति ने मजाक में पूछा, 'मैं अपना रिज्यूमे कहां भेज सकता हूं?' जबकि दूसरे ने कहा, 'यह एक अच्छा वीडियो गेम मैप बन सकता है।'

द सन के अनुसार, पिछले महीने तक झेंग्झू फैक्ट्री में लगभग 60,000 कर्मचारी थे। बीवाईडी (BYD) में कुल मिलाकर 9,00,000 से अधिक लोग काम करते हैं। कंपनी अब अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ा रही है। चाइना डेली के मुताबिक, झेंग्झू ब्रांच इस साल की पहली तिमाही में 20,000 नए कर्मचारियों की भर्ती कर रही है। नौकरी ढूंढने वालों के लिए एक भर्ती साइट बनाई गई है। यहां सामान रखने की जगह भी है। जो लोग इंटरव्यू और मेडिकल चेक पास कर लेते हैं, वे तुरंत अनुबंध पर हस्ताक्षर करके कंपनी में शामिल हो सकते हैं। हॉस्टल में उनके रुकने की व्यवस्था है। मालूम हो कि झेंग्झू फैक्ट्री ने बीते वर्ष अप्रैल में अपनी पहली गाड़ी सॉन्ग प्रो डीएम-आई बनाई थी। इस मॉडल की कीमत 17,600 पाउंड (लगभग 19.7 लाख रुपये) से ज्यादा थी(जबकि टेस्ला की सबसे सस्ती कार, मॉडल 3, की अमेरिका में अनुमानित कीमत 31 लाख रुपये के लगभग है)। यह इस साइट पर बड़े पैमाने पर उत्पादन की शुरुआत थी। उसके बाद से बीवाईडी ने उत्पादन में काफी बढ़ोतरी की है। कंपनी ने शुरू में 2024 में 36 लाख नए एनर्जी व्हीकल बेचने का टारगेट रखा था। मजबूत मांग और उत्पादन क्षमता बढ़ने से कंपनी ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया। साल के अंत तक बीवाईडी ने 42.5 लाख गाड़ियां बेचीं। इस सफलता से उत्साहित होकर कंपनी अब और भी बड़ा लक्ष्य रख रही है। 2025 के लिए कंपनी ने 52.5 लाख कारें बेचने का टारगेट रखा है।यह फैक्ट्री दिखाती है कि चीन कितनी तेजी से विकास कर रहा है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा इलेक्ट्रिक वाहन बाजार है। बीवाईडी चीन की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी है। बीवाईडी दुनिया भर में इलेक्ट्रिक वाहन बेचती है।इससे भारत को भी बहुत बड़ी चुनौती है। क्योंकि भारत को विनिर्माण क्षेत्र में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादन को प्रोत्साहित करना बड़ी चुनौती है। उसे ईवी उद्योग में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए इनोवेशन व टेक्नोलॉजी में निवेश करना होगा। अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा देने की जरूरत है। साथ ही भारत को ईवी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी सरकारी नीतियां व प्रोत्साहन लागू करने की आवश्यकता है। उसे बुनियादी ढांचे के विकास और कुशल श्रम शक्ति पर ध्यान देना होगा। सुनिश्चित करना होगा कि उसके ईवी उद्योग में विदेशी निवेश के साथ घरेलू कंपनियों को भी समान अवसर मिलें। भारत को ईवी बैटरी और अन्य महत्वपूर्ण कम्पोनेंट के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने की जरूरत है।

पाकिस्तान : अस्पताल में घुसे प्रदर्शनकारी, ट्रेन हाइजैक करने वाले आतंकियों के शव लेकर भागे

इस्लामाबाद (आईएएनएस)। बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा के सिविल अस्पताल में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी घुस गए और कई शवों को अपने साथ लेकर भाग गए। माना जा रहा है कि ये शव बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के आतंकवादियों के हैं, जिन्होंने हाल ही में बोलन में जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन पर हमला किया था। सिविल अस्पताल के बाहर यह प्रदर्शन विवादास्पद बलूच अधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच के नेतृत्व वाले संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने किया था। प्रदर्शन में लापता व्यक्तियों के परिवार के सदस्य अधिकारियों से शवों की पहचान करने की अनुमति देने की मांग कर रहे थे। अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि प्रदर्शनकारी जबरन मुर्दाघर में घुसने में सफल रहे और कम से कम पांच शवों को अपने साथ ले गए।

सूडान गृहयुद्ध में बड़ा मोड़, सेना का राष्ट्रपति भवन पर फिर से कब्जा

दुबई/काहिरा (आईएएनएस)। सूडानी सेना ने शुक्रवार को खार्तूम के डाउनटाउन में राष्ट्रपति भवन पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया। हाल के हफ्तों में सेना ने शहर में प्रतिद्वंद्वी रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। खार्तूम पर फिर से कब्जा करना सेना के लिए एक बड़ी प्रतीकात्मक जीत है और संघर्ष में एक निर्णायक मोड़। राष्ट्रपति महल का ऐतिहासिक और राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है। राष्ट्रपति का महल खार्तूम के मध्य में है। यह वह क्षेत्र है जिसमें अधिकांश सरकारी मंत्रालय और वित्तीय संस्थान शामिल हैं।

अमेरिकी सरकार के शिक्षा विभाग पर लगा ताला, ट्रंप ने जारी किया कार्यकारी आदेश

वाशिंगटन (आईएएनएस)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शिक्षा विभाग को औपचारिक रूप से समाप्त करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन शिक्षा को राज्यों को वापस लौटा रहा है। ट्रंप ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में दिए भाषण में कहा, "मूलभूत जरुरतों से परे, मेरा प्रशासन विभाग को बंद करने के लिए सभी वैध कदम उठाएगा। राष्ट्रपति ने कहा, "हम इसे बंद करने जा रहे हैं और जितनी जल्दी हो सके बंद कर देंगे। ट्रंप ने अमेरिकी प्राथमिक, मध्य और उच्च विद्यालयों में छात्रों के बीच पढ़ने और गणित में कम दक्षता का हवाला देते हुए कहा कि शिक्षा विभाग 'हमारे लिए कोई अच्छा काम नहीं कर रहा है।' उन्होंने कहा कि हमारा प्रशासन शिक्षा को राज्यों में वापस दे रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि विभाग के कार्य जैसे पेल ग्रांट, टाइटल ।, विकलांग और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए वित्तपोषण संसाधन, 'पूरी तरह संरक्षित' रहेंगे और 'विभिन्न अन्य एजेंसियों और विभागों में पुनर्वितरित' किए जाएंगे। पेल ग्रांट संघीय वित्तीय सहायता का एक रूप है जो कम आय वाले स्नातक छात्रों को कॉलेज की फीस भरने में मदद करता है।

अफगान नागरिकों को 31 मार्च तक छोड़ना होगा देश नहीं बढ़ेगी समय सीमा : पाक

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद ने पाकिस्तान में रह रहे अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों के लिए निर्वासन की समय सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया और कहा कि सभी बिना दस्तावेज वाले विदेशियों को 31 मार्च तक देश छोड़ना होगा। पाकिस्तान ने प्रत्यावर्तन की समग्र प्रक्रिया को लेकर संयुक्त राष्ट्र, कई मानवाधिकार समूहों और प्रासंगिक एजेंसियों की ओर से उठाई गई चिंताओं, आपत्तियों को भी दरकिनार कर दिया। शफकत अली खान ने कहा कि अवैध विदेशियों और एसीसी धारकों के लिए स्वेच्छा से पाकिस्तान छोड़ने की समय सीमा में कोई बदलाव नहीं किया गया।

8,000 मीटर ऊंचाई तक फैली राख

जकार्ता (आईएएनएस)। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत में स्थित माउंट लेवोटोबी में विस्फोट हुआ। इसके बाद ज्वालामुखी विज्ञान और भूगर्भीय आपदा न्यूनीकरण केंद्र ने अलर्ट की स्थिति को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया। गुरुवार को आधी रात से पहले हुए विस्फोट से 8,000 मीटर तक की ऊंचाई तक राख फैल गई। काले बादल क्रेटर (ज्वालामुखी के शीर्ष पर एक गड्ढा) के दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम में फैल गए।

जयशंकर ने बोलीविया की विदेश मंत्री से की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दक्षिण अमेरिकी देश बोलीविया की विदेश मंत्री सेलिंडा सोसा लुंडा से गुरुवार को मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "आज (गुरुवार) दोपहर बोलीविया की विदेश मंत्री सेलिंडा सोसा लुंडा के साथ द्विपक्षीय सहयोग पर व्यापक चर्चा हुई। हाल ही में ला पाज में हमारे नए दूतावास का उद्घाटन आईएनबीओ साझेदारी को और गहरा करने के हमारे संकल्प को दर्शाता है। आज त्वरित प्रभाव परियोजनाओं पर समझौते पर हस्ताक्षर उस दिशा में एक और कदम है। उल्लेखनीय है कि बोलीविया की विदेश मंत्री सेलिंडा सोसा लुंडा, हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो, नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ईडे और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी मंगलवार को रायसीना डायलॉग के 10वें संस्करण में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली पहुंचे थे। रायसीना डायलॉग 2025, जो विदेश मंत्रालय और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा 17-19 मार्च तक दिल्ली में आयोजित हुआ। यह सम्मेलन देश का प्रमुख मंच है, जो भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर केंद्रित है और वैश्विक समुदाय के सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों के समाधान के लिए समर्पित है।

कहानी फिल्म जगत की

कियारा आडवाणी ने टॉक्सिक में काम करने के लिए 15 करोड़

अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने कन्नड़ सुपरस्टार यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' में काम करने के लिए मोटी रकम ली है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, कियारा आडवाणी ने फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए 15 करोड़ रुपये लिए हैं। अभिनेत्री की हालिया फिल्मों की सफलता और अपनी लोकप्रियता बढ़ने के बाद उन्होंने अपनी फीस भी बढ़ा दी।

प्रियंका और दीपिका भी लिस्ट में शामिल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका पादुकोण ने फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के लिए 23 करोड़ रुपये चार्ज किए थे। अन्य कुछ रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस एसएस राजामौली की अगली फिल्म SSMB29 के लिए 35 करोड़ रुपये चार्ज कर रही हैं।

डीवा साउथ इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हो गई है कियारा

अभिनेत्री कियारा आडवाणी, जो जल्द ही मां बनने वाली हैं, एक बार फिर चर्चा में हैं। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा ने कन्नड़ सुपरस्टार यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' में काम करने के लिए मोटी रकम ली है। इस फीस के साथ ही बॉलीवुड की यह डीवा साउथ इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार, कियारा आडवाणी ने फिल्म 'टॉक्सिक' के लिए 15 करोड़ रुपए लिए हैं। आडवाणी को आखिरी बार फिल्म गेम चेंजर में देखा गया था। अभिनेत्री की हालिया फिल्मों की सफलता और अपनी लोकप्रियता बढ़ने के बाद उन्होंने अपनी फीस भी बढ़ा दी।

'टॉक्सिक' के बारे में

'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' नाम की यह फिल्म कन्नड़ और इंग्लिश दोनों में एक साथ में बनाई जा रही है। फिल्म में कियारा और यश के अलावा डैरेल डी' सिल्वा और अक्षय ओबेरॉय भी मेन रोल में नजर आएंगे। पहले फिल्म अप्रैल में रिलीज होने वाली थी, लेकिन प्रोडक्शन में हुई देरी के कारण इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। कियारा आडवाणी के वर्कफ्रंट की बात करें तो, वह जल्द ही ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ 'वॉर 2' में नजर आएंगी। यह फिल्म यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा होगी।

विस में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का बजट पास, सदन में बोले हेमलाल

गलत पार्टी भाजपा के चक्कर में पड़े हैं बाबूलाल, इसलिए हम जल्दी भागे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का बजट 47 अरब 10 करोड़ 2 लाख 56 हजार पास हो गया है।

इसमें स्थापना व्यय 21002. 56 लाख, राज्य योजनाओं में 340000 लाख और केंद्रीय योजनाओं में 110000 लाख रूपए हैं। स्थापना बजट में शहरी जलापूर्त्ति योजनाओं में 485850000 रूपए, ग्रामीण जलापूर्त्ति योजनाओं में 1475095000 रूपए, पेयलज एवं स्वच्छता विभाग में 119311000 रूपए और विभागीय भवन में 20000000 रूपए का बजट है। वहीं राज्य योजनाओं में निमार्णाधीन योजनाओं के लिए 8500 लाख रूपए, ग्रामीण जलापूर्त्ति योजनाओं की मरम्मति में 4000 लाख रूपए, नलकूपों में विशेष मरम्मति में 4700 लाख रूपए,बड़े शहरों में जलापूर्त्ति योजनाओं के मरम्मति एवं संपोषण में 14500 लाख रूपए है। केंद्र प्रायोजित योजनाओं में जल जीवन मिशन में 89600 लाख रूपए, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में केंद्रांश 20000 लाख रूपए एवं राज्यांश 5000 लाख रूपए हैं।

बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को हेमलाल मुर्मू ने कहा कि बाबूलाल मरांडी गलत पार्टी के चक्कर में पड़े हैं, इसलिए हम पहले ही भाग गए। धोखा देकर 12 बजे रात में बाबूलाल का शपथ ग्रहण कराया, यहीं पर गड़बड़ हो गया। जब 1932 का मामला आया तो बाबूलाल को रास्ता दिखा दिया गया। हम तो झटक गये थे, इसलिए इधर सटक गए। विपक्ष हर बात पर खोरचा लगाते रहेंगे, पीआईएल दाखिल होते रहेंगे।

हेमंत सोरेन पूरे देश के ऑइकॉन मुख्यमंत्री

रघुवर दास पर निशाना साधते हुए हेमलाल मुर्मू ने कहा कि तत्कालीन सीएम ने लिट्टीपाड़ा में पेयजल आपूर्ति के लिए 217 करोड़ की योजना स्वीकृत की, इसका 70 फीसदी राशि खर्च हो गया है पर एक बूंद पानी किसी को नहीं मिला। ये जांच का विषय है। ये लोग सेंटीमेंटल उत्पीड़न देने का काम करते हैं। बाहर से फायर ब्रांड नेता को बुलाते हैं, जो अपने ढंग से चलाने का काम करते हैं। इन सब का मंसूबा खत्म हो गया है। हेमलाल ने कहा कि हेमंत सोरेन पूरे देश के ऑइकॉन हैं। हम 1932 के पक्षधर हैं, इसे लागू करेंगे। हेमंत को रिपलेश करने की संभावना दूर-दूर तक नहीं है।

सरकार गिराने में हेमलाल की भी रही भूमिका : बाबूलाल

बाबूलाल मरांडी ने पलटवार करते हुए कहा कि हेमलाल मुर्मू ने मेरा काफी नाम लिया है, हमलोग साथ काम किए हैं, इसलिए बताना चाहूंगा कि उस समय के सरकार गिराने में हेमलाल मुर्मू की भी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि मेरे कार्यकाल में सड़कों पर दुकान लगाना, नमाज पढ़ना, दुर्गा पूजा में पंडाल सड़क पर लगना बंद हो गए थे, हमारी 28 महीने की सरकार में कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हुई थी। आज राज्य के हालात बदतर है।

जो कहूंगा सच कहूंगा, सच के सिवा कुछ भी नहीं कहूंगा : सीपी सिंह

विधायक सीपी सिंह ने कहा कि जो कहूंगा, सच कहूंगा सच के सिवाय कुछ नहीं कहूंगा। उन्होंने कहा कि रमजान के मौके पर मेन रोड में सड़क के बीचो-बीच दुकानें लगी है, पुलिस पुरूषार्थ क्यों नहीं दिखाती। एक इलाके में अतिक्रमण चलाती है वहीं दूसरे पक्ष के इलाके में अतिक्रमण क्यों नहीं चलाती। लोक आस्था का पर्व छठ पूजा के अवसर पर दुकानों के सामान सड़क पर आ जाए तो पुलिस कारवाई करती है। उन्होंने कहा कि सरकार क्या रातू रोड में एक पक्ष को पूजा-पाठ के अवसर पर रातू रोड में दुकान लगाने की अनुमति देगी। यह भी कहा कि गृह विभाग का बजट कागज का खेल नहीं है।

अवैध खुदाई कर पानी का व्यापार करने वालों पर होगी सख्त कारवाई : योगेंद्र प्रसाद

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री योगेन्द्र प्रसाद ने कहा है कि अब शहर तो छोड़ए गांव में भी लोग अवैध पानी की खुदाई कर पानी निकाल रहे हैं और बोतलों में बंद कर उसे बेच रहे हैं। पानी की गुणवत्ता पर भी सवालिया निशान लगे रहते हैं। श्री प्रसाद ने कहा कि शहर या गांव अवैध पानी की खुदाई कर व्यापार करने वालों पर सख्त कारवाई की जाएगी। वहीं मंत्री ने कहा कि पानी का राजस्व नगर विकास विभाग वसूलती है और योजनाओं के मद की राशि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग देती है इसलिए 19 योजनाओं को नगर विकास विभाग को दिया जा रहा है।

संसद घेरने जा रहे सूरज मंडल सहित कई हुए गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची/ नयी दिल्ली। पूर्व सांसद और भाजपा नेता डॉ सूरज मंडल को अखिल भारतीय सम्पूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह एवं अन्य लगभग 100 आंदोलनकारियों के साथ शुक्रवार को नई दिल्ली में जंतर-मंतर से संसद कूच करने के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया।

मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सिंह के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर मंतर पर धरना देने के बाद जेपी सेनानियों को स्वतंत्रता सेनानी के समकक्ष दर्जा एवं अन्य सुविधाएं देने की अपनी मांगों के समर्थन में संसद घेराव के लिए जाते आंदोलनकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया और बस में भर कर कापसखेड़ा पुलिस थाना में ले गई। इन आंदोलनकारियों में पूर्व सांसद श्री मंडल, मानेश्वर सिंह, कुशेश्वर लाल, सिद्धनाथ पाण्डेय, सुरेंद्र प्रसाद, मुकेश सिंह आदि मुख्य रूप से शामिल हैं।

संसद कूच और धरना कार्यक्रम में बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व दिल्ली के इमरजेंसी के क्रांतिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

इससे पहले जंतर-मंतर पर आयोजित धरना को संबोधित करते हुए डॉ. मंडल ने कहा कि यदि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में सम्पूर्ण क्रांति न होती तो भारतीय लोकतंत्र पर छाये खतरे के बाद स्वतंत्रता आंदोलन में देखे गये सारे सपने समाप्त हो जाते। डॉ. मंडल ने कहा कि जेपी आंदोलन की भावनाओं को जिन्दा रखना ही संपूर्ण क्रान्ति राष्ट्रीय मंच का सबसे प्रमुख मुद्दा है और इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिये मंच निरंतर आगे बढ़ता रहेगा एवं अपनी मांगों को पूरा करने के लिए सरकार पर दबाव डालता रहेगा।

जन भावनाओं को समझते हुए काम करे प्रशासन : संजय सेठ

जहां जलापूर्ति होनी है उसी क्षेत्र में हो जलमीनार का निर्माण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हरमू कॉलोनी में जलमीनार का निर्माण किया जा रहा है, जिसका स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं। नागरिकों का विरोध भी तर्कसंगत है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने इस मुद्दे पर प्रशासन को भी जन भावनाओं का ख्याल रखने की सलाह दी है। श्री सेठ ने कहा कि हरमू कॉलोनी के लोग चाहते हैं कि यहां जलमिनर का निर्माण ना होकर, अन्य स्थान पर किया जाए। इसलिए जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस निर्माण को तुरंत रोका जाए' उन्होंने कहा कि हरमू स्थित लाल बहादुर शास्त्री मार्ग में यह एक मात्र मैदान है, जहां बच्चे खेलते हैं। शादी विवाह व अन्य सामाजिक आयोजन होते हैं। वैसे भी वहां पहले से हेल्थ सब सेंटर बनाने का प्रस्ताव है। जलमीनार का निर्माण हिंदपीढ़ी के लोगों को पानी देने के लिए निर्माण किया जा रहा है। पानी की सप्लाई हिंदपीढ़ी में होनी है तो फिर इसका निर्माण भी हिंदपीडी में ही किया जाना चाहिए। हरमू में प्रशासन जबरन काम कर रही है, जो न्यायसंगत नहीं है। इस कार्य का विरोध करने पर प्रशासन वहां के बुजुर्ग, महिलाएं वहां के स्थानीय लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर रही है। जनभावनाओं को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। रक्षा राज्य मंत्री ने रांची के उपायुक्त से बात कर जल मीनार के काम को रोकने, स्थानीय लोगों को परेशान नहीं करने को कहा है।

शहीद रघुनाथ महतो जयंती पर आजसू प्रमुख व अन्य नेताओं ने की श्रद्धांजलि अर्पित, कहा

रघुनाथ महतो के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड के वीर सपूत एवं महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद रघुनाथ महतो ने मानभूम से लेकर धालभूम नीमडीह, सिल्ली और जंगलमहल के इलाकों में अंग्रेजों के विरूद्ध लड़ाई का नेतृत्व किया था। जब झारखंड के नायकों की अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह की चर्चा होती है, तो इस सूची में 1769 का शहीद रघुनाथ महतो के नेतृत्व में चुआड़ विद्रोह का नाम सबसे पहले आता है। 'अपना गांव-अपना राज, दूर भगाओ विदेशी राज' नारे का उद्घोष करने वाले झारखंड की माटी के वीर सपूत शहीद रघुनाथ महतो के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उक्त बातें झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय शहीद रघुनाथ महतो को माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कही। ज्ञात हो कि 1765 में बंगाल, बिहार एवं ओड़िशा की दीवानी हासिल करते ही अंग्रेज मनमाने ढंग से कृषि राजस्व, जबरन कर वसूलने तथा मालगुजारी बढ़ाने लगे। शोषण एवं जुल्म के खिलाफ शहीद रघुनाथ महतो ने किसानों, ग्रामीणों एवं आम जनमानस को संगठित किया तथा विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष का नया अध्याय लिखा। सुदेश महतो ने कहा कि ब्रिटिश हुकूमत के काले कानूनों के खिलाफ जनमानस को संगठित कर चुआड़ विद्रोह का शंखनाद करनेवाले प्रथम स्वतंत्रता सेनानी अमर शहीद शहीद रघुनाथ महतो को इतिहास के पन्नों में संक्षिप्त परिचय दिया गया। हम इस परिचय को बड़ा करने हेतु प्रतिबद्ध हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयास जारी है।

मौके पर युवाओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि अलग झारखंड राज्य मिलना ही पर्याप्त नहीं, अपने लोगों के हितों के लिए हमें लड़ते रहना होगा। झारखंडियों को आगे ले जाना ही हमारी पहली और आखिरी कोशिश होनी चाहिए। इस अवसर पर मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, संजय मेहता, हरीश कुमार, ओम वर्मा, चेतन कुमार, अजीत कुमार, अमित यादव आदि ने भी शहीद रघुनाथ महतो को श्रद्धांजलि अर्पित की।

न्यूज बॉक्स

अपर पुलिस महानिदेशक ने की कांडों की समीक्षा, जल्द कार्रवाई का निर्देश

रांची। पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशि. एवं आधु. सुमन गुप्ता की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की गई। बैठक में पुलिस उप-महानिरीक्षक पलामू क्षेत्र वाईएस रमेश, धनंजय कुमार सिंह पुलिस उप-महानिरीक्षक, जंगल वारफेयर स्कूल, नेतरहाट एवं पुलिस अधीक्षक, लातेहार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। बैठक में सुमन गुप्ता ने 08 वर्षीय बालक की हत्या के आलोक में दर्ज नेतरहाट थाना काण्ड सं0- 05/2025 के अनुसंधान के प्रगति व गुणवत्ता की समीक्षा की गई। उक्त काण्ड की गुणवत्ता के मद्देनजर बीएनएसएस के संबंधित धारा के तहत डिजिटल तकनीकि साक्ष्य संकलन व फोरेंसिक जाँच पर विशेष बल दिया गया, ताकि दोषी को ससमय सजा दिलाई जा सके, साथ ही उक्त काण्ड के मद्देनजर विगत 10 वर्षों में नेतरहाट युनिट में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त एवं आस-पास के वैसे पुलिस पदाधिकारी/कर्मी जिनके विरूद्ध पूर्व में काण्ड दर्ज हो अथवा विभागीय कार्यवाही की गई है, उसमें अनुसंधान पूर्ण करने व विभागीय कार्यवाही पूर्ण कर फलाफल से अवगत कराने का निर्देश दिया गया। समीक्षोपरान्त एवं निर्देशोंपरांत बैठक समाप्त की गई।

आचार संहिता उल्लंघन के मामले में सुदेश महतो बरी

रांची। सिविल कोर्ट रांची की अदालत ने आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े सात साल पुराने मामले में आरोपी आजसू सुप्रीमो सह पूर्व मंत्री सुदेश महतो को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। 21 मार्च शुक्रवार को एमपी/एलएलए के विशेष न्यायाधीश सार्थक शर्मा की अदालत ने मामले में सुदेश महतो को बरी किया। बचाव पक्ष के अधिवक्ता भरत चंद्र महतो ने बताया कि मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से पांच गवाहों को प्रस्तुत किया गया था। लेकिन घटना को साबित नहीं किया जा सका। जिसका लाभ उन्हें मिला है। यह मामला बिना सबूत के आधार पर दर्ज किया गया था। मामले को लेकर 7 मई 2018 को कोतवाली थाने में सुदेश महतो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में भजन-कीर्तन और सत्संग 23 मार्च को

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग स्थित मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में श्री राधा- कृष्ण मंदिर मे रविवार 23 मार्च को अपराह्न- 12 बजे से संजीवनी सखी ग्रुप की 100 से भी अधिक महिला सदस्यों के द्वारा भव्य भजन- कीर्तन एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अपराह्न 1 बजे से श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में 199 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा। उन्होंने धर्म प्रेमियों से अनुरोध किया है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मंदिर में होने वाले भजन- कीर्तन सत्संग कार्यक्रम मे भाग ले, तथा अन्नपूर्णा महाप्रसाद ग्रहण करें।

सिल्ली में अवैध बालू लदे हाइवा जब्त चालक पर प्राथमिकी दर्ज

रांची। अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जिला खनन टास्क फोर्स ने छापेमारी अभियान चलाया। इसी दौरान सिल्ली के श्याम नगर, झाबरी पेट्रोल टंकी के पास जांच के लिए रोके गए एक हाईवा वाहन (संख्या जेएच01- डीएन 0894) का चालक वाहन लेकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर वाहन को पकड़ा और उसमें अवैध रूप से बालू लदे होने की पुष्टि की और चालक के खिलाफ सिल्ली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जानकारी के अनुसार उपायुक्त को लगातार अवैध बालू उठाव की शिकायतें मिल रही थीं। इसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी सदर, उत्कर्ष कुमार को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद जिला खनन पदाधिकारी अबु हुसैन के नेतृत्व में रात्रि में छापेमारी अभियान चलाया गया।

पृष्ठ एक के शेष

राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं को...

कहीं सबसे बड़ी वजह हमारा खान-पान है । आज ज्यादा से ज्यादा जंक फूडस का इस्तेमाल बच्चों को बीमार बना रहा है और आगे चलकर उन्हें कई गंभीर बीमारियां भी हो रही है । अगर हमें अपने को स्वस्थ रखना है, तो अपने खान-पान में लोकल इंडिजिनस फूड्स (मिलेट्स) लेना होगा। बच्चों को जंक फूड्स की बजाय हेल्दी डाइट्स दें। आज हमें अपने फूड हैबिट्स में बदलाव लाना बेहद जरूरी है।

जन्म के साथ होने वाली बीमारियों की जांच के साथ इलाज की व्यवस्था होनी चाहिए : मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बच्चों में जन्म के साथ कई बीमारियां हो जाती है। बीमारियों का अगर समय पर इलाज नहीं हुआ तो बच्चे की स्थिति काफी खराब हो सकती है ।ऐसे में जरूरी है कि नवजात में होने वाली बीमारियों की प्रॉपर जांच के साथ उसका तुरंत समुचित इलाज होना चाहिये। इस दिशा में भी हमारी सरकार ने कई ठोस कदम उठाया हैं, ताकि बच्चों को रोग मुक्त रख सकें।

यूनिसेफ जैसे संस्थाओं की भागीदारी काफी सराहनीय : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के दूर- दराज के इलाकों में रहने वाले गरीब ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में यूनिसेफ जैसी संस्थाओं की अहम भागीदारी रही है। आज राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं के साथ मिलकर हर व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए संकल्पित है। हमारा प्रयास है कि जंगल, पहाड़ों, तलहटी और सुदूरवर्ती क्षेत्र में रहने वाले लोगों को भी इलाज की अच्छी सुविधा उपलब्ध करा सकें और इसमें स्वयंसेवी संस्थाएं अहम भूमिका निभा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कई रोगों के उन्मूलन की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है और इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। इस अवसर पर मंत्री योगेंद्र महतो, मंत्री सुदिव्य कुमार , विधायक कल्पना सोरेन समेत कई और विधायक, यूनिसेफ की आस्था अलंग एवं डॉ कनीनिका मित्रा तथा अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

आईपीएल का भव्य आगाज आज...

को शाम 6 बजे होगी, जिसमें श्रेया घोषाल, दिशा पाटनी जैसी मशहूर बॉलीवुड हस्तियां अपनी प्रस्तुति देंगी। ओपनिंग सेरेमनी का प्रसारण भी टीवी पर स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए जियोहॉटस्टार पर देखा जा सकता है। आईपीएल में हर सीजन में कोई न कोई बड़ा रिकॉर्ड टूटता है और नए कीर्तिमान बनते हैं। इस सीजन में भी बड़े रिकॉर्ड्स पर नजर रहेगी। अभी तक इस लीग के इतिहास के टॉप सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर में क्रिस गेल द्वारा 2013 सीजन में खेली गई नाबाद 175 रनों की पारी अभी भी टॉप पर है। गेल ने यह पारी मात्र 66 गेंदों पर खेली थी। इससे पहले 2008 में बैंडन मैकुलम ने 73 गेंदों पर नाबाद 158 रन बनाए थे, जो अब लीग के इतिहास का दूसरा सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें तो 2020 के सीजन में केएल राहुल ने 69 गेंदों पर 132 रनों की नाबाद पारी खेली थी, जो आईपीएल में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर है। गेंदबाजी की बात करें तो आईपीएल 2025 में तीन दिग्गजों की उपस्थिति देखने को मिलेगी जो 200 विकेटों के क्लब में शामिल हो सकते हैं। अब तक युजवेंद्र चहल ने आईपीएल में सर्वाधिक 205 विकेट लिए हैं। आईपीएल 2025 में भुवनेश्वर कुमार (181 विकेट), सुनील नरेन (180 विकेट) और रविचंद्रन अश्विन (180 विकेट) के पास 200 विकेटों के खास क्लब में शामिल होने का अच्छा मौका है। वहीं, सर्वाधिक मैचों की बात करें तो भारत के तीन दिग्गजों के नाम यह रिकॉर्ड है। चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 264 मैच खेले हैं। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम 257 आईपीएल मैच हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान विराट कोहली के नाम 252 मैच हैं।

अपराधियों के हमले में घायल...

परिजनों व स्थानिय लोगों ने सड़क जाम कर हत्यारों के गिरफ्तारी की मांग करने लगे। बता दें कि मृतक अंकित परिवार का एकलौता कमाने वाला व्यक्ति था। पिता ठेला संचालक हैं। बंद की सूचना मिलते ही जिला परिषद उपाध्यक्ष ब्रजकिशोर तिवारी, झामुमो जिलाध्यक्ष पंकज प्रजापति मौके पर पहुंच कर आक्रोशितों को शांत कराया। एएसपी अभियान ऋत्विक श्रीवास्तव, एसडीओ जहुर आलम, एसडीपीओ संदीप सुमन ने हत्यारों की अविलंब गिरफ्तार करने और मृतक के आश्रित को नियमानुसार सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के आश्वासन के बाद जाम हटा। इस दौरान प्रशिक्षु डीएसपी वसीम रजा, बीडीओ हरिनाथ महतो, थाना प्रभारी समेत विभिन्न राजनितिक दलों के नेता और कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

झारखंड विधानसभा में आपस में...

हैं, हर चीज में फुदकते रहते हैं। हालांकि कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने भी समर्थन किया और कहा कि वे संसदीय कार्य की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। दरअसल प्रदीप यादव ने गोड्डा में नर्सिंग कॉलेज का मुद्दा उठाया था। इसका जवाब इरफान अंसारी ने दिया और कहा कि पांच बार विधायक बनने के बाद भी नर्सिंग कॉलेज नहीं बनवा सके। जवाब में प्रदीप यादव ने कहा कि सवाल ठीक से पढ़िए। गोड्डा में नर्सिंग कॉलेज बनकर तैयार है। सवाल पूछा है कि वहां पढ़ाई कब से शुरू होगी। यादव के सवाल का जवाब इरफान अंसारी तो नहीं दे सके, उल्टे उन्हीं से सवाल कर दिया कि आप ही बता दें कि कॉलेज कब बना था। इसी बीच प्रभारी संसदीय कार्यमंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि विषयों पर कटाक्ष करना ठीक नहीं है। सदन की मयार्दा का ध्यान रखा जाए। उनकी इस बात का कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने भी समर्थन किया और कहा कि वे संसदीय कार्यमंत्री की जिम्मेवारी निभा रहे हैं। सुदिव्य की बात सुनकर मंत्री इरफान उनसे भिड़ गए। कहा कि यह मामला मेरे और प्रदीप यादव के बीच का है। लगता है कि मंत्री जी बहुत जानकार हो गए हैं। इसी बात पर मंत्री सुदिव्य ने कहा कि यह सदन किसी की व्यक्तिगत सम्पत्ति नहीं है। यह लोकाचार है और लोकाचार में माननीय मंत्रीजी अगर उचित नहीं कर रहे हैं तो रोका जाना चाहिए।

शंकराचार्य का लघु उद्योग भारती ने किया अभिनंदन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। द्वारका शारदापीठाधीश्वेर शंकराचार्य जगतगुरू स्वामी श्री सदानंद सरस्वती महाराज का लघु उद्योग भारती ने अभिनंदन किया। शंकराचार्य अभिनंदन समारोह समिति के तत्वावधान में मारवाड़ी भवन में आयोजित समारोह में उनका अभिवादन प्रांतीय अध्यक्ष विजय छापरिया, प्रांतीय सचिव सत्य प्रकाश पांडेय, रांची जिला अध्यक्ष सुनील गुप्ता आदि ने किया। इन्होंने श्री सदानंद सरस्वती का गुलदस्ता भेंट की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सदानंद सरस्वती महाराज को लघु उद्योग भारती की पत्रिका भी भेंट की। इस दौरान झारखंड में लघु उद्योग भारती की ओर से राज्य में उद्योग हित और राष्ट्र हित पर किए जा रहे कार्यों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर समिति के मुख्य संयोजक विनय सरावगी, प्रमोद शाश्वत, बेनी बाबू अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल आदि मौजूद थे।

रांची नगर निगम ने स्वास्थ्य सुविधाओं व सफाई पर दिया जोर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम के सभागार में नगर स्तरिय अंतर्विभागीय अभिसरण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक प्रशासक मुकेश कुमार ने की। बैठक में शहर की सफाई, जलापूर्ति, स्वास्थ्य सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में डॉ अर्जित कुमार ने कहा कि कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जरूरी है। नगर निगम ने स्वच्छ स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र योजना के तहत 10 और 16 डिजिटलीकृत स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना पर सहमति दी। इसके अलावा उर्बन आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना के तहत वार्ड स्तर पर स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण पर चर्चा हुई। इन केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी, नगर प्रबंधक, ठवलट के जिला कार्यक्रम प्रबंधक, महिला पर्यवेक्षक और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने शहर में सफाई व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति को और बेहतर बनाने पर भी विचार-विमर्श किया।

ओसाका, गत विजेता कोलिन्स तीसरे दौर में पहुंचीं, गॉफ ने केनिन को हराया

मियामी (आईएएनएस) । नाओमी ओसाका ने मियामी ओपन में 24वीं वरीयता प्राप्त सैमसोनोवा को 6-2, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। 2022 मियामी ओपन की फाइनलिस्ट ओसाका ने अपने प्रतिद्वंद्वी द्वारा आखिरी मिनट में किए गए हमले को विफल करते हुए मैच को 1 घंटे 22 मिनट में समाप्त किया और पिछले साल इंडियन वेल्स में सैमसोनोवा पर अपनी जीत को दोहराया। ओसाका और सैमसोनोवा सनशाइन डबल के दौरान डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट के दूसरे दौर में आमने-सामने हुईं और डब्ल्यूटीए के अनुसार, लगातार दूसरे साल पूर्व विश्व नंबर 1 जापानी खिलाड़ी सीधे सेटों में विजयी रहीं। इस साल के इंडियन वेल्स इवेंट में पहले दौर में हार के बाद, ओसाका मियामी में फिर से ट्रैक पर आ गई है, उसने सैमसोनोवा पर जीत के साथ यूलिया स्टारोडुबत्सेवा पर वापसी करते हुए जीत दर्ज की। ओसाका ने अब 2025 में 8-3 जीत-हार का रिकॉर्ड बनाया है। ओसाका की अगली प्रतिद्वंद्वी संयुक्त राज्य अमेरिका की वाइल्ड कार्ड हैली बैपटिस्ट होंगी। इससे पहले गुरुवार को, बैपटिस्ट ने नंबर 12 सीड डारिया कसात्किना को 3-6, 6-4, 7-5 से हराकर अपने करियर की तीसरी शीर्ष 20 जीत हासिल की। ओसाका और बैपटिस्ट इस साल के पहले सप्ताह में पहली बार ऑकलैंड क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने हुए।

आज से आईपीएल 2025 का आगाज

क्रिकेट के रोमांचक सफर की शुरुआत

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडियन प्रीमिय लीग 2025 का आगाज कल 22 मार्च शनिवार से हो रहा है। मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन्स में शुरुआती मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी। विश्व प्रसिद्ध इस टी20 लीग में 13 स्थानों पर 65 दिनों में कुल 74 मैच आयोजित किए जाएंगे। कोलकाता में क्वालीफायर 2 (23 मई को) और 25 मई को खिताबी मुकाबले की मेजबानी भी की जाएगी, जबकि क्वालीफायर 1 और एलिमिनेटर की मेजबानी हैदराबाद में क्रमशः 20 और 21 मई को की जाएगी। कोलकाता ने इससे पहले आईपीएल 2013 और 2015 के फाइनल की मेजबानी की थी, जहां मुंबई इंडियंस (एमआई) विजयी हुई थी। आईपीएल 2024 में उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद 23 मार्च को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में 2008 के चैंपियन राजस्थान रॉयल्स की मेजबानी करेगा। बाद में उस शाम चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस, आईपीएल के इतिहास की 2 सबसे सफल टीमें (पास पांच-पांच खिताब) एमए चिदंबरम स्टेडियम में आमने-सामने होंगी, जो आईपीएल 2025 का पहला डबल-हेडर भी है। सीएसके और एमआई बाद में 20 अप्रैल को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में रिवर्स क्लैश के लिए मिलेंगे। दिल्ली कैपिटल्स 24 मार्च को विशाखापत्तनम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी केकेआर और डीसी ने अभी तक आईपीएल 2025 सीजन के लिए अपने नए कप्तान की घोषणा नहीं की है। इस बीच आरसीबी ने हाल ही में रजत पाटीदार को अपना नया कप्तान नियुक्त किया है, जबकि श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत को पहले क्रमशः पीबीकेएस और एलएसजी के नए कप्तान के रूप में घोषित किया गया था। आईपीएल शुरू होने से पहले एक बार फिर पूरे आईपीएल शेड्यूल पर नजर डाल लेते हैं।

आईपीएल 2025 का पूरा शेड्यूल

22 **मार्च :** शनिवार कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 7:30 PM कोलकाता
23 **मार्च :** रविवार सनराइजर्स हैदराबाद बनाम राजस्थान रॉयल्स 3:30 PM हैदराबाद
23 **मार्च :** रविवार चेन्नई सुपर किंग्स बनाम मुंबई इंडियंस 7:30 PM चेन्नई
24 **मार्च :** सोमवार दिल्ली कैपिटल्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स 7:30 PM विशाखापत्तनम
25 **मार्च :** मंगलवार गुजरात टाइटन्स बनाम पंजाब किंग्स 7:30 PM अहमदाबाद
26 **मार्च :** बुधवार राजस्थान रॉयल्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स 7:30 PM गुवाहाटी
27 **मार्च :** गुरुवार सनराइजर्स हैदराबाद बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स 7:30 PM हैदराबाद
28 **मार्च :** शुक्रवार चेन्नई सुपर किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 7:30 PM चेन्नई
29 **मार्च :** शनिवार गुजरात टाइटन्स बनाम मुंबई इंडियंस 7:30 PM अहमदाबाद
30 **मार्च :** रविवार दिल्ली कैपिटल्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद 3:30 PM विशाखापत्तनम
30 **मार्च :** रविवार राजस्थान रॉयल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स 7:30 PM गुवाहाटी
31 **मार्च :** सोमवार मुंबई इंडियंस बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स 7:30 PM मुंबई
1 **अप्रैल :** मंगलवार लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम पंजाब किंग्स 7:30 PM लखनऊ
2 **अप्रैल :** बुधवार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात टाइटन्स 7:30 PM बेंगलुरु
3 **अप्रैल :** गुरुवार कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद 7:30 PM कोलकाता
4 **अप्रैल :** शुक्रवार लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस 7:30 PM लखनऊ
5 **अप्रैल :** शनिवार चेन्नई सुपर किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स 3:30 PM चेन्नई
5 **अप्रैल :** शनिवार पंजाब किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स 7:30 PM नई चंडीगढ़
6 **अप्रैल :** रविवार कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स 3:30 PM कोलकाता
6 **अप्रैल :** रविवार सनराइजर्स हैदराबाद बनाम गुजरात टाइटन्स 7:30 PM हैदराबाद
7 **अप्रैल :** सोमवार मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 7:30 PM मुंबई
8 **अप्रैल :** मंगलवार पंजाब किंग्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स 7:30 PM नई चंडीगढ़
9 **अप्रैल :** बुधवार गुजरात टाइटन्स बनाम राजस्थान रॉयल्स 7:30 दोपहर 12 बजे अहमदाबाद
10 **अप्रैल :** गुरुवार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स 7:30 बजे बेंगलुरु
11 **अप्रैल :** शुक्रवार चेन्नई सुपर किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स 7:30 बजे चेन्नई
12 **अप्रैल :** शनिवार लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम गुजरात टाइटन्स 3:30 बजे लखनऊ
12 **अप्रैल :** शनिवार सनराइजर्स हैदराबाद बनाम पंजाब किंग्स 7:30 बजे हैदराबाद
13 **अप्रैल :** रविवार राजस्थान रॉयल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 3:30 बजे जयपुर
13 **अप्रैल :** रविवार दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस 7:30 बजे दिल्ली
14 **अप्रैल** :सोमवार लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स 7:30 बजे लखनऊ
15 **अप्रैल :** मंगलवार पंजाब किंग्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स 7:30 बजे नई चंडीगढ़
16 **अप्रैल :** बुधवार दिल्ली कैपिटल्स बनाम राजस्थान रॉयल्स 7:30 बजे दिल्ली
17 **अप्रैल :** गुरुवार मुंबई इंडियंस बनाम सनराइजर्स हैदराबाद 7:30 बजे मुंबई
18 **अप्रैल :** शुक्रवार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम पंजाब किंग्स 7:30 बजे बेंगलुरु
19 **अप्रैल :** शनिवार गुजरात टाइटन्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स 3:30 PM अहमदाबाद
19 **अप्रैल :** शनिवार राजस्थान रॉयल्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स 7:30 PM जयपु र
20 **अप्रैल :** रविवार पंजाब किंग्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 3:30 PM न्यू चंडीगढ़
20 **अप्रैल :** रविवार मुंबई इंडियंस बनाम चेन्नई सुपर किंग्स 7:30 PM मुंबई
21 **अप्रैल :** सोमवार कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम गुजरात टाइटन्स 7:30 PM कोलकाता
22 **अप्रैल :** मंगलवार लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स 7:30 PM लखनऊ
23 **अप्रैल :** बुधवार सनराइजर्स हैदराबाद बनाम मुंबई इंडियंस 7:30 PM हैदराबाद
24 **अप्रैल :** गुरुवार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम राजस्थान रॉयल्स 7:30 PM बेंगलुरु
25 **अप्रैल :** शुक्रवार चेन्नई सुपर किंग्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद 7:30 PM चेन्नई
26 **अप्रैल :** शनिवार कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम पंजाब किंग्स 7:30 PM कोलकाता
27 **अप्रैल :** रविवार मुंबई इंडियंस बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स 3:30 PM मुंबई
27 **अप्रैल :** रविवार दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 7:30 PM दिल्ली
28 **अप्रैल :** सोमवार राजस्थान रॉयल्स बनाम गुजरात टाइटन्स 7:30 PM जयपुर
29 **अप्रैल :** मंगलवार दिल्ली कैपिटल्स बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स 7:30 PM दिल्ली
30 **अप्रैल :** बुधवार चेन्नई सुपर किंग्स बनाम पंजाब किंग्स 7:30 PM चेन्नई
1 **मई :** गुरुवार राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस 7:30 PM जयपुर
2 **मई :** शुक्रवार गुजरात टाइटन्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद 7:30 PM अहमदाबाद
3 **मई :** शनिवार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम चेन्नई सुपर किंग्स 7:30 PM बेंगलुरु
4 **मई :** रविवार कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम राजस्थान रॉयल्स 3:30 PM कोलकाता
4 **मई :** रविवार पंजाब किंग्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स 7:30 PM धर्मशाला
5 **मई :** सोमवार सनराइजर्स हैदराबाद बनाम दिल्ली कैपिटल्स 7:30 PM हैदराबाद
6 **मई :** मंगलवार मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात टाइटन्स 7:30 PM मुंबई
7 **मई :** बुधवार कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स 7:30 PM कोलकाता
8 **मई :** गुरुवार पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स 7:30 PM धर्मशाला
9 **मई :** शुक्रवार लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 7:30 PM लखनऊ
10 **मई :** शनिवार सनराइजर्स हैदराबाद बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स 7:30 PM हैदराबाद
11 **मई :** रविवार पंजाब किंग्स बनाम मुंबई इंडियंस 3:30 PM धर्मशाला
11 **मई :** रविवार दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात टाइटन्स 7:30 PM दिल्ली
12 **मई :** सोमवार चेन्नई सुपर किंग्स बनाम राजस्थान रॉयल्स 7:30 PM चेन्नई
13 **मई :** मंगलवार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम सनराइजर्स हैदराबाद 7:30 PM बेंगलुरु
14 **मई :** बुधवार गुजरात टाइटन्स बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स 7:30 PM अहमदाबाद
15 **मई :** गुरुवार मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स 7:30 PM मुंबई
16 **मई :** शुक्रवार राजस्थान रॉयल्स बनाम पंजाब किंग्स 7:30 PM जयपुर
17 **मई :** शनिवार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स 7:30 PM बेंगलुरु
18 **मई :** रविवार गुजरात टाइटन्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स 3:30 PM अहमदाबाद
18 **मई :** रविवार लखनऊ सुपर जायंट्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद 7:30 PM लखनऊ
20 **मई :** मंगलवार क्वालीफायर 1 7:30 PM हैदराबाद
21 **मई :** बुधवार एलिमिनेटर 7:30 PM हैदराबाद
23 **मई :** शुक्रवार क्वालीफायर 2 7:30 PM कोलकाता
25 **मई :** रविवार फाइनल 7:30 PM कोलकाता

एमसीए ने दिलीप वेंगसरकर, डायना एडुल्जी को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया

मुंबई (आईएएनएस)

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने गुरुवार को दिग्गज क्रिकेटर दिलीप वेंगसरकर और डायना एडुल्जी को खेल में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया। वेंगसरकर और एडुल्जी ने न केवल खिलाड़ियों के रूप में बल्कि प्रशासकों के रूप में भी मुंबई और भारतीय क्रिकेट में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्हें मुंबई के बीकेसी में शरद पवार इंडोर क्रिकेट अकादमी और मनोरंजन केंद्र में आयोजित एक शानदार वार्षिक पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया गया, जहां एमसीए ने शहर की क्रिकेट एक्सीलेंस का जश्न मनाया और 2022-23 और 2023-24 सत्रों के शीर्ष प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन और महाराष्ट्र सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री आशीष शेलार के साथ-साथ एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक

और शीर्ष परिषद के सदस्यों की उपस्थिति में पुरस्कार प्रदान किए गए। 1983 विश्व कप विजेता टीम के एक प्रमुख सदस्य, वेंगसरकर ने 10 टेस्ट और 18 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की और बाद में एमसीए के उपाध्यक्ष और बीसीसीआई की चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। एडुल्जी, जिनका अंतरराष्ट्रीय करियर 17 साल से अधिक समय तक चला, ने भारत में महिला क्रिकेट की स्थापना और प्रचार में अग्रणी भूमिका निभाई।

भारतीय क्वालीफायर शंकर ने स्विस ओपन में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी एंडर्स को चौंकाया

बासेल (आईएएनएस)। भारतीय क्वालीफायर एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यन ने शुक्रवार को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटनसन को हराकर स्विस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जो कि बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट है। विश्व में 64वें स्थान पर काबिज सुब्रमण्यन ने सेंट जैकबशेल में अपने

करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की, उन्होंने तीन बार के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता एंटनसन को एक घंटे छह मिनट में 18-21, 21-12, 21-5 से हराया। सुब्रमण्यन अब अगले दौर में फ्रांस के विश्व नंबर 31 क्रिस्टो पोपोव से खेलेंगे, जिन्होंने पिछले साल जर्मन ओपन और हाइलो ओपन जीता था।

जापान बहरीन पर जीत के बाद 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बनी

सैतामा/जापान (आईएएनएस)

जापान ने गुरुवार को बहरीन को 2-0 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाला पहला देश बनकर इतिहास रच दिया है। दूसरे हाफ में दाइची कामदा और टेकफुसा कुबो के गोल ने जापान की जीत सुनिश्चित की, जिससे पुरुषों के विश्व कप में उनकी लगातार आठवीं उपस्थिति दर्ज हुई। जापान ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, पिछले दो विश्व कप में राउंड ऑफ 16 तक पहुंचा है। उनका पहला क्वालीफिकेशन 1998 में हुआ था, कोरिया गणराज्य के साथ टूर्नामेंट की सह-मेजबानी करने से ठीक चार साल पहले। अभी तीन मैच खेले जाने हैं, जापान ने अपनी जगह पक्की कर ली है। गुरुवार की जीत ने जापान को एशियाई क्वालीफायर के ग्रुप सी में दो स्वचालित स्थानों में से एक की गारंटी दी है, जिससे तीन मैच शेष रहते हुए उनकी जगह पक्की हो गई है। इससे जापान 2026 टूर्नामेंट में आधिकारिक रूप से स्थान सुरक्षित करने वाला पहला गैर-मेजबान

देश बन गया है, जो सह-मेजबान कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ शामिल हो गया है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) में अगले साल के विस्तारित 48-टीम विश्व कप में कम से कम आठ टीमें होंगी। जापान पहले स्थान पर है और वर्तमान योग्यता चरण के माध्यम से पांच और देशों के पास उनके साथ जुड़ने का मौका है, जिसे छह टीमों के तीन समूहों में विभाजित किया गया है। ऑस्ट्रेलिया भी ग्रुप सी में आगे बढ़ने के लिए मजबूत स्थिति में है।

युवराज सिंह डब्ल्यूसीएल सीजन 2 में भारत की कप्तानी करेंगे

नई दिल्ली (आईएएनएस)। दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह ने जुलाई में यूनाइटेड किंगडम में होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के दूसरे सीजन में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। इस प्रतिष्ठित ऑलराउंडर ने पहले टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में भारत को अपनी कप्तानी में खिताबी जीत दिलाकर असाधारण

नेतृत्व का प्रदर्शन किया था। युवराज के साथ अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन भी होंगे, जो पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद इस टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा समर्थित टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण में फिर से भारत की कप्तानी करने के बारे में बात करते हुए, युवराज ने कहा, “मैं फिर से वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हूं।

व्यापार/लाइफ व साइंस

2020 से अब तक 96000 से ज्यादा ‘अडॉप्टेड व्हीकल’ का पंजीकरण : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सरकार ने शुक्रवार को संसद में जानकारी देते हुए कहा कि 2020 से अब तक 96000 से अधिक वाहनों को ‘अडॉप्टेड व्हीकल’ के रूप में रजिस्टर किया गया है,

जो खासकर दिव्यांगों के लिए डिजाइन किए गए हैं। अडॉप्टेड व्हीकल ऐसे मोटर वाहन को कहा जाता है, जिसे शारीरिक रूप से अपंग (आंशिक दिव्यांग), दिव्यांग के इस्तेमाल के लिए डिजाइन और बनाया जाता है। इसके अलावा किसी वाहन में दिव्यांग व्यक्ति के इस्तेमाल के लिए इस तरह की सुविधा का मौजूद होना भी वाहन को ‘अडॉप्टेड व्हीकल’ की कैटेगरी में लाता है। इस्पात और भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा, “1 जनवरी, 2020 से 19 मार्च, 2025 की अवधि के दौरान कुल 96,265 वाहन ‘अडॉप्टेड व्हीकल’ के रूप में पंजीकृत किए गए। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के सेक्शन 52, 1989 नियम 47ए, नियम 47बी और केंद्रीय मोटर वाहन नियम के नियम 112 में वाहन में ऑल्टरेशन या रेट्रो फिटमेंट और परिवर्तन के अनुमोदन से जुड़े प्रावधान हैं।

ग्रीन स्टील के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कदम उठा रही केंद्र सरकार : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली (आईएएनएस)

देश में ग्रीन स्टील मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए स्टील मंत्रालय ने दो पायलट प्रोजेक्ट प्रदान किए हैं, जिसमें वर्टिकल शाफ्ट में 100 प्रतिशत हाइड्रोजन का उपयोग करके डायरेक्ट रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) का उत्पादन किया जाएगा और एक पायलट प्रोजेक्ट में कोयले की खपत और कार्बन फुटप्रिंट में कटौती करने के लिए मौजूदा ब्लास्ट फर्नेस में हाइड्रोजन का उपयोग किया जाएगा। यह जानकारी सरकार द्वारा शुक्रवार को दी गई। स्टील राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि न्यू एवं रिन्यूएबल एनर्जी मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत स्टील इंडस्ट्री में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग के लिए पायलट प्रोजेक्ट्स के कार्यान्वयन के लिए स्टील मंत्रालय को वित्त वर्ष 2029-30 तक 455 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि स्टील मंत्रालय

के अधीन केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम भी लो कार्बन स्टील उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए ऑस्ट्रेलिया से बीएचपी, जर्मनी से एसएमएस, यूनाइटेड किंगडम से प्राइमेटल टेक्नोलॉजीज, बेल्जियम से जॉन कॉकरिल इंडिया लिमिटेड, चेन्नई की राम चरण कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, आईआईटी, बॉम्बे के कार्बन कैप्चर और उपयोग में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और ग्रेट ईस्टर्न एनर्जी कॉरपोरेशन लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठित टेक्नोलॉजी प्रदाताओं के साथ साझेदारी कर रहे हैं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि भारत और जापान ने स्टील क्षेत्र में सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की, जिसमें आर्थिक रुझानों, उद्योग के विकास और दोनों देशों को प्रभावित करने वाली वैश्विक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बातचीत में भारत और जापान में स्टील उद्योग की वर्तमान स्थिति, भारत के गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों, कुछ देशों द्वारा किए जा रहे अधिक उत्पादन के प्रभाव और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों पर सहयोग को लेकर भी चर्चा की गई।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच स्टील उद्योग में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारतीय स्टील मंत्रालय और जापान की इकोनॉमी, ट्रेड और इंडस्ट्री मंत्रालय (एमईटीआई) के बीच पहले से ही एक सहयोग ज्ञापन मौजूद है। हालांकि, स्टील क्षेत्र के विनियमन मुक्त होने के कारण, स्टील कंपनियां सरकार की भागीदारी के बिना वाणिज्यिक हित के आधार पर निवेश के फैसले लेती हैं।

चोरी हुई 297 प्राचीन वस्तुओं को 2024 में अमेरिका से वापस लाया गया : सरकार

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि अब तक देश से तस्करी कर बाहर भेजी गई 588 भारतीय प्राचीन वस्तुएं अमेरिका से वापस लाई गई, इनमें से 297 को 2024 में वापस लाया गया। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में यह जानकारी दी। वह प्राचीन वस्तुओं के अवैध व्यापार को रोकने के लिए अमेरिका-भारत सांस्कृतिक संपत्ति समझौते के तहत वापस लौटाए गई ‘लूटे या चुराए गए कलाकृतियों’ की संख्या से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। मंत्री ने बताया कि यह समझौता रोकथाम के लिए है, इसलिए इसमें कोई निश्चित समय सीमा या लक्ष्य संख्या नहीं है। मंत्री से यह भी पूछा गया कि क्या सरकार चोरी हुई प्राचीन वस्तुओं को वापस लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों या अन्य देशों के साथ सहयोग करने की योजना बना रही है। शेखावत ने कहा, “भारत जरूरत पड़ने पर यूनेस्को और इंटरपोल सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करता है।

उत्तर प्रदेश रेरा ने 18 नई परियोजनाओं को दी मंजूरी, 8 का पंजीकरण बढ़ाया

ग्रेटर नोएडा (आईएएनएस)

यूपी रेरा (उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी) की 166वीं बैठक में 18 नई परियोजनाओं को पंजीकृत किया गया, जिनमें से 10 परियोजनाएं एनसीआर क्षेत्र में हैं। सबसे अधिक 6 परियोजनाएं गौतम बुद्ध नगर में स्वीकृत की गईं। इसके अलावा, 8 परियोजनाओं का पंजीकरण विस्तार किया गया, जिससे निर्माण कार्य पूरा करने का रास्ता साफ हुआ। नई पंजीकृत परियोजनाओं में कुल 3,110 करोड़ रुपए का निवेश होगा और 4,774 आवासीय एवं व्यावसायिक इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। इनमें से अकेले गौतम बुद्ध नगर में 2,355 करोड़ रुपए का निवेश होगा, जो कुल निवेश का 76 प्रतिशत है तथा 3,722 नई यूनिट्स बनेंगी। इसके अलावा, लखनऊ, गाजियाबाद, अयोध्या, मथुरा, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, हापुड़ और झांसी में भी परियोजनाएं विकसित की जाएंगी। रेरा द्वारा पंजीकरण विस्तार

के सभी 8 मामलों को भी मंजूरी दी गई, सभी गौतम बुद्ध नगर के हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने से 4,946 आवंटियों को उनके आवास मिलेंगे। इनमें से 3 परियोजनाएं अमिताभ कांत कमेटी की संस्तुतियों के तहत हैं, जिसमें 2,478 यूनिट्स का निर्माण पूरा किया जाएगा। बैठक में यह पाया गया कि कई प्रमोटर्स अपने पंजीकरण आवेदन को सही तरीके से नहीं भरते, जिससे प्रक्रिया में देरी होती है। इसे ध्यान में रखते हुए, उत्तर प्रदेश रेरा ने निर्णय लिया है कि प्रमोटर्स और उनके कर्मचारियों को लखनऊ मुख्यालय में प्रशिक्षित किया जाएगा।